



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

लॉ 24)

No. 24]

नई विल्सी, शनिवार, जून 13, 1987/ ज्येष्ठ 23, 1909

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 13, 1987/JYAISTHA 23, 1909

इस भाग के भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के काम में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई विल्सी, 8 अप्रैल, 1987

आवश्यक

का. आ. 1452 - प्रायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
प्रारा 2 के अंडे 44 के उपखण्ड (iii) के प्रत्युत्तर में केन्द्रीय सरकार, एनदीआर
नीचे स्तम्भ 4 में उल्लिखित अधिसूचना (अधिन्दनाओं) का अधिकार्यपाल
करते हुए, नीचे स्तम्भ 3 में उल्लिखित कर वसूली अधिकारियों के स्थान
पर नीचे स्तम्भ 2 में उल्लिखित अधिकारी को, जो केन्द्रीय सरकार के
राजपत्रित अधिकारी हैं उनके अधिनियम के प्रत्युत्तर कर वसूली अधिकारियों
की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राविष्ट करती है —

कम उन अधिकारी के नाम उन कर वसूली अधिकारी (अधिकारियों) के नामों विवरणों की सम्बन्ध और
सारी (अधिकारियों) नाम वित्तके स्थान पर नारीब वित्तका अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग स्तम्भ 2 में उल्लिखित करने हेतु प्राविष्ट किया जाना लघूत किया जाना है।

प्राधिकरण किया जाना है।

1. श्री वी. ए. बागले श्री एम. जी. पाठक 6229 (का. स.
398/11/87-आ.क. (ब) दिनांक 21-5-85

2. श्री एम. ए. लोहे श्री एम. ए. पधान — नवें
यह अधिसूचना तत्काल लागू होगी तथा जहाँ तक स्वतंत्र (2) में
उल्लिखित अधिकारी का सबध है, कर वसूली अधिकारियों के रूप में उनके
कार्यभार सम्पादने की नारीब (नारीबों) से लागू होगी ।

[म. 7234/का. स. 398/10/87-आ. क. (ब)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th April, 1987

INCOME-TAX

S.O. 1452.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961¹ (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer(s) under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession of the Notification(s) mentioned below in column 4 :—

Sl. No. Name of the Name of Tax Recovery Officer(s) in place No. and date to be authorised of whom the persons be partially modified to exercise mentioned in column 2 to be authorised powers of 2 to be authorised

Tax Recovery Officer(s)

(1)	(2)	(3)	(4)
1.	S/Shri V.A. S/Shri S.G. Pathak Bengale	6229 (F.No. 398/11/85—IT (B) dated 21-5-1985.	
2.	„ M.A. Lop. „ M.L. Pradhan dhe		

2. This Notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the date(s) they take over charge(s) as Tax Recovery Officers.

[No. 7234/F. No. 398/10/87-IT (B)]

का. आ. 1453.—आयकर अधिनियम, 1961¹ (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राज-परिषत् अधिकारी होने के नाते श्री ए. बी. भटट द्वारा कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री ए. बी. भटट द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[स. 7230/का. स. 398/10/87-आ. क. (ब.)]

S.O. 1453.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri A. B. Bhat being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri A. B. Bhat takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 7230/F. No. 398/10/87-IT(B)]

का. आ. 1454.—आयकर अधिनियम, 1961¹ (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के राज-परिषत् अधिकारी श्री पी. एस. अर्यर को कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री पी. एस. अर्यर द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[स. 7236/का. स. 398/10/87-आ. क. (ब.)]

श्री ए. अलेक्जेंडर, अवृत्त मन्त्री

S.O. 1454.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause 44 of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri P. S. Iyer being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri P. S. Iyer takes over charge as Tax Recovery Officer

[No. 7236/F. No. 398/10/87-IT(B)]

R. H. ALEXANDER, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1987

आयकर

का. आ. 1455¹—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संवेदन में दिनांक 19-12-1984 की पूर्ववर्ती अधिसूचना सं. 6074 (का. सं. 261/1/84-आ. क. न्या.) का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निम्न बताई है कि नीने दी गई अनुसूची में विनिर्विष्ट रेंज के अधीलीय सहायक आयकर प्रायुक्त आयकर के लिए निर्धारित उन सभी अस्तियों और आय को छोड़कर जिन पर केन्द्रीय आयकर आयुक्त अधील से निहित है, अनुसूची के सम्म (2) की तस्वीरधारी प्रविष्टि में विनिर्विष्ट आयकर परिमण्डलों, बाड़ी और चिलों में आयकर से निर्धारित सभी अस्तियों और आय के संबंध में अरना कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेंज

आयकर परिमण्डल/वार्ड और जिले

अधीलीय सहायक, आयुक्त, रेंज-1
कलकत्ता

1. कम्पनी जिला-I

2. कम्पनी जिला-II

3. कम्पनी जिला-III

4. कम्पनी जिला-IV

5. कम्पनी जिला-V

6. विदेश अनुभाग

7. विदेश कम्पनी परिमण्डल-I

8. विदेश कम्पनी परिमण्डल-II

9. सहकारी आयात परिमण्डल

10. सहकारी समिति परिमण्डल

11. जूट परिमण्डल

12. विदेश परिमण्डल VIII

(क. कि.- V)

13. विदेश परिमण्डल-I

14. विदेश जांच परिमण्डल

15. विदेश जांच परिमण्डल-II

16. कम्पनी जिला-VI

17. अनिवासी परिमण्डल

जहाँकहीं कोई आयकर परिमण्डल, वार्ड, जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अन्तरित कर दिया गया वहाँ उस आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसके किसी भाग में किए गए निर्वारणों से उत्तर होने वाली अपीलें और इस अधिसूचना की तारीख से तकाल पूर्व रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें जिसके अधिकारी क्षेत्र से उक्त आयकर परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपटाई जाएं जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमण्डल, वार्ड या जिला अथवा उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो।

यह अधिसूचना दिनांक 1-3-1987 से लागू होगी।

[सं. 7162 (फा. सं. 261/5/87-आ. का. व्या.)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 9th March, 1987

INCOME-TAX

S.O. 1455.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and supersession of the previous notification No. 6074 (F. No. 261/1/84—ITJ) dated 19-12-1984 in this regard the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range specified in column 1 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts Specified in the corresponding entry in Column 2 thereof excluding all persons and incomes assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests in Commissioner Income-tax (Appeal)

SCHEDULE

Range	Income tax Circles/Wards & District
Appellate Assistant Commissioner, Range-I, Calcutta.	(1) Comp. Dist. I. (2) Comp. Dist. II. (3) Comp. Dist. III. (4) Comp.-Dist. IV. (5) Comp. Dist. V. (6) Foreign Section. (7) Foreign Companies Circle-I. (8) Foreign Companies Circle-II. (9) Co-operative Housing Circle. (10) Co-operative Societies Circle. (11) Jute Circle. (12) Special Circle-VIII (Comp. Dist. V) (13) Special Circle-I. (14) Special Investigation Circle-I. (15) Special Investigation Circle-II. (16) Companies Dist.-VI. (17) Non-resident Circle.

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this notification take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-3-1987.

[No. 7162 (F.No. 261/5/87—ITJ)]

का. आ. 1456.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) तथा समय-समय पर यथा-संशोधित अधिसूचना सं. 6400 (फा. सं. 261/12/85-आ. का. व्या.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं द्वारा निदेश देता है कि आयकर आयुक्त (अपील-IV), कलकता स्तम्भ (2) और स्तम्भ (3) की तस्मान्त्यि प्रविलियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्ड, परिमण्डल, जिलों और रेंजों में आयकर अथवा अतिकर या व्याज कर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में ऐसे कार्य निर्वहण करेंगे, जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज), कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा II की उपधारा (1) तथा व्याज कर अधिनियम 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से व्यक्ति हुए हैं और ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों की श्रेणियों की बाबत भी कार्य निर्वहण करेंगे जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया हो या भविष्य में निदेश दें।

अधिकार क्षेत्र तथा प्रधान आयकर वार्ड तथा नि. स. आ. के रेंज परिमण्डल

1	2	3
1. आयकर आयुक्त, (अपील-IV)	1. कम्पनी जिला-IV, (क से छ वार्ड)	1. नि. स. आ., रेंज-II
कलकता।		2. नि. स. आ., रेंज-XII
	2. सहकारी गृह परिमण्डल	3. नि. स. आ., विशेष रेंज-II
		4. नि. स. आ., रेंज-XX
	3. विशेष परिमण्डल-II	5. नि. स. आ., रेंज-XXVI
	4. जिला-II) (1)	6. नि. स. आ., क. नि. रेंज-IV
	5. द्रस्ट परिमण्डल	7. नि. स. आ., क. नि. रेंज-XIV
	6. सर्वेक्षण परिमण्डल-I	8. नि. स. आ., सर्वेक्षण रेंज-I
	7. अनिवासी परिमण्डल	9. नि. स. आ., क. नि. रेंज-V
		10. नि. स. आ., क. नि. रेंज-XV
		11. नि. स. आ., रेंज-I

जहाँ कोई आयकर परिमण्डल वार्ड अथवा रेंज या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार क्षेत्र में अन्तरित कर दिया गया हो, वहाँ उस आयकर वार्ड, परिमण्डल अथवा जिला अथवा रेंज या उसके किसी भाग में किए गए कर निर्वारणों से उत्तर होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तकाल पूर्व, अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष विचाराधीन पड़ी अपीलें जिसके अधिकार क्षेत्र में वह आयकर परिमण्डल, जिला वार्ड अथवा रेंज या उसका कोई भाग अन्तरित किया गया हो, इस अधिसूचना से लागू होने की तारीख से अधिकार क्षेत्र में उस आयकर

आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएंगी और उसके द्वारा निपट ई जाएंगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त वार्ड, परिमण्डल अथवा जिला अथवा रेंज या उसका कोई भाग अन्तरित किया गया है।

यह अधिसूचना 1-3-1987 से लागू होगी।

[सं. 7163 (फा. सं. 261/5/87-आ. का. न्या.)]
मुरेन्द्र पाल, अवर सचिव,

S.O. 1456.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 121 A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and notification No. 6400 (F.No. 261/12/85—ITJ dt. 30-8-85) as amended from time to time, the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Commissioner of Income-tax (Appeal)—IVCalcutta shall perform such functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or interest Tax in the Income-tax Wards, Circles Districts and Ranges specified in the corresponding entries in Column 2 and Column 3 thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in Clauses (a) to (h) of Sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961, in sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profit) Sur-tax, Act, 1964 (7 of 1964) and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with provisions of clause(1) of Sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

Charge with Income-tax Wards Range of IAC
Headquarters and Circles

1	2	3
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)	1. Co-operative Housing Circles IV, Calcutta.	1. IAC Range—II
	2. Co-operative Housing Circles (A to G Wards)	2. IAC Range—XII
	3. Special Circle-II	3. IAC, Special R—II.
	4. Dist.—II(I)	4. IAC Range—XX
	5. Trust Circle.	5. IAC, Range—XXVI.
	6. Survey Circle I	6. IAC, Asstt. Range—IV
	7. Non Resident Circle.	7. IAC, Asstt. Range XIV
		8. IAC, Survey Range I.
		9. IAC, Asstt. Range V.
		10. IAC, Asstt. Range—XV
		11. IAC, Range I.

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or Range or part thereof stands transferred by this Notification from one charge to another charge, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Ward, Circle or District or Range or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from which that Income-tax Circle, District, Ward or Range or Part thereof is transferred shall, from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge to whom the said Ward, Circle or District or Range or Part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1-3-1987.

[No. 7163 (F. No. 261/5/87-ITJ)]
SURENDER PAUL, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(कैपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का.आ. 1457.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स यूनिवर्सल इलैक्ट्रिक लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय 9/1, आर. एन. मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700001 में है, के उक्त अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 1691/84) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है :

[सं. 16/12/86-एम-3]

एन.सी. गोप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1457.—In pursuance of Sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Universal Electrics Limited having its registered Office at 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001 under the said Act (Certificate of Registration No.1691/84).

[No. 16/12/86-M.III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

लाई और नागरिक पर्याप्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

का.आ. 1458.—भारतीय मानक ब्यौरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री के. आर. परमेश्वर को 3000 रु. प्रतिमाह (नियत) के अंतर्वर्ती पूर्व वेतनमान में इसी समय से प्रगति आदेश होने तक भारतीय मानक ब्यौरो के महानिदेशक के पद पर नियुक्त करती है।

[मिसिल सं. 6(4)/87-बी. आई. एस.]

ओ. शे. खेत्रपाल, अवर सचिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 1st June, 1987

S.O. 1458.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Central Government hereby appoints Shri K. R. Paramesvar as Director-General of the Bureau of Indian Standards with immediate effect in the pre-revised scale of pay of Rs. 3,000 p.m. (fixed) until further orders.

[File No. 6(4)/87-BIS]

O. P. KHETRAPAL, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का. आ. 1459.—दिनांक 23 जूलाई, 1986 के भारत के राजपत्र, अलापारण भाग III—खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 23 जूलाई, 1986 के का. आ. 435 (ड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सचिव, भारत सरकार पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के द्वारा महा-प्रबन्धक (तकनीकी) श्री ए. के गुप्ता को दिनांक 18 जूलाई, 1986 के भारत के राजपत्र के भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii) में यदा प्रकाशित दिनांक 18 जूलाई 1986 के का. आ. 429 (ड.) में अविसूचित निर्दिष्ट क्षेत्रों के अन्दर जहाजों के प्रवेश करने के लिए प्राधिकृत करने हेतु सक्षम अधिकारी के रूप में काम करते के लिए अधिसूचित करते हैं।

निर्दिष्ट क्षेत्रों में प्रवेश करने की अनुमति मांगने वाले जहाजों को वह कार्य निर्दिष्ट करना होगा जो उनके द्वारा किया जाना है।

[सं. ओ.-11026/3/81-ओ.एन.जी.डी.ओ-1]

प्रकाश पारब, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1459.—In exercise of the powers conferred by S.O. 435(E) dated 23rd July, 1986 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated 23rd July, 1986, the Secretary to the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas hereby notifies Shri A. K. Gupta, Group General Manager (Technical) of the Oil and Natural Gas Commission to act as the competent authority to authorise entry of ships within the designated areas notified in S.O. 429(E) dated 18th July, 1986, as published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, sub-section (ii) dated 18th July, 1986.

The ships seeking permission to enter the designated areas will have to specify the task to be performed by them.

[No. O-11026/3/81-ONG/DO-I]

P. C. PARAKH, Director

का. आ. 1460.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में बंवई से पूना तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन द्वारा विभाई जानी चाहिये।

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वापद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बास्तें कि उक्त भूमि में हिंबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, बंवई पूर्ण पाइप लाइन प्रोजेक्ट एच.पी.सी.डिपो आर.टी.ओ.आफिस के सामने आर.बी.एम. रोड, पूना-411001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह जाहिर है कि उसको मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की जाफ़त।

अनुसूची

पाइप लाइन वांडों से तप्तुका हवेज, विस्ता-गुण-महाराष्ट्र

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
बांधोली	2061, 2231	--	00-16-20
"	2073	--	00-05-40
"	2090	--	00-08-82
"	2217	--	00-12-24
"	2219, 2074	--	00-11-70
"	2231	--	00-05-40
"	2324	--	00-09-00

[सं. ओ-12016/35/87-ओ.एन.जी.डी.4]

S.O. 1460.—Whereas it appears to Central Government that it is necessary to lay a pipeline for transporting Petroleum Products from Bombay to Pune in the State of Maharashtra through Pipe-line and that said Pipe-line is to be laid through the agency of Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay.

And whereas, it appears to Central Government that for laying pipe-line it is necessary to acquire the Right of User in respect of the lands appended in schedule.

Now therefore, in exercise of the powers vested in them by virtue of Section 3(i) of Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) AO 1962 (50 of 1962) Central Government notify their intention to acquire the Right of user in the lands referred to above.

Any person having his interest in the lands referred to above having any objection for laying the Pipe-line through above mentioned lands may prefer an objection within 21 days of the publication of this notification before the competent authority Hindustan Petroleum Corporation Limited, Bombay Pune Pipeline Project H.P.C. Depot Opposite to R.T.O. Office, R.B.M. Road, Pune-411001.

All persons having any objection may also state whether they want to be heard in person either himself or through any lawyer appointed by him.

SCHEDULE

Pipe Line at Village : WAGHOLI

Tahsil : Haveli, District : Pune, Maharashtra

Village	G.No.	Hissa No.	Area H. Are.
Wagholi	2061, 2231	—	00-16-20
"	2073	—	00-05-40
"	2090	—	00-08-82
"	2217	—	00-12-24
"	2219, 2074	—	00-11-70
"	2231	—	00-05-40
"	2324	—	00-09-00

[No. O-12016/35/87-ONG-D4]

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

शुद्धि पत्र

का. आ. 1461.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 21-1-1984 पृष्ठ क्रमांक 177, 178 का. आ. संख्या 214 के अंतर्गत भारत सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) को अधिसूचना संख्या. O-12016/15/83 आई दिनांक 21-1-1984 के अंतर्गत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) —अधिनियम, 1962 के धारा उपधारा के अधीन वर्णित गांव वाधीली तहसील हवेली जिला पूना महाराष्ट्र के अंतर्गत अधिसूचना में वर्णित भूमि में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 1 के बदले अनुसूची में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 2 में दी गई अनुसूची को पढ़ें।

निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि में पाईप लाइन विलोने का प्रयोजन अलाईनमेट बदलने से अब न रहा है। अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि धारा 6 के उपधारा (i) के अधिसूचना को अनुसूची से कम कर दी गई है।

अनुसूची

भाग-I

कॉलम 2 पढ़ें

कालम 1 के लिये

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल	गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाधीली	225/2065	—	00-10-80	वाधीली	225	का भाग	00-09-00
—"	265	2301	—	—"	—	—"	—
—"	266	क और ग	—	00-51-18	—"	265	00-73-00
—"	268/2327	—	00-53-82	—"	266	—	00-56-00
					268	—	00-61-00

भाग-II

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाधीली	224	का भाग	00-25-00
—"	226	"	00-09-00
—"	228	"	00-28-00
—"	243	"	00-55-00
—"	244	"	00-02-00
—"	262	"	00-70-00
—"	279	"	00-01-00
—"	281	"	00-11-000
—"	264	"	00-44-000

[स. O-12016/15/83-प्रौद्य-II]

New Delhi, the 1st June, 1987

CORRIGENDUM

S.O. 1461.—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum & Natural Gas No. O-12016/15/83-प्रौद्य, dated 21-1-1984 published under S.O. 214 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) at pages 177 and 178 and issued under Section 6 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of User in

Land) Act, 1962 in respect of village :—Wagholi, Tahsil:—Haveli, District:—Pune, Maharashtra, for the S. Nos./ G. Nos. and areas shown in column No. 1 of the Schedule appended to this Corrigendum. Please read the S. Nos. and areas shown in Column No. 2 of the said Schedule.

Lands mentioned in Part II of the appended Schedule however, do not come under the Pipeline Project and therefore, they are deleted from the Schedule appended to the Notification under section 6 Sub-Section (i) referred to above.

SCHEDULE

Read (Col-2)

Village	S. No. & Corresponding Gat No.	H.No.	Area	Village	S.No.	H.No.	Area H.A.C.
Wagholi	225/2065	—	00-10-80	Wagholi	226	Part	00-09-00
“	265/2301	—	00-51-18	“	265	“	00-73-00
“	266/A and C	—	—	“	266	“	00-56-00
“	268/2327	—	00-53-82	“	268	“	00-61-00

PART-II

Village	S. No.	Hissa No.	Area
Wagholi	224	Part	00-25-00
“	226	“	00-09-00
“	228	“	00-28-00
“	243	“	00-55-00
“	244	“	00-02-00
“	262	“	00-70-00
“	279	“	00-01-00
“	281	“	00-11-00
“	264	“	00-44-00

[No. O-12016/15/83-Prod. I]

शुद्धि पत्र

का.आ. 1462.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 16-4-1983 पृष्ठ क्रमांक 1827, 1828 का.आ. संख्या 12016/15/83 प्रोट के अंतर्गत भारत सरकार वेदोविद्यम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (वेदोविद्यम विभाग) की अधिसूचना संख्या 1858 दिनांक 16-4-1983 के अंतर्गत-वेदोविद्यम और व्यनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अन्तर्जन)। प्रश्निविद्यम, 1962 की धारा 3 की उपधारा (i) के अधीन वर्णित गांव वाधोली तहसील हवेली जिला पूना महाराष्ट्र के अंतर्गत प्रश्निविद्यम में वर्णित भूमि में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम के 1 के बदले अनुसूचना में खसरा नम्बर, हिस्सा नम्बर, क्षेत्रफल कॉलम 2 में दी गई अनुसूची को पढ़ें।

निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि में पाइप लाइन लाइन विछाने का प्रयोजन अलाइनमेंट बदलने से अब न रहा है। अब अतः निम्नलिखित अनुसूची के भाग 2 में वर्णित भूमि, धारा 3 की उपधारा (i) के अधिसूचना को अनुसूची से कम कर दी गई है।

अनुसूची

भाग I

कॉलम 2 पढ़ें

कॉलम 1 के लिये

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल	गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाधोली	225/2065	—	00-10-80	वाधोली	225	का भाग	00-09-00
“	265/2301	—	—	“	265	“	00-73-00
“	266/A और C	—	00-51-18	“	266	“	00-56-00
“	268/2327	—	00-53-82	“	268	“	00-61-00

भाग-II

गांव	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल
वाधोली	224	का भाग	00-25-00
“	226	“	00-09-00
“	228	“	00-28-00
“	243	“	00-55-00
“	244	“	00-02-00
“	262	“	00-70-00
“	279	“	00-01-00
“	281	“	00-11-00
“	264	“	00-44-00

[सं. O-12016/15/83-प्रोट]

पी. के. राजगोपालन, ईस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

S.O. 1462—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum & Natural Gas No. 12016/15/83/Prod. dated, 16-4-1983 published under S.O. No. 1858 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 1827 and 1828 and issued under Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 in respect village :—Wagholi.

Tehsil :—Taveli, District:—Pune, Maharashtra, for the S. Nos./ G. Nos. and areas shown in Column No. 1 of the schedule appended to this Corrigendum, please read the S. Nos., G. Nos. and areas shown in Column No. 2 of the said Schedule.

Lands mentioned in Part II of the appended Schedule, however, do not come under the pipeline Project and therefore they are deleted from the schedule appended to the Notification under section 3 Sub-Section (i) referred to above.

SCHEDULE

Read (Col. No. 2)

PART-I

For (Col. No. 1)

Village	S. No. & corresponding Gat. No.	H.No.	Area H.A.C.	Village	S.No.	H.No.	Area H.A.C.
Wagholi	225/2065	—	00—10—80	Wagholi	225	Part	00—09—00
“	265/2301	—	00—51—18	“	265	“	00—73—00
“	266/A and C	—	—	“	266	“	00—56—00
“	268/2327	—	00—53—82	“	268	“	00—61—00

PART-II

Village	S.No.	Hissa No.	Area
Wagholi	224	Part	00—25—00
“	226	“	00—09—00
“	228	“	00—28—00
“	243	“	00—55—00
“	244	“	00—02—00
“	262	“	00—70—00
“	279	“	00—01—00
“	281	“	00—11—00
“	264	“	00—44—00

[No. O-12016/15/83-Prod.]

P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 मई, 1987

का.आ. 1463—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 के 61) के बांड 4 के उपांड 3 की धारा (क) द्वारा प्रदत्त जालियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री पं. मुनिराजू को 3 वर्ष की अवधि के लिए (अर्थात् 27 मई, 1990 तक) केन्द्रीय रेशम बोर्ड का प्रधान नियुक्त करती है और एतद्वारा भारत सरकार के अत्पूर्ति एवं वस्त्र मंत्रालय (वस्त्र विभाग) की अधिसूचना संभाल का.आ. 517(इ) दिनांक 9 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

कथित अधिसूचना में “सदस्यों” की सूची से पूर्व निम्नलिखित पंक्ति जोड़ी जाए:—

अध्यक्ष

श्री पं. मुनिराजू,

[काइम मंड्या 25012/9/85—रेशम]
रेशम चट्टी, संयुक्त विकास भाग्यन (हथकरघा)

MINISTRY OF TEXTILE
New Delhi, the 28th May, 1987

S.O. 1463.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri S. Muniraju as Chairman of the Central Silk Board for a period of 3 years (i.e. upto 27th May, 1990) and hereby makes the following further amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Supply and Textiles (Department of Textiles) No. S.O. 517(E) dated 9-7-85, namely:—

In the said Notification before the entry “Members”, the following entry shall be inserted, namely:—

“Chairman”
Shri S. Muniraju

[F. No. 25012/9/85-Silk]
RACHEL CHATTERJEE, Jt. Development
Commissioner (Handlooms)

इस्पात और खान भवानीय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का.आ. 1464:—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (प्रशासित अधिकारियों की बेवजही) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की पारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए और राजन के राजपत्र, भाग 2, छंड 3, उपछंड (ii) तारीख 23 सितम्बर, 1978 में प्रकाशित भारत सरकार के इस्पात और खान भवानीय (इस्पात विभाग) की अधिसूचना में का.आ. 2758 तारीख 20 सितम्बर, 1978 को उन बातों के सिवाय अधिकारियों करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकारण से पहले किया गया है या लोप किया जाना है, नीचे की सारणी के स्तरम् (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार के राजपत्रित अधिकारियों की पंक्ति के समतुल्य अधिकारी हीने के कारण, उनके अधिनियम के प्रयोगों के लिए संपूर्ण अधिकारी हीने के कारण, उनके अधिकारियों के स्तरम् (2) में विनियोग सरकारी स्थानों के प्रयोगों की बाबत, अपनी अधिकारियों की स्थानीय सीमाओं के भीतर, उनके अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संपूर्ण अधिकारी को प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए और अधिरोपित करते हुए का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारियों के पदनाम सरकारी स्थानों प्रवर्ग और लेक्षात्तिकार की स्थानीय सीमाएं

1	2
महाराष्ट्र कार्मिक प्रबन्धक मेटालर्जिकल एंड इंडी-नियरिंग कन्सल्टेंट्स (ईडिया) निमिटेड, रांची	रांची (बिहार) जिले के रांची नगर निगम की अधिकारियों के भीतर डोराण्डा रिहाय मेटालर्जिकल एंड इंडी-नियरिंग कन्सल्टेंट्स (ईडिया) निमिटेड के और उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन परिसर और रांची नगर निगम रांची (बिहार) की अधिकारियों के भीतर डोराण्डा रिहाय राज्य सरकार के वे परिसर जो मेटालर्जिकल एंड इंडी-नियरिंग कन्सल्टेंट्स (ईडिया) निमिटेड के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन रहे गये हैं।

[का.आ. 32 (31)/85-एस.एस.]

राज प्रकाश पूरी, अन्वर मचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(Department of Steel)

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O. 1464.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel) No. SO 2758, dated the 20th September 1978, published in the Gazette of India Part II, Section 3 Sub section (ii), dated the 23rd September, 1978 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer equivalent to the rank of gazetted officers of the Government to be Estate Officer for the purpose of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on Estate Officer by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction, in respect of the categories of public premises specified in column (2) of the said Table.

353 (1) 87-2

THE TABLE

Designation of Officers	Categories of public premises and local limits of jurisdictions
(1)	(2)
Assistant Personnel Manager, Metallurgical and Engineering Consultants (India) Ltd., situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and the premises belonging to the State Government situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and placed under the administrative control of Metallurgical and Engineering Consultants (India) Limited, Ranchi.	Premises belonging to and under the administrative control of Metallurgical and Engineering Consultants (India) Ltd., situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and the premises belonging to the State Government situated at Doranda within the jurisdiction of Ranchi Municipal Corporation, District Ranchi (Bihar) and placed under the administrative control of Metallurgical and Engineering Consultants (India) Limited.

[File No. 32(31)/85-HSM]
R. P. PURI, Under Secy.

नागर विभाग भवानीय

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

का.आ. 1465:—ग्रन्तराज्यीय विमान पत्तन प्राधिकारण अधिनियम, 1971 की घासा 3 की उपशासा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, विमानिक्षित अधिकारियों को नकाल से ही, सारत अस्तराज्यीय विमान पत्तन प्राधिकारण के बोर्ड के अधिकारियों के रूप में प्रयुक्त करती है:—

- (1) कैटन डी. ब्रोग के स्थान पर श्री राजन जेतली, प्रबंध नियंत्रक, एयर इंडिया।
- (2) कैटन के चहड़ा के स्थान पर श्री जी.टी. पैस, प्रबंध नियंत्रक, इंडियन एयरलाइंस।

उपर्युक्त अधिकारियों के कार्यकाल की अवधि 3 वर्ष अवधि अस्तराज्य पद स्थान शिंग जाने का तारीख तक, जो भी पहले हो, होगी।

[म. एसी-24012/1/87-एए (विष-II)]
श्रीमती अरुणा मालव, विस नियंत्रक

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st May, 1987

S.O. 1465.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3 of Section 3 of the International Airports Authority Act, 1971, the Central Government hereby appoint the following officers as part-time Member of the Board of International Airports Authority of India with immediate effect:—

- (i) Shri Rajan Jatley, Managing Director, Air India vice Capt. D. Bose.
- (ii) Shri G. T. Pais, Managing Director, Indian Airlines vice Capt. K. Chadha.

The tenure of the above officers will be for a period of 3 years or till the date of demitting the present office whichever is earlier.

[No. AV. 24012/1/87-AA (F. II)]
Mrs ARUNA MAKHAN, Financial Controller

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 मई, 1987

का. आ. 1466 :—केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा परिषद के भाग परामर्श दातानीयों को प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के भाग परामर्श करने के बाद एन्डारारा नियम देती है कि श्री लंका विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त "आयुर्विज्ञान स्नातक ग्रोड. गन्त विकित्सा स्नातक" विकित्सीय अर्हता उक्त प्रधिनियम, के प्रयोगों के लिए इस अधिसूचना के रजिस्टर में जारी होने की तारीख से मात्रा प्राप्त अर्हता होता है।

[संख्या वी. 11016/9/84-एम.ई. (पी)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 25th May, 1987

S.O. 1466.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India hereby directs that the medical qualification 'Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery' granted by the University of Sri Lanka, shall be a recognised medical qualification from the date of issue of this notification in the Official Gazette, for the purposes of the said Act.

[No. V. 11016/9/84-ME(P)]

का. आ. 1467 :—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के उपबन्धों के अनुसरण में भारतीय सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में नियमित्रित और संजोधन करती है, अर्थात्—

अन, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में नियमित्रित और संजोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन नियमित्रित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 42 ओर उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर नियमित्रित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

"42 आचार्य मेहदी हुसैन

प्रधानाचार्य जे.एन. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय,
प्रनीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, प्रसीगढ़

[संख्या वी. 11013/5/87-एम.ई. (पी)]

S.O. 1467.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Prof. Mahdi Hasan, Principal, (J.N. Medical College Aligarh) has been elected by the Court of Aligarh Muslim University to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue the Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 42 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

42. Professor Mahdi Hasan,
Principal, J.N. Medical College,
Aligarh Muslim University,
Aligarh.

[No. V. 11013/5/87-ME(P)]

का. आ. 1468 :—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अनुसरण में डा. जे.एन. आनन्द संकायाध्यक्ष एम.पी. याद आयुर्विज्ञान महाविद्यालय जामनगर, को, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की सीनेट द्वारा इस अधिसूचना के जारी किये जाने की नारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के मदरसे के रूप में नियमित्रित किया गया है।

अन, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम, की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 (संख्या 5-13/59 एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में नियमित्रित और संजोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड ब के प्रधीन नियमित्रित" शीर्षक के नीचे क्रम संख्या 37 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर नियमित्रित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

"37 डा. जे.एन. आनन्द,
संकायाध्यक्ष, एम.पी. याद आयुर्विज्ञान महाविद्यालय,
जामनगर।"

[संख्या वी. 11013/6/87-एम.ई. (पी)]

S.O. 1468.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956(102 of 1956) Dr. J. S. Anand, Dean, M. P. Shah Medical College, Jamnagar has been elected by the Senate of University of Saurashtra to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59 MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said Notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 37 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

37. Dr. J. S. Anand, Dean
M.P. Shah Medical College,
Jamnagar."

[No. V. 11013/6/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का. आ. 1469 :—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में नियमित्रित और संजोधन करती है, अर्थात्—

अन, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में नियमित्रित और संजोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के नीचे कम संख्या 16 और उससे संबंधित प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या और प्रविधि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“16 डा. वेद प्रकाश मिश्र,
17-पोस्टल आडिट कालोनी,
प्रताप नगर, नागपुर।”

[संख्या वी.—11013/7/87-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1469.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Ved Prakash Mishra has been elected by the Senate of University of Nagpur University to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3” for serial number 16 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

“16. Dr. Ved Prakash Mishra,
17-Postal Audit Colony,
Partupnagar, Nagpur.”

[No. V. 11013/7/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का.आ. 1470:—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करते के पश्चात् निरेण देती है कि जाफना विविधालय, श्रीलंका द्वारा प्रदत्त “आयुर्विज्ञान स्नातक और शल्य-चिकित्सा स्नातक” चिकित्सीय अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोगों के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् की अर्हता होगी।

[संख्या वी.—11016/17/85-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O. 1470.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the Medical qualification “M.B.B.S.” granted by University of Jaffna, Sri Lanka shall be recognised medical qualification for the purposes of that Act.

[No. V. 11016/17/85-ME(P)]

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का.आ. 1471.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबर्त्ती के अनुसरण में और मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से डा. टी.पी. शर्मा, निदेशक लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को, दूसरे अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्रम: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य भवानीय की अधिसूचना संख्या का.आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नामतिविद्य” शीर्षक के नीचे कम संख्या 8 और उससे संबंधित प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या और प्रविधियों रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“8 डा.टी.पी. शर्मा,
निदेशक, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग,
मध्य प्रदेश।

[संख्या वी. 11013/9/87-एम.ई. (पी.)]

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1471.—Whereas in pursuance of the provision of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Madhya Pradesh have nominated Dr. T. P. Sharma, Director, Public Health and F. W. to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of the Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading “elected under clause (a) of sub-section (1) of section 3” for serial number 8 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

“8. Dr. T. P. Sharma,
Director, Public Health & F.W.
Madhya Pradesh

[No. V. 11013/9/87-ME(P)]

का.आ. 1472.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबर्त्ती के अनुसरण में, और अंग्रेज प्रदेश सरकार के परामर्श से डा. सी.एस. भास्कर, निदेशक, आयुर्विज्ञान शिक्षा और प्रदेश को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के सदस्य के रूप में नामतिविद्य किया गया है।

प्रम: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य भवानीय की अधिसूचना संख्या का.आ. 138 (संख्या 5-13/59-एम. 1) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन नामतिविद्य “शीर्षक के नीचे कम संख्या 7 और उससे संबंधित प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित कम संख्या और प्रविधियों रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“7. सी.एस. भास्कर,
निदेशक, आयुर्विज्ञान शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदेश,
हैदराबाद।”

[संख्या वी. 11013/2/87-एम.ई. (पी.)]

शिव द्वारा, उप सचिव

S.O. 1472.—Whereas in pursuance of the provision of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and with the consultation with the Government of Andhra Pradesh have nominated Dr. C. S. Bhaskaran, Director of Medical Education, Andhra Pradesh to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960 :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3" for serial number 7 and that entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"7. Dr. C. S. Bhaskaran,
Director of Medical Education,
Andhra Pradesh, Hyderabad."

[No. V. 11013/2/87-ME(P)]

SHIV DAYAL, Dy. Secy.

New Delhi, the 2nd June, 1987

ORDER

S.O. 1473.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health bearing number V. 11016/7/83-ME(P) dated the 9th July, 1984, the Central Government has directed that the medical qualification M.B.B.Ch. granted by the University of Wales (United Kingdom) shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956.

And, whereas, Dr. Miss Gynthia Ruth Butlin who possesses the said qualification is for the time being attached to the Richardson Leprosy Hospital, Miraj, Maharashtra for the purpose of charitable work:—

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies:—

(i) A period of two years or

(ii) the period during which Dr. Miss Gynthia Ruth Butlin is attached to the said Richardson Leprosy Hospital, Miraj, Maharashtra whichever is shorter as the period to which the medical practice by the aforesaid Dr. shall be limited.

[No. V. 11016/2/87-ME(P)]
R. SRINIVASAN, Under Secy.

मई दिल्ली, 2 जून, 1987

प्राप्ति

का. आ. 1473.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के व्यास्था
मंत्रालय की अधिसूचना सं. बी. 11016/7/83—एम. ई. (पो.),
तारीख 9 जूनाई, 1984 द्वारा निर्देश दिया है कि वेस्म विश्वविद्यालय
(यूनाइटेड किंगडम) द्वारा प्रदत्त एम. बी. एच. एस. विकल्प अद्यता
पारंपरीय आयुर्विज्ञान परिवद्व अधिनियम, 1956 के प्रयोगन के लिए
मान्यताप्राप्त चिकित्सा अद्यता होगी।

और इस कुमारी सिंहिया स्थ बटलिन, जो उक्त अद्यता रखती
है, तस्मय सूर्य कार्य के प्रयोगनार्थ, रिचार्डसन कुड़ अस्पताल, मिराज
महाराष्ट्र से संबद्ध है।

प्रत. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा
(1) के परंतुक के अड (ग) के अनुसर में:—

(1) दो वर्ष की अवधि, या

(2) वह अवधि, जिसके द्वारा डा. कुमारी सिंहिया स्थ बटलिन
उक्त रिचार्डसन कुड़ अस्पताल, मिराज, महाराष्ट्र से संबद्ध
रहती है,

इसमें सेवों और अनुचित हों, उस अवधि के स्पष्ट अंदर, जिस तक पूर्णकर्त्ता
दाक्तर द्वारा विशिष्टा असाध्य सीमित होगा, विनिश्चित करती है।

[सं. यो. 11016/2/87—एन. ई./पी.]

प्राप्ति, श्रीनिवासन, अवर सचिव

कर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

मई दिल्ली, 12 मई, 1987

का. आ. 1474.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला व्यारक क्षेत्र (अर्जन और
विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा
(1) के अधीन भारत सरकार के कोयला विभाग की अधिसूचना सं.
का. आ. 1482, तारीख 31-3-86 जो भारत के राजपत्र, धारा 2, खंड
3, उपकांड (ii), तारीख 12 अप्रैल, 1986 में प्रकाशित की गई थी,
द्वारा उस अधिसूचना से उपायद अनुसूची में विनिश्चित परिक्षेत्र में
604.04 एकड़ (लगभग) या 244.446 हेक्टेयर (लगभग) भूमि का
अर्जन करने के बापें आशय की सूचता दे दी थी;

और पूर्वोक्त परिक्षेत्र में भूमि के अर्जन के बारे में कोई आशेष
नहीं किया गया,

और केन्द्रीय सरकार का, बिहार सरकार में पारामर्श करने के
पश्चात यह समाप्त हो गया है कि इसमें उपायद अनुसूची में वर्णित
604.04 एकड़ (लगभग) या 244.446 हेक्टेयर (लगभग) भूमि
का अर्जन किया जाना चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह आवधि करती है कि
इससे उपायद अनुसूची में वर्णित 604.04 एकड़ (लगभग) 244.446
हेक्टेयर (लगभग) भूमि का अर्जन किया जाना है। इस अधिसूचना के अधीन
आने वाले क्षेत्र के अंतर्गत का निरीक्षण उपायद, गोदांडा (बिहार) के
कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, लाउसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता
के कार्यालय में या ईंटन कोलफील्ड्स लि., सेनटोरिया डा. वर विस्तरण,
विला अर्द्धावान (पश्चिमी बंगाल) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची
राजस्थान कोयला भेत्र
रेकॉर्ड सं. एम० डी०/१९५२
तारीख १०-६-१९८५
(अर्जित की गई भूमि को विभिन्न करने वाला)

सभी अधिकार

ब्लाक सं. १

क्र० सं.	मौजा ग्राम का नाम	धाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	ज़िला	धेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
१.	तेलगामा	३९	बी इल्यू बिमरा-१	गोडा	३८.८७	भाग
२.	चिकों कोठी	३८	यथोक्त	यथोक्त	१६.१०	भाग
३.	आट नीमा	३७	यथोक्त	यथोक्त	१४.८३	भाग
४.	नीमकला	४१	यथोक्त	यथोक्त	३०.३७	भाग

कुल ९८.१७ एकड़ (लगभग)

रा ३९.७५ हेक्टर (लगभग)

प्लाट सं. २१ के भाग परिवर्ती और दक्षिणी सीमा के साथ साथ फिर प्लाट सं. ८५ की परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क०६" पर मिलती है।

- मौजा तेलगाम में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ ५९०, ५९२, ५९३, ५९५, ६०६, ६१५, ६१६, ६२५, ६२६, ६३० से ६३२, ६४१, ७८३ से ८००, ८०२, ८०४ से ९१८।
- मौजा चिकों कोठी में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ २८८ से ३१४, ३१६ से ३२७, ३२९ (भाग) और ३३०, ३३३
- मौजा आट नीमा में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ १ से ७, २३ से ८४, ८६ से ९३, और १२९ (भाग)
- मौजा नीमकला में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ १ से १२, १४ से ७६ और ११९ से १२४

मीमा बर्णन रेखा, मौजा तेलगामा के प्लाट संख्याएँ ६३५, ६३३, ६२९, ६२७, ६२४, ६१७, ६१४, ६०७, ६०५, ५९६, ३९४, ५९१, ५८९ की दक्षिणी सीमा के साथ साथ चलकर प्लाट सं. ९१८ से होकर प्लाट सं. ९१० की उत्तरी सीमा के साथ जाती है और प्लाट सं. ९२० की दक्षिणी सीमा के एक भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क०२" पर मिलती है।

क०३—क०४. रेखा, मौजा तेलगामा के प्लाट सं. ९१८ से होकर प्लाट सं. ९१७, ९१४, ८९६, ८९५, ८९४, ८९२ की पूर्वी सीमा के साथ साथ चलकर मौजा नीमकला के प्लाट सं. १२४, १२३, १२१, १२०, ११९, ८, ९ की पूर्वी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. ९, १०, ११, १२ की दक्षिणी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. १६ की पूर्वी सीमा के साथ के साथ साथ प्लाट सं. १४, ३३, और ३४ की पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क०४" पर मिलती है।

क०५—क०६: रेखा मौजा आट नीमा के प्लाट सं. ७, ८ की पूर्वी सीमाओं के साथ साथ प्लाट सं. ३७ की उत्तरी और पूर्वी सीमाओं के साथ साथ प्लाट सं. ३३ के उत्तरी ओर पूर्वी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. २० की दक्षिणी सीमा के साथ साथ

क०८—क०९—क०१: रेखा, मौजा आट नीमा के प्लाट सं. ८६, ८७, १२९, ८८, ८९, ९०, ९२ और ९३ की दक्षिणी सीमाओं के साथ साथ फिर मौजा नीमकला के प्लाट सं. ७६, ७०, ६३, ५६, और ५५ की परिवर्ती सीमाओं के साथ साथ, मौजा चिकों कोठी के प्लाट सं. ३२७ की दक्षिणी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. ३२९ से होकर प्लाट सं. ३३४ के दक्षिणी भाग और परिवर्ती सीमा के साथ साथ प्लाट सं. ३३३ की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "क०८" पर मिलती है।

रेखा, मौजा चिकों कोठी के प्लाट सं. ३३३, ३३२, ३२१, ३१८, ३१७, ३१६, ३१३, ३१४, २९०, २८९ और २८८ की परिवर्ती सीमा के साथ साथ चलकर प्लाट सं. २८८, २९२ की उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लाट सं. २९४, २९६ की परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है और फिर मौजा तेलगामा के प्लाट सं. ७९२, ७९१, ७९० की परिवर्ती सीमा के साथ साथ चलकर प्लाट सं. ७८८ की दक्षिणी और परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लाट सं. ७८१ की परिवर्ती और उत्तरी सीमा के साथ साथ चलती हुई प्लाट सं. ७८४ की भाग परिवर्ती सीमा के साथ साथ होकर प्लाट सं. ७८३ की परिवर्ती और उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. ८००, ८०२, ८०४ की परिवर्ती सीमा के साथ साथ और फिर प्लाट सं. ९१८ की भाग उत्तरी सीमा के साथ साथ और उसमें से होकर प्लाट सं. ६४१ की परिवर्ती सीमा के साथ साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क०१" पर मिलती है।

सभी अधिकार

ब्लाक सं. १२

क्र सं०	मौजा का नाम	धाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	ज़िला	धेत्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
१	नीमकला	४१	बी इल्यू बिमरा-१	गोडा	१३.०५	भाग
२.	सुमारसारी	३६	यथोक्त	यथोक्त	१.९८	भाग

कुल १५.०३ एकड़ (लगभग)

रा ६.०९ हेक्टर (लगभग)

1. मौजा नीमकला में अर्जित किए गए प्लाट सं.

259, 261, 267 से 270, 272, 273, 276 से 278, 282, 264, 293 से 298, 316, 324, 325, 327 से 338, 359 से 363, 364 (भाग), 365 से 397, 398 (भाग), 390, 400, 405 से 408, 421 से 425, 463, 464, 466, 467, 475 से 477, 484, 358, 754, 90 (भाग), और 378/761।

2. मौजा सुधारमारी में अर्जित किए गए प्लाट सं.

1 (भाग), 35, 37 से 52, 123, 124 और 125

सीमा बर्णन :

ख 1-ख 2 रेखा, मौजा नीमकला के प्लाट सं. 258 के दक्षिणी पर्याम कोने से प्रारम्भ होती है और प्लाट सं. 258, 260, 262, 263, 265, 266, 271, 274, 275, 279, 280, 281, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 402, 403, 404, 410, 409, 417, 418, 419, 420, 426, 461, 462, 465, 468, 469, 470, 473, 478, 483 और 486 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख 2" पर मिलती है।

ख 2-ख 3-ख 4 रेखा, मौजा नीमकला के प्लाट सं. 487 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर मौजा सुधारमारी के प्लाट सं. 1 से होकर और प्लाट सं. 34 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 36 की

उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 63 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 62 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 61, 59, 53 की उत्तरी पश्चिमी सीमा, प्लाट सं. 121, 122 की पश्चिमी सीमा फिर प्लाट सं. 126 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख 4" पर मिलती है।

ख 4-ख-5-ख 6 : रेखा मौजा नीमकला के प्लाट सं. 364 से होकर, प्लाट सं. 364 की पश्चिमी सीमा के साथ फिर प्लाट सं. 353, 354 के साथ-साथ प्लाट सं. 358 की पूर्वी ओर उत्तरी ओर पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लाट सं. 340, 339, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट सं. 334 से होकर, प्लाट सं. 323 और 320 की उत्तरी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ख 6" पर मिलती है।

ख 0-ख 1 :

रेखा प्लाट सं. 326 की उत्तरी ओर पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 317 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 315 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट सं. 90 से होकर, प्लाट सं. 256 की पूर्वी सीमा और प्लाट सं. 257 की भाग पश्चिमी-पूर्वी सीमा से होकर जाती है और यास-मिमक बिन्दु "ख 1" पर मिलती है।

मनुसूची

स्थान सं. 3

सभी शक्तिकार

क्र सं	मौजा का नाम (रास)	थाना सं.	पुलिस स्टेशन(थाना)	ज़िला	ध्वनि एकड़ों में	टिप्पणियां
1.	नीमकला	41	बोंडल्यू सिमर-1	गोद्वा	2.40	भाग
2.	सुधारमारी	36	यवोकत	गोद्वा	26.23	भाग
3.	हिंजूकीता	42	य रोकत	गोद्वा	50.27	भाग

गुल 78.90 एकड़ (नगमग)

या 31.94 एकड़ (नगमग)

1. मौजा नीमकला में अर्जित किए : गए प्लाट सं.

751 और 686/759

2. मौजा सुधारमारी में अर्जित किए गए प्लाट सं. :

1 (भाग), 2 से 11, 13, 14, 80 से 116, 131 से 134, 157 से 172 और 181 से 184।

3. मौजा हिंजूकीता में अर्जित किए गए प्लाट सं.

1 से 151, 222 से 226, 235, 269 से 308, 418 से 423, 425, 430, 431, 439 से 449, 503, 506, 514, 515 से 517 और 514/609।

सीमा बर्णन :

ग 1-ग 2 : रेखा मौजा नीमकला के प्लाट सं. 197, 500, 501, 502, 656, 657, 658, 661, 662, 663, 665, 666, 667, 671, 673, 674, 755, 874, 676, 877, 686, 693, 687, 749 और 750 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 2" पर मिलती है।

ग 2-ग 3 : रेखा, मौजा हिंजूकीता में, गोद्वा, पोरवेती सारंग के भाग पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 3" पर मिलती है।

ग 3-ग 4 :

रेखा, मौजा हिंजूकीता के प्लाट सं. 313 के गोद्वा पीरवेती सारंग और दक्षिणी सीमा से होकर जाती है फिर मौजा हिंजूकीता के प्लाट सं. 312, 311, 310, 326, 327, 417, 418, 415 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 424, 426 की दक्षिणी ओर पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 429, 432, 433, 436, 461, 460, 450, 451, 452, 504, 503 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ और प्लाट सं. 490 की दक्षिणी पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 4" पर मिलती है।

ग 4-ग 5-ग 6 :

रेखा, मौजा हिंजूकीता के प्लाट सं. 606, 607, 508, 512, 513 की पश्चिमी सीमा से होकर प्लाट सं. 549, 518, 268, 263, 262, 236, 228, 219, 221 की उत्तरी सीमा से होकर प्लाट सं. 159 के निकट वी सड़क को पार करती है, प्लाट सं. 158, 157, 153, 151 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग 6" पर मिलती है।

ग ८-३ २। रेखा, मौजा सुमारासारी और हिंजूकीला की सीमा रेखा के साथ नाव और मौजा सुवरंगारी के प्लाट सं 135 की उत्तरी पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु “घ २” पर मिलती है।

ग ८-३ ४-८-१। रेखा, मौजा यदानमारी का प्लाट सं 165 की उत्तरी और पूर्वी ओर के नाथनाथ प्लाट सं 125, 124, 123 की उत्तरी सीमा प्लाट सं 154, 155, 156, 144, 142, 135, 136, 137 की पूर्वी सीमा प्लाट सं 130 की दक्षिणी और पूर्वी

उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं 119, 118 की पूर्वी सीमा सं 117 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा प्लाट सं 67, 68 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं 70 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं 71, 78, 79, 92 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं 21 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं 153 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं 11 की पूर्वी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और तब प्लाट सं 1 से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु “घ १” पर मिलती है।

प्रत्यक्षी

ब्लाक सं ० ४

मध्ये अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	दिव्यांश्य
1.	बड़ा निमरा	33	श्री उम्मेद सिमरा-१	गोद्वा	123.90	भाग

कृष्ण 123.90 एकड़ (लगभग)
या 50.16 हैक्टर (लगभग)

1. मौजा बड़ा निमरा में प्रवित किए गए प्लाट सं,

352 से 400, 401 से 411, 425(भाग), 426 से 433, 435 437 500, 503 से 610, 612 से 677, 680, 681, 682, 685 और 686।

सीमा वर्णन :

घ १-घ २। रेखा, मौजा हिंजूकीला और बड़ा निमरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है किंवर बड़ा निमरा के प्लाट सं. 351 की पूर्वी सीमा पर बिन्दु “घ १” से प्रारम्भ होती है और मौजा बड़ा निमरा, हिंजूकीला और रंगामटिया के विसंगम पर बिन्दु “घ २” पर मिलती है।

घ २-घ ३-घ ४। रेखा, मौजा बड़ा निमरा और रंगामटिया की सम्मिलित सीमा रेखा के साथ जाती है और बिन्दु “घ ३” पर मिलती है।

घ ४-घ ५। रेखा, गोद्वा—बांधरीजोर भाग की उत्तर दिशा सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा बड़ा निमरा में बिन्दु “घ ५” पर मिलती है।

घ ५-घ ६-घ १। रेखा, मौजा बड़ा निमरा के प्लाट सं. 683, 679 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 678, 499 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 498, 502, 493 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 489 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 488, 486 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 462, 453, 437, 430 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 434 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 443 की पूर्वी-सीमा के साथ-साथ जाती है, किंवर प्लाट सं. 425 से होकर, प्लाट सं. 424 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 423 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 422 की पूर्वी और उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 417 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 416 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, “नाट सं. 414, 415, 412, 347, 349, 350, 351 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु “घ १” पर मिलती है।

प्रत्यक्षी

ब्लाक सं ० ५

गोद्वा अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (धाना)	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	दिव्यांश्य
1.	बोटा निमरा	34	श्री उम्मेद निमरा-१	गोद्वा	4.27	भाग

कृष्ण 4.27 एकड़ (लगभग)
या 1.73 हैक्टर (लगभग)

1. मौजा छोटा सिमरा में अंजित किए गए प्लाट सं.

101, 102, 112, 113, 118 से 122, 128 से 132, 133 (भाग), 134(भाग), 140(भाग), 141(भाग), 142 से 144 और 161.

सीमा घण्टन :

इ-३-४-३-३: रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं. 124, 127 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 125 की पश्चिमी ओर दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है, प्लाट सं. 143, 147 से होकर, प्लाट सं. 160 की पश्चिमी ओर दक्षिणी सीमा, फिर प्लाट सं. 165

की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु “क 3” पर मिलती है।

इ-३-४-४-५ १: रेखा, प्लाट सं. 162 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 140, 141, 134, 133 से होकर प्लाट सं. 117, 115, 114, 111 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 103, 98 की पूर्वी सीमा प्लाट सं. 99, 100 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 123 की पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु “क 1” पर मिलती है।

प्रदूषकी
अधाक सं. 6

सभी प्रधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम	आना सं०	पुलिम स्टेशन (आना)	ज़िला	क्षेत्र एकड़ी में	टिप्पणियां
1.	छोटा सिमरा	34	बी० इल्यू० सिमरा-1	गोडा	96, 12	भाग
					कुल 96 12 एकड़ी (लगभग) या 38 91 एकड़ी (लगभग)	

1. मौजा छोटा सिमरा में अंजित किए गए प्लाट सं०

223 से 231, 236 से 242, 246 से 258, 270 से 274, 284, 296 से 312, 321, 468 से 471, 476 से 482, 494 से 504, 505 (भाग) 517 (भाग), 547 (भाग), 548 से 551, 554 से 583, 586 से 591, 593 से 645, 646 (भाग), 647 (भाग), 656/694 (भाग), 555/696 (भाग), 648 (भाग), 656 (भाग), 657 (भाग), 658 (भाग), 659, 662 और 663 से 692।

सीमा वर्जन :

च-२-४-२: रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं. 321, 295, 294, 293, 285, 283, 275, 269, 259, 245, 243, 235, 232, 222, 211 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु “क 2” पर मिलती है।

च-२-४-३-४: रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं. 218, 217, 216, 210, 214 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 648, 647, 646, 651, से होकर, प्लाट सं. 695 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं. 656, 657 से होकर, प्लाट सं. 657 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 694 की पश्चिमी सीमा के भाग के साथ-साथ, फिर प्लाट सं. 681 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा छोटा सिमरा और बड़ा सिमरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ और मौजा। बड़ा सिमरा/छोटा सिमरा और पहाड़पुर के त्रिसंगम पर बिन्दु “क 4” पर मिलती है।

च-४ च-५: रेखा, पहाड़पुर और छोटा सिमरा की मस्मिलित सीमा के साथ जाती है और पहाड़पुर, छोटा सिमरा और तेलरिया के बीच के त्रिसंगम स्थान पर बिन्दु “क 5” पर मिलती है।

च-५ च-६: रेखा तेलरिया और छोटा सिमरा के बीच की मस्मिलित सीमा के साथ-साथ जाकर गोडा पोर्टनी मार्ग (प्लाट सं. 684) को पार करती है और मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं. 553 की पूर्वी ओर पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट सं. 552 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु “क 6” पर मिलती है।

च-६ च-१: रेखा, मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं. 547 से होकर प्लाट सं. 546 की पूर्वी ओर उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 584 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 585, 528 की पूर्वी ओर उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 518 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और तब प्लाट सं. 517 से छोकर प्लाट सं. 518 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 592 की पूर्वी ओर उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 508 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 505 से होकर प्लाट सं. 493 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं. 192, 485, 483 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 475, 474, 472, 467 की दक्षिणी सीमा से होकर यहां (प्लाट सं. 656) पार करती है, प्लाट सं. 313, 315, 318, 320 की दक्षिणी सीमा से जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु “क 1” पर मिलती है।

मनुसूची

ब्लाक सं० VII

सभी अधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (ग्राम)	थाना सं०	पुलिस स्टेशन (थाना)	ज़िला	थेने एकड़ों में	टिप्पणियां
1.	तेतरिया	709	महागामा	गोद्वा	7.16	भाग
2.	भ्रकासनी	705	यथोक्त	यथोक्त	19.20	भाग
3.	छोटा सिमरा	34	बी० इल्लू० सिमरा-I	यथोक्त	16.62	भाग
4.	केंदुप्रा	30	यथोक्त	यथोक्त	62.74	भाग
5.	तेतरिया	31	यथोक्त	यथोक्त	13.75	भाग
6.	कुशेमाहा	708	महागामा	यथोक्त	15.52	भाग
7.	घाट सिमराछित	35	बी० इल्लू० सिमरा-I	यथोक्त	3.77	सम्पूर्ण
8.	केंदुप्राकिला	707	महागामा	यथोक्त	1.98	भाग

कुल 140.74 एकड़ (लगभग)

या 56.98 हैक्टर (लगभग)

1. मौजा तेतरिया में अधित किए गए प्लाट सं०

1 से 16, 18, 27(भाग), 42, 43, 44(भाग), 45 और 41 से 52।

2. मौजा भ्रकासनी में अधित किए गए प्लाट सं०

38 (भाग), 39 से 61, 95 से 101 (भाग), 88(भाग) 90(भाग), 91 (भाग), 94 (भाग), 102 (भाग), 104 (भाग), 105 (भाग), 108 (भाग), और 109 (भाग)।

3. मौजा छोटा सिमरा में अधित किए गए प्लाट सं०

54 से 60, 333 से 361, 371 और 372.

4. मौजा केंदुप्रा में अधित किए गए प्लाट सं०

41 से 52, 82 से 216, 153/217, 122/218 और 182/219.

5. मौजा तेतरिया में अधित किए गए प्लाट सं०

1 से 45.

6. मौजा, कुशेमाहा में अधित किए गए प्लाट सं०

2 (भाग), 3, 4, 5 (भाग), 12 (भाग), 13 (भाग), 14, 15, 16, 17, 18 (भाग), 21, 23 से 55, 56 (भाग), 57 (भाग) और 58 (भाग)।

7. मौजा घाट सिमरा छित में अधित किए गए प्लाट सं०

143 से 147, 144/149, 144/150, 146/151 और 145/153.

8. मौजा केंदुप्राकिला में अधित किए गए प्लाट सं०

9 से 14.

सीमा घोन :

छ1-छ 2-छ3

रेखा; मौजा केंदुप्रा के प्लाट सं० 33, 53, 79, 81 की दक्षिणी सीमा, प्लाट सं० 80 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ 3" पर मिलती है।

छ3-छ4

रेखा, मौजा छोटा सिमरा और केंदुप्रा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा केंदुप्रा के प्लाट सं० 211 की उत्तरी सीमा पर बिन्दु "छ 4" पर मिलती है।

छ4-छ5-छ6

रेखा मौजा छोटा सिमरा के प्लाट सं० 53 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 65, 64 की पश्चिमी सीमा, प्लाट सं० 61 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा प्लाट सं० 330 की उत्तरी सीमा प्लाट सं० 332, 456 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं० 455 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं० 454 की दक्षिणी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं० 365 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा, प्लाट सं० 363 की उत्तरी सीमा से होकर और प्लाट सं० 362 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 370, 373 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ 6" पर मिलती है।

छ6-छ7

रेखा, मौजा तेतरिया, (थाना सं० 31) के प्लाट सं० 55, 56, 53, 48, 47, 46 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 54, 53, 41 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 44 से होकर मौजा तेतरिया (थाना सं० 709) के प्लाट सं० 17 की

उत्तरी और परिवर्ती सीमा, प्लाट सं० 19, 25 की उत्तरी सीमा, प्लाट सं० 21 से होकर जाती है और बिन्दु "ज 7" पर मिलती है।

छ७-छ८-छ९ : रेखा, मौजा कुशमाहा के प्लाट सं० 58, 57, 56 से होकर जाती है और मौजा कुशमाहा और अकासनी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज 9" पर मिलती है।

छ९-छ९० : रेखा, मौजा कुशमाहा के प्लाट सं० 22, 60 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ, प्लाट सं० 18, 12, 13, 5 की पूर्वी सीमा, प्लाट सं० 2, 1 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज 10" पर मिलती है।

छ९०-छ९१- : रेखा, मौजा अकासनी के प्लाट सं० 94, 102, 90, 104, 105, 108, 109 से होकर, फिर महागामा

और अकासनी मौजों के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा महागामा, बलाविनीकिता और अकासनी के बीच के त्रिसंगम बिन्दु "ज 12" पर मिलती है और फिर मौजा अकासनी के प्लाट सं० 109, 88, 104, 90, 91, 94 से होकर प्लाट सं० 94 की उत्तरी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं० 62 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट सं० 38 से होकर जाती है और बिन्दु "ज 13" पर मिलती है।

छ 13-छ 1 : रेखा मौजा केन्द्रमाकिता और अकासनी के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मौजा केन्द्रमाकिता के प्लाट सं० 40, 49 की पूर्वी सीमा और प्लाट सं० 38 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "ज 1" पर मिलती है।

प्रनुसूची
प्लाट सं० 8

सभी प्रधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (प्राम)	याता सं०	पुलिस स्टेशन (याता)	शिला	धोक्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	महागामा	700	महागामा	गोद्वा	4.18	भाग

कुल 4.18 एकड़ (लगभग)
या 1.69 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा महागामा में अंकित किए गए प्लाट सं०

253, 254, 256 (भाग), 1077 (भाग), 1080 (भाग), 1081 (भाग), 1082 (भाग), 1019 (भाग), 1083 (भाग) 1084 (भाग), 1085 (भाग), 1098 (भाग), 1099 (भाग), 1100 और 1101 (भाग)।

सीमा बर्णन :

ज 1-ज 2-ज 3 : रेखा, मौजा महागामा के प्लाट सं० 252 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ और प्लाट सं० 92 की

प्रनुसूची

प्लाट सं० 11

सभी प्रधिकार

क्र० सं०	मौजा का नाम (प्राम)	याता सं०	पुलिस स्टेशन (याता)	शिला	धोक्र एकड़ों में	टिप्पणियाँ
1.	लटरिया	690	महागामा	गोद्वा	42.73	भाग

कुल 42.73 एकड़ (लगभग)
या 13.30 हेक्टर (लगभग)

1. मौजा लटरिया में अंकित किए गए प्लाट सं०

1 से 13, 33 से 56 और 59।

सीमा बर्णन :

ज 1-ज 2 : रेखा मौजा लटरिया और मुरलीधर की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है, फिर मौजा लटरिया के प्लाट सं० 16, 15, 14, 23, 24, 32, 31, 94 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज 2" पर मिलती है।

ज 2-ज 3 : रेखा, मौजा लटरिया के प्लाट सं० 86, 85, 57, 58, 60, 65, 66, 68, 69 की पश्चिमी सीमा

ज 3-ज 4 :

रेखा, लटरिया और गोयिन्दपुर के बीच की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ज 4" पर मिलती है।

ज 4-ज 1 :

रेखा, मौजा गुडिया की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु "ज 1" पर मिलती है।

[सं० 43015/20/85-सी०००]

MINISTRY OF ENERGY
(Department of Coal)

New Delhi, the 12th May, 1987

S.O. 1474—Whereas by the notification of the Government of India in the (Department of Coal) No. S.O. 1482 dated 31-3-86 under section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India under Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 12th April, 1986 the Central Government gave notice of the intention to acquire the lands measuring 604.04 acres (Approximately) or 244.446 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas no objection was made to the acquisition of the land in the locality aforesaid:

And whereas the Central Government after consulting the Government of Bihar is satisfied that the lands measuring 604.04 acres (approximately) or 244.446 hectares (Approximately) described in the schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 604.94 (approximately) or 244.446 hectares (Approximately) described in the schedule appended hereto are hereby acquire. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Godda (Bihar) or in the office of the Coal Controller, I, Council House Street, Calcutta or in the office of the Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Disheregarh, District Burdwan (West Bengal).

SCHEDULE

RAJMAHAL COALFIELDS

Drawing No. SD/1952

Dated : 10-6-85,

All Rights

BLOCK NO. 1.— (Showing lands. acquired)

Sl. No.	Name of mouza	Thana No.	Police Station	District	Area in acres	Remarks
1. Telgama	39	BW Simra-I		Godda	36.87	Part
2. Chitarkothi	38	-do-		-do-	16.10	-do-
3. Chat Nima	37	-do-		-do-	14.83	-do-
4. Nimakala	41	-do-		-do-	30.37	-do-
				Total	98.17 (approximately) or 3975 hectares (approximately)	acres

1. Plot numbers acquired in mouza Telgama : 590, 592, 593, 595, 606, 615, 616, 625, 626, 630 to 632, 641, 783 to 800, 802, 804 to 918

2. Plot numbers acquired in mouza Chitarkothi : 288 to 314, 316 to 327, 329 (part) and 330 to 333.

3. Plot numbers acquired in mouza Ghat Nima:

1 to 7, 23 to 34, 86 to 93 & 129 (P),

4. Plot numbers acquired in mouza Nimakala:

1 to 12, 14 to 76 and 119 to 124.

BOUNDARY DESCRIPTION:

A1 - 42:— Line passes alongwith Southern boundaries of plots 635, 633, 629, 627, 624, 617, 614, 607, 605, 596, 594, 591 589, through 918 along Northern boundary of plot 919 and part Southern boundary of plot 920 of mouza Telgama and meets at point 'A2'.

A2—A3—A4:— Lines pass through plot 918 along Eastern boundary of 917, 914, 896, 895, 894, 892 of mouza Telgama along Eastern boundaries of plot 124, 123, 121 120, 119, 8, 9 along Southern boundaries of plot 9, 10, 11, 12, part Eastern boundary of plot 16, Eastern boundary of plot 14, 33 and 34 of mouza Nimakala and meets at point 'A4'.

A4—A5—A6:— Lines pass along Eastern boundaries of plot 7, 6 Northern and Eastern boundaries of plot 37, Nor-

theren and part Eastern boundaries of plot 33, Southern boundary of plot 20, part Western and Southern boundary of plot 21, Western boundary of plot 85 of mouza Ghat Nima and meet at point 'A6'.

A6—A7—A8:— Lines pass along southern boundaries of plot 86, 87, 129, 88, 89, 90, 92 and 93 of mouza Ghat Nima, along Southern boundaries of plot 76, 70, 63, 56 and 55 of mouza Nimakala, along Southern boundary of plot 327, through plot 329, along part Southern and Western boundary of plot 334, Southeren boundary of plot 333 of mouza Chitarkothi and meet at point 'A8'.

A8—A9—A1:— Lines pass along Eastern boundary of plot 333, 332, 321, 318, 317, 316, 313, 314, 290, 289 and 288 along Northern boundary of plot 288, 292 along Western boundary of plot 294, 296 of mouza Chitarkothi along Western boundary of plot 792, 791, 790, Southern and Western boundary of plot 788, Western and Northern boundary of plot 781, part Western boundary of 784, Western and Northern boundary of 783, Western boundary of 800, 802, 804, through and along part Northeren boundary of plot 918, along Western boundary of plot 641 of mouza Telgama and meet at the starting point 'A1'.

SCHEDULE
Block No.—II

All Lights

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Nimakala	41	BW Simra-I	Godda	13.05	Part
2.	Suarmari	36	-do-	-do-	1.98	-do-
Total —					15.03 acres (approximately) or 6.09 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Nimakala:
259, 261, 267, to 270, 272, 273, 276 to 278, 282, 264, 293
to 298, 316, 324, 325, 327, to 338, 359, to 363, 364 (part),
365, to 397, 398 (part), 399, 400, 405 to 408, 421 to 425, 463,
464, 466, 467, 475, to 477, 484, 358/754, 90 (part) and 378/761.

2. Plot numbers acquired in mouza Suarmari:

1(Part), 35, 37 to 52, 123, 124 and 125.

BOUNDARY DESCRIPTION :

B1—B2 Line starts from South West corner of plot 258 and passes along Southern boundary of plot 258, 260, 262, 263, 265, 266, 271, 274, 275, 279, 280, 281, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 402, 403, 404, 410, 409, 417, 418, 419, 420, 426 461, 462, 465, 468, 469, 470, 473, 478, 483 and 486 of mouza Nimakala and meets at a point 'B2'.

B2—B3—B4: Lines pass along Western boundary of plot 487 of mouza Nimakala through plot 1 and along Western boundary of plot 34, Northern and Western boundary of plot 36, Western boundary of 63, Northern boundary of 62, North Western boundary of 61, 59, 53 Western boundary of 121, 122, Northern boundary of 126 of mouza Suarmari and meet at a point 'B4'.

B4—B5—B6 :—Lines pass through plot no. 364 along Western boundary of 364, Northern boundary of 353, 354, Eastern and Northern and Western boundary of 358, Northern boundary of 349, 339, through 334, Northern boundary of 323 and 320 of mouza Nimakala and meet at a point 'B6'.

B6—B1 : Line passes along Northern and Western boundary of plot 326, Northern boundary of 317, Eastern boundary 315, through plot 90, Eastern boundary of 256 and part Western Eastern boundary of 257 and meets at starting point 'B1'.

SCHEDULE
Block No.—III

All Rights :

Sl. No.	Name of Mouza (Village)	Thana	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Nimakala	41	BW Simra-I	Godda	2.40	Part
2.	Suarmari	36	-do-	-do-	26.23	-do-
3.	Hijukitta	42	-do-	-do-	50.27	-do-
Total —					78.90 acres (approximately) or 31.94 hectares (approximately)	

Plot numbers acquirend in mouza Nimakala:
751 & 686/759.

2. Plot numbers acquired in mouza Suarmari :
1 (Part), 2 to 11, 13, 14, 80 to 116, 131 to 134, 157 to 172 and 181 to 184.

3. Plot numbers acquired in mouza Hijukitta :
1 to 151, 222 to 226, 235, 269 to 309, 418, to 423, 425, 430, 431, 439, to 449, 505, 506 514, 515 to 517 and 514/609.

BOUNDARY DESCRIPTION :

C1—C2 : Line passes along Southern boundary of plot 497, 500, 501, 502, 656, 657, 658, 661, 662, 663, 665, 666, 667, 671 673, 674/755, 674, 676, 677, 686, 693, 687, 794 and 750 of mouza Nimakala and meets at point 'C2'.

C2—C3 : Line passes along part Western boundary of Godda-Pirpainti Road in mouza Hijukitta and meets at point 'C3'.

C3—C4 : Line passes through Godda Pirpainti Road and Southern boundary of plot 313 of Hijukitta mouza and along Southern boundary 312, 311, 310, 326, 327, 417, 416, 415 Southern and Western boundary of 424, 426, Southeren boundary of 429, 432, 433, 436, 461, 460, 450, 451, 452, 504 503 and South West boundary of 490 of mouza Hijukitta and meets at point 'C4'.

C4—C5—C6 : Lines pass through Western boundary of 606, 507, 508, 512, Northern boundary of 549, 518, 268, 263, 262, 236, 228, 219, 221, crosses the road near plot 159 pass

along Northern boundary of 158, 157, 153, 151 of mouza Hijukitta and meet at a point 'C6'.

C6—C7 : Line passes along the boundary line of mouza Suarmari and Hijukitta and North East boundary of plot 185 of mouza Suarmari, and meets at point 'C7'.

C7—C8—C1 : Lines pass along Northern and Eastern boundary of 185, Northern boundary of 175, 174, 173, East-

ern boundary of 154, 155, 156, 144 142, 135, 136, 137 Southern and Eastern and Northern boundary of 130, Eastern boundary of 119, 118, Southern and Eastern boundary of 117, Eastern boundary of 67, 68 Southern boundary of 70, Eastern boundary of 71, 78, 79, 22 southern boundary of 21, Southern and Eastern boundary of 15, Eastern boundary of 16, Southern and Eastern Boundary of 12 through plot 1 of mouza Suarmari and meet at starting point 'C1'.

SCHEDULE

Block No. IV

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Bara Simra	33	BW Simra-I	Godda	123.90	Part
					Total = 123.90 acres (approximately) or 50.16 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Bara Simra :

352 to 400, 401, to 411, 425 (part), 426 to 433, 435, 436, 500, 503 to 610, 612 to 677, 680, 681, 682, 685 and 686.

BOUNDARY DESCRIPTION:

D1—D2 : Line passes along the common boundary line of mouza Hijukitta and Bara Simra, starting from point D1 on the Eastern boundary of plot 351 of mouza Bara Simra and meets at point D2 on the Trijunction point of mouza Bara Simra, Hijukitta and Rangamatia.

D2—D3—D4 : Line passes along the common boundary line of mouza Bara Simra and Rangamatia and meet at point D4.

D4—D5 : Line passes along North side boundary of Godda Boarijore Road and meet in mouza Bara Simra and meet and point 'D5'.

D5—D6—D1 : Line pass along Eastern boundary of plot 683, 679, Northern and Eastern boundary of plot 678 499, Northern boundary of 498, 502, 493 Northern and Eastern boundary of 489, Northern boundary of 488, 486, Eastern boundary of 462, 453, 437, 439, Eastern and Northern boundary of 434, Eastern boundary of 443, through 425, along Eastern boundary of 424, Northern boundary of 423, Eastern and Northern boundary of 422, Eastern boundary of 417, Southern and Eastern, boundary of 416, Eastern boundary of 414, 415, 412, 347, 349, 350, 351 of mouza Bara Simra and meet at the starting point 'D1'.

SCHEDULE

Block No. V

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	Godda	4.27	Part
					Total = 4.27 acres (approximately) or 1.73 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :

101, 102, 112, 113, 118 to 122, 128 to 132, 133 (Part), 134, (Part), 140 (Part), 141 (Part), 142 to 144 and 161.

BOUNDARY DESCRIPTION :

E1—E2—E3 : Lines pass along Southern boundary of plot 124, 127 Western and Southern boundary of 125, passes through 143, 147, along Western and Southern Boundary of

160, Eastern boundary of 165 of mouza Chhota Simra and meet at point 'E3'.

E3—E4—E1 : Lines pass along Northern boundary of plot 162, through 140, 141, 134, and 133 along Northern boundary of 117, 115, 114, 111, Eastern boundary of 103, 98, Southern boundary of 99, 100, Western Southern and Eastern boundary of 123 of mouza Chhota Simra and meet at the starting point 'E1'.

SCHEDULE

Block No. VI

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	Godda	96.12	(Part)
					Total : = 96.12 acres (approximately)	
					or 38.91 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :
223 to 231, 236 to 242, 246 to 258, 270 to 274, 284, 296 to 312, 321, 463 to 471, 476 to 482, 494 to 504, 505 (part), 517 (Part) 547 (Part), 548 to 551, 554 to 583, 586 to 591, 593 to 645, 646, (Part), 647 (Part) 556/694 (Part), 455 / (Part), 648 (Part) 656 (Part), 657 (Part), 658 (Part) 659, 662 and 663 to 692.

BOUNDARY DESCRIPTION :

F1—F2 : Lines passes along Southern boundary of plot 321, 295, 294, 293, 285, 283, 275, 269 259, 245, 243, 235, 222, 221 of mouza Chhota Simra and meets at point 'F2'.

F2—F3—F4 : Lines pass along the Western boundary of plot 218, 217, 216, 210, 214, through 648, 647, 646, 651 along Western boundary of 695 through 656, 657, along Southern boundary of 657, Western part boundary of 694, Southern boundary of 661 of mouza Chhota Simra and common boundary of mouzas Chhota Simra and Bara Simra and meet the Trijunction point of Bara Simra/Chhota Simra and Paharpur at point 'F4'.

F4—F5 : Line passes along common boundary between Paharpur and Chhota Simra and meet the Trijunction pillar between Paharpur, Chhota Simra and Tetaria at point 'F5'.

F5—F6 : Line passes along the common boundary between Tetaria and Chhota Simra across Godda Pirpainti Road (plot 684) and passes along Eastern and Northern boundary of plot no. 553, Northern boundary of 552, of mouza Chhota Simra and meets at point 'F6'.

F6—F1 : Line passes through plot 547 and along Eastern and Northern boundary of 546, Eastern boundary of 584 Eastern and Northern boundary of 585, 528, Eastern boundary of 518, through 517, Northern boundary of 516, Eastern and Northern boundary of 592, Northern boundary of 508, through 505, Northern boundary of 493, Eastern boundary of 492, 485, 483, Southern boundary of 475, 474, 472, 467 across Road (Plot 656), Southern boundary of 313, 315, 318, 320 of mouza Chhota Simra and meets at the starting point 'F1'.

SCHEDULE

Block No. VII

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Tetaria	709	Mahagama	Godda	7.16	Part
2	Akasni	705	-do-	-do-	19.20	-do-
3.	Chhota Simra	34	BW Simra-I	-do-	16.62	-do-
4.	Kendua	30	-do-	-do-	62.74	-do-
5.	Tetaria	31	-do-	-do-	13.75	-do-
6.	Kusmaha	708	Mahagama	-do-	15.52	-do-
7.	Ghat Simra Chhit	35	BW Simra-I	-do-	3.77	Full
8.	Kendukitta	707	Mahagama	-do-	1.98	Part
				Total : =	140.74 acres (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Tetaria :

1 to 16, 18, 27 (Part), 42, 43, 44(Part), 45 and 46 to 52.

2. Plot numbers acquired in mouza Akasni :

38(Part), 39 to 61, 95 to 101, 88 (Part), 90 (Part), 91 (Part), 94(Part), 102(Part), 104(Part), 105(Part), 108(Part) and 109 (Part).

3. Plot numbers acquired in mouza Chhota Simra :

54 to 60, 333 to 361, 371 and 372.

4. Plot numbers acquired in mouza Kendua :

41 to 52, 82 to 216, 153/217, 122/218 and 182/219.

5. Plot numbers acquired in mouza Tetaria :

1 to 45.

6. Plot numbers acquired in mouza Kusmaha :

2(Part), 3, 4, 5(Part), 12(Part), 13(Part), 14, 15, 16, 17, 18(Part), 21, 23 to 55, 56(Part), 57(Part) and 58(Part)

7. Plot Numbers acquired in mouza Ghat Simra Chhit :

143 to 147, 144/149, 144/150, 146/151 and 145/153.

8. Plot numbers acquired in mouza Kendukitta:

9 to 14.

BOUNDARY DESCRIPTION :

G1—G2—G3: Lines pass along Southern boundary of plot 33, 53, 79, 81 Western and Southern boundary of plot 80 of mouza Kendua and meet at point 'G3'.

G3-G4 : Line passes along the Common boundary of mouzas Chhota Simra and Kendua and meets at point 'G4' on the Northern boundary of plot 211 of Kendua mouza.

G4—G5—G6 : Lines pass along Southern boundary of plot 53, Western boundary of 65, 64, Northern and Western boundary of 61, Northern boundary of 330. Northern and Eastern boundary of 332, 456, Northern and Western boundary of 455, Southern and Western boundary of 454, Northern and Western boundary of 365, Northern boundary of 363, through and along Western boundary of 362, Northern boundary of 370, 373 of mouza Chhota Simra and meet at point 'G6'.

G6-G7 : Line passes along Northern boundary of plot 55, 56, 53, 48, 47, 46 of mouza Tetaria (Thana No. 31), Northern boundary of plot 54, 53, 41, through 44, Northern and Western boundary of 17, Northern boundary of 19, 25,

through 21 of mouza Tetaria (Thana No. 709) and meet at point 'G7'.

G7-G8-G9 : Lines pass through plot 58, 57, 56, of mouza Kusmaha passes along the common boundary between Kusmaha and Akasni mouzas. and meet at point 'G9'.

G9—G10 : Line passes along Eastern and Northern boundary of plot 22, 60, Eastern boundary of 18, 12, 13, 5, Eastern and Northern boundary of 2, 1, of mouza Kusmaha and meets at point 'G10'.

G10-G11-G12-G13 : Lines pass through plot 94, 102, 90, 104, 105, 108, 109, of Akasni mouza then along common boundary between Mahagama and Akasni mouzas and meet 'G12' at Trijunction point between Mahagama, Balachini kitta and Akasni mouzas and then passes through plot 109, 88, 104, 90, 91 94, all along Northern and Eastern boundary of 91, Eastern boundary of 62 and through 38 of Akasni mouza and meet at point 'G13'.

G13-G1 : Line passes along the common boundary between Kenduakitta and Akasni mouzas and Eastern boundary of plot 40, 49 and Southern boundary of plot 38 of mouza Kendua and meets at the starting point 'G1'.

SCHEDULE

Block No. VIII

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acres	Remarks
1.	Mahagama	700	Mahagama	Godda	4.18	Part
					Total = 4.18 acres (approximately) or 1.69 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Mahagama :

253, 254, 255 (Part), 1077(Part), 1080(Part), 1081(Part), 1082(Part), 1019(Part), 1083(Part), 1084(Part), 1095(Part), 1098(Part), 1099(Part), 1100 and 1101(Part).

BOUNDARY DESCRIPTION :

H1-H2-H3 : Lines pass along Southern boundary of plo

252, Western boundary of 92, through 254, 1101, 1098, 1080, 1095, 1082, 1084, 1083, of mouza Mahagama and meet at point 'H3'.

H3-H4-H1 : Lines pass along Northern boundary of plot 1018, through 1019, 1083, 1081, 1082, 1080, 1077, 1099, 253 of mouza Mahagama and meet at the starting point 'H1'.

SCHEDULE

Block No. IX

All Rights :

Sl. No.	Name of mouza (Village)	Thana No.	Police Station (Thana)	District	Area in acre	Remarks
1.	Latariya	690	Mahagama	Godda	42.73	Part
					Total = 42.73 acres (approximately) or 13.30 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in mouza Latariya :

1 to 13, 33 to 56 and 59.

BOUNDARY DESCRIPTION :

J1-J2 : Line passes along part common boundary of Latariya and Murlidhak mouzas, Southern boundary of plot 16, 15, 14, 23, 24, 32, 31, 94, of mouza Latariya and meets at point 'J2'.

J2-J3 : Line passes along Western boundary of plot 86 85, 57, 58, 60, 65, 66, 68, 69 of mouza Latariya and meets at point 'J3'.

J3-J4 : Line passes along the common boundary between Latariya and Gobind pur and meets at point 'J4'

J4-J1 : Line passes along the Western Boundary of mouza Gudia and meets at the starting point 'J1'.

का० आ० 1475.—जबकि कोयलाधारी भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 7 को उपधारा (1) के अधीन जारी भीर भारत के राजपत्र के धारा II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में दिनांक 4 अक्टूबर, 1986 की पृष्ठ संख्या 4012 से 4013 पर प्रकाशित भारत के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3447, दिनांक 22-9-1986 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उन अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अधिग्रहण करने की अपने आशय की सूचना दी थी।

और जबकि केन्द्रीय सरकार की अनकारी में यह लाया गया है कि राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशन में छपाई की कुछ अवृद्धि रह गई है।

इसलिए अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस संबंध में प्राप्त अस्ति सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के साथ संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है।

पृष्ठ 4012 पर : अनुसूची में

- (i) टिप्पण 2 स्पष्टीकरण के पैरा 2 के तीसरी पंक्ति में “कुने” के स्थान पर “सुने” पढ़ें। और “वेना” के स्थान पर “वेगा” पढ़ें।
- (ii) अनुसूची में “नीलजय” के स्थान पर “नीलजय” पढ़ें।
- (iii) नीलजय ग्राम में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याके (क) पांचवीं पंक्ति में “135/1 भाग” को एक ही बार पढ़ें।
- (च) ग्यारहवीं पंक्ति में “190/2” को एक ही बार पढ़ें।
- (ग) बारहवीं पंक्ति में “254/1” को एक ही बार पढ़ें।
- (i) तरोडा ग्राम में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याके पहली पंक्ति में प्लाट संख्याके “7/2, 1” के स्थान पर “7/1, 7/2, 17” पढ़ें।
- (ii) उक्ती ग्राम में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याके (क) दूसरी पंक्ति में “283/4 भाग” के स्थान पर “281/4 भाग” पढ़ें।
- (च) चौथी पंक्ति में “340/2, 341/1” को न पढ़ें।
- (ग) आठवीं पंक्ति में “541 और सङ्क भाग” के स्थान पर “538, 541 और सङ्क भाग” पढ़ें।

पृष्ठ 4013 :

- (1) सीमा बंजन को पहली पंक्ति में “उक्ती ग्राम” के स्थान पर “उक्ती ग्राम” पढ़ें।
- (2) (क) सीमा बंजन के छ ज रेखा भागत के पहली पंक्ति में “तरोडा” के स्थान पर “तरोडा” पढ़ें।
- (च) दूसरी पंक्ति में “133/1” के स्थान पर “113/1” पढ़ें।
- (ग) पांचवीं पंक्ति में “7/11” के स्थान पर “7/1” पढ़ें।
- (घ) छठवीं पंक्ति में “8/2” के स्थान पर “7/2” पढ़ें।

उपर्युक्त संशोधन में से संबंधित किसी भी भूमि से हितवद्ध कोई अंकित इस अधिसूचना के जानी होने के 30 दिन के अन्तर उक्त पूरी भूमि के, अथवा उसके किसी भाग के अधिग्रहण पर, अथवा उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (I) की व्यवस्था के अनुसार ऐसे किसी भूमि पर किसी प्रकार के अधिकार अधिग्रहण पर आपत्ति कर सकता है।

[सं० 43019/21/84-सी ए०]

S.O. 1475.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) number S.O. 3447 dated the 22nd September, 1986, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 4th October, 1986 at pages 4013 to 4014 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957).

at page 4013 :

(i) in Note-1, for “The plain bearing Number 1(3)/III/ JR 340-486” read “The Plan bearing number C-1 (B)/III/JR/340-486”.

(ii) under the heading Plot numbers to be acquired in village Niljai for “142/2 Part” read “143/2 Part”.

at page 4014 :

(i) under the heading “Boundary description”, in line B-C, for “135” read “136” and for D “read Point ‘C’”.

[F. No. 43019/21/84-CA]

का० आ० 1476.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला पारक भेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र तारीख 25 जनवरी, 1986 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 219, तारीख 7 जनवरी, 1986 द्वारा उक्त अधिसूचना से उपावद्ध अनुसूची में विनिदिष्ट परिक्षेत्र में 188.653 हैक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) के मापमान की भूमि में खनिजों के खनन खाद्यान वेधन खुदाई करने और खोजने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और इन्हें जो जाने के अधिकार अंजित किए जाने की सूचना दी थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 8 के प्रत्युत्तरण में सभी प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट की है;

और पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विवार करने और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इसमें उपावद्ध अनुसूची में अंजित 188.653 हैक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) मापमान की भूमि में खनिजों के खनन, खदान, वेधन, खुदाई करने और खोजने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें से जाने के अधिकार अंजित किए जाने चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा करती है कि इसमें उपावद्ध अनुसूची में अंजित 188.653 हैक्टर (लगभग) या 466.16 एकड़ (लगभग) मापमान की भूमि में खाजने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें से जाने के अधिकार अंजित किए जाने चाहिए, किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अस्तंगत आने वाले भेत्र का रेखांक म० सी-१ (ई)III/एक०एक०मार०/३३७-३८६ का निरीखण कलक्षट, वेतूल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, १, कार्डिमिल हृउम स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या वेस्टर्न कोलकाता लिं० (राजस्व अनुभाग) को पठन इसें, विवेत लोइस, नागपुर (मध्य-राज्य) के कार्यालय में हिं० आ सकता है।

प्रत्येक परिचयी ब्लाक सं० १
 परिचयी कोयला क्षेत्र
 जिला बेतूल (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार

अर्जित की गई भूमि

क्र० सं०	ग्राम	पटवारी संकेत सं०	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टरों में	टिप्पणियां
1.	शोभापुर	23	बेतूल	बेतूल	30.746	भाग
2.	छतर पुर	23	बेतूल	बेतूल	116.606	भाग
3.	बगडोना	23	बेतूल	बेतूल	41.301	भाग
कुल 188.653 हेक्टर (लगभग)						या
466.16 एकड़ (लगभग)						

शोभापुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ :

138 भाग, 139, 140 भाग और 164 भाग।

छतरपुर ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ :

432/1 भाग, 432/2 भाग, 433, 434, 435 भाग, 436 से 444, 445 भाग, 446, 447, 448, 449 भाग और 450 भाग।

बगडोना ग्राम में अर्जित किए गए प्लाट संख्याएँ :

54 भाग, 85 भाग, 92 भाग, 93, 94 भाग, 96 भाग, 97 भाग, 98, 99 भाग, 100 से 104, 105 भाग, 106 भाग, 111 भाग, 112 भाग, 113 से 115, 116 भाग, 119 भाग, 133 भाग, 134, 135 भाग, 148 भाग और 149 भाग।

सीमा वर्णन :

क-व्य: रेखा, बिन्दु "क" भारम्भ होती है और का. ग्रा. सं. 2116, तारीख 22 अप्रैल, 1983 द्वारा, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जित और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित शोभापुर ब्लाक की परिचयी और उनरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग: रेखा, का. ग्रा. सं. 2617 तारीख 21 अगस्त, 1978 द्वारा, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जित और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित परिचयी ब्लाक III की परिचयी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-ध: रेखा, शोभापुर ग्राम में प्लाट संख्याएँ 138, 164 में से होकर जाती है, फिर छतरपुर ग्राम के प्लाट संख्याएँ 432/1, 432/2, 449, 450, 446, 445 में से होकर जाती है और प्लाट संख्याएँ 432/2 में बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-क: रेखा, छतरपुर ग्राम के प्लाट संख्याएँ 432/2, 445, 432/1 और 435 में से होकर जाती है, फिर बगडोना ग्राम के प्लाट संख्याएँ 112, 111, 105 और 106 में से होकर जाती है और प्लाट संख्याएँ 106 और 54 की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "ह" पर मिलती है।

इ-क: रेखा, बगडोना ग्राम के प्लाट संख्याएँ 54, 85, 96 94, 92 और 149 में से होकर जाती है और वार्षिक विन्दु "क" पर मिलती है।

[का. नं. 43015/१/१६-सी.ए.]

S.O. 1476.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 219 dated the 7th January, 1986 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India dated 25th January, 1986, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 188.653 hectares (approximately) or 466.16 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto are hereby acquired.

The plan bearing No. C-1(E)III/FFR/337-386 dated 27th March, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Betul (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE
PATHAKHERA WESTERN BLOCK NO. 1
PATHAKHERA COALFIELD
District Betul (Madhya Pradesh)

Mining Rights				(Sowing lands acquired)		
Serial Number	Village	Patwari Circle Number	Tchsil	District	Area in hectares	Remarks
1. Shobapur		23	Betul	Betul	30.746	Part
2. Chhattarpur		23	Betul	Betul	116.606	Part
3. Bagdona		23	Betul	Betul	41.301	Part
				Total Area:	188.653 hectares (approximately)	
					OR	
					466.16 acres (approximately)	

Plot numbers acquired in village Sobhapur :

138 Part, 139, 140 Part and 164 Part.

Plot Numbers acquired in village Chhattarpur :

432/1 Part, 432/2 Part, 433, 434, 435 Part, 436 to 444, 445

Part, 446 Part, 447, 448, 449 Part and 450 Part.

Plot numbers acquired in village Bagdona :

54 Part, 85 Part, 92 Part, 93, 94 Part, 96 Part, 97 Part, 98, 99 Part, 100 to 104, 105 Part, 106 Part, 111 Part, 112 Part, 113 to 115, 116 Part, 119 Part, 133 Part, 134, 135 Part, 148 Part and 149 Part.

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B Line starts from point 'A' and passes along the western and northern boundary of Sobhapur Block acquired under section 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2116 dated 22nd April, 1983 and meets at point 'B'.

B-C Line passes along the western boundary of Pathakhera Block-III acquired under section 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. No. 2617 dated 21st August, 1978 and meets at point 'C'.

C-D Line passes through village Sobhapur in plot numbers 138, 164, then proceeds through village Chhattarpur in plot numbers 431/1, 432/2, 449, 450, 446, 445, and meets in plot number 432/2 at point 'D'.

D-E Line passes through village Chhattarpur in plot numbers 432/2, 445, 432/1, and 435, the proceeds

through village Bagdona in plot numbers 112, 111 105 and 106 and meets at common boundary of plot number, 106 and 54 at point 'E'.

E-A Line passes through village Bagdona in plot numbers 54, 85, 96, 94, 92 and 149 and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/9/86-CA]

का. आ. 1477.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रश्ना होता है कि उसमें उपायक अधिसूचनी में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिकार प्राप्त किए जाने की संभावना है;

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक भेन्न (पर्वत और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपशारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस भेन्न में कोयले का पूर्वांक करते के प्रपत्ते आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के प्रधीन आने वाले क्षेत्र के ऐकां ईस्टर्न कोयला-फील्ड्स का निरीक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत मार्ग, विलासपुर-495001 के कार्यालय में या कलकटर शहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अधिकारी कोयला नियंत्रक, 1-काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के प्रधीन आने वाली भूमि में हितवद्धु कोई व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 15 की उपशारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, धारों और प्रत्येक वस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नव्वे नि के भीतर सहायक संपदा प्रबंधक साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सीपत मार्ग विलासपुर को भेजें।

अनुसूची
कुंदरी खण्ड
सोलगपुर कोयला भेन्न
जिला शहडोल (मध्य प्रदेश)
रेखांक नं. एसईनोएल. बीएसरी : बीएम (परि) : 2
तारीख : 12 जून 1986
(पूर्वांक के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाने वाला)

राजस्व क्षेत्र

क्र. सं. भाग	तहसील	साधारण	जिला	भेन्न हेक्टर में	टिप्पणिया
1. बहिर्वन	बन्दगढ़	475	शहडोल	52.013	भाग
2. खोडराकान	बन्दगढ़	156	शहडोल	61.128	भाग
3. पिपरिया	बन्दगढ़	414	शहडोल	203.191	भाग
4. पिनौरा	बन्दगढ़	413	शहडोल	73.706	भाग
5. कुदरी	बन्दगढ़	104	शहडोल	413.196	भाग

पर क्षेत्र		रेंज	खण्ड	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
क० स०	कॉलाईटमेंट स०	रेंज	खण्ड	91.580	भाग
1.	पी 173 III	कारकेली	उमरिया	योग 91.580 कुल योग 894.814 हैक्टर (लगभग) या 2211.13 एकड़ (लगभग)	

सीमा वर्णन

क—ए रेखा बिन्दु 'क' से धारम होती है और कुरी ग्राम से होकर जाती है तथा उसी ग्राम में 'ख' बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग रेखा कुरी ग्राम से गुजरती है, फिर कॉलाईटमेंट स. पी. 137 III कारकेली रेंज. उमरिया खण्ड से होकर जाती है और तब पिनोरा ग्राम से गुजरती हुई उसी ग्राम में "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ रेखा पिनोरा, पिपरी ग्रामों से होकर जाती है फिर पिनोरा और बाहिन होकर जाती है और उसी ग्राम में "घ" बिन्दु पर मिलती है।

घ—इ रेखा बहर्देन, पिपरी और खोडरावान द्वारों से होकर जाती है और बिन्दु "इ" पर मिलती है।

इ—ए—1—इ—2 रेखा खोडरावान ग्राम से होकर जाती है भागत इ—3—क: खोडरावान और कुरी ग्रामों में समिलित सीमा के साथ जलती है, फिर कुरी ग्राम होकर गुजरती है और कुरी ग्राम में धारनिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/22/86-मी.ए.]

**SCHEDULE
KUDRI BLOCK
SOHAGPUR COALFIELD
DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)**

Plan No. SECL. : BSP : GM (Proj) : 2
Dated : 12th November, 1986
(Showing land notified for prospecting)

REVENUE LAND

Sl. No.	Village	Tahsil	General	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Bahirden	Bandhogarh	475	Shahdol	52.013	Part
2.	Khodargawan	Bandhogarh	156	Shahdol	61.128	Part
3.	Piprari	Bandhogarh	414	Shahdol	203.191	Part
4.	Pinoura	Bandhogarh	413	Shahdol	73.706	Part
5.	Kudri	Bandhogarh	104	Shahdol	413.196	Part

Total : — 803.234 hectares

FOREST LAND

Sl. No.	Compartment No.	Range	Division	Area in hectares	Remarks
1.	P 173 III	Karkeli	Umarla	91.580	Part
				Total : — 91.580	
				Grand Total : — 894.814 hectares (approximately)	
				OR 2211.13 acres (approximately)	

Boundary Description :

A—B : Line starts from point 'A' and passes through village Kudri and meets in the same village at point 'B'.

B—C : Line passes through village Kudri and then proceeds through compartment No. P-137-III, Karkeli Range, Umaria Division and then through village Pinoura and meets in the same village at point 'C'.

C—D : Line passes through villages Pinoura, Pipari then again through Pinoura and Bahirden and meets in the same village at point 'D'.

D—E Line passes through village Bahirden, Pipari and Khodargawan and meet at point 'E'.

E—E1—E2—E3—A : Line passes through village Khodargawan, partly along the common boundary of villages Khodargawan and Kudri, then proceeds through village Kudri and meets in village Kudri at the starting point 'A'.

[No. 43015/22/86-CA]

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.ग्रा. 1478.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं. का. धा. 3321 तारीख 7 अक्टूबर, 1986 द्वारा, उम अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विभिन्न विधियों में 7400.00 एकड़ (लगभग) या 2994.63 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि में कोयले का पूर्वोक्त करने के प्रपत्रे अंशय की सूचना ही थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही गया है कि उस भूमि में कोयला अभियाप्त है;

प्रतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उससे संलग्न अनुसूची में विधिय 7400.00 एकड़ (लगभग) या 2994.63 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि को अर्जन करने के अपने अंशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1—इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. धा/20/86, तारीख 6 मई, 1986 का निरीक्षण

सभी अधिकारी

अनुसूची
अशोक ब्लाक
(उत्तरी कण्ठपुरा—कोयला क्षेत्र)

अर्जित की जाने वाली भूमि

क्रम सं.	माप	पाला	पाला सं.	जिला	क्षेत्र (एकड़ में)	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
1.	बाली	टंडवा	89/226	हजारीबाग	119.36	भाग
2.	बिजेन	"	83/240	"	370.00	भाग
3.	सिवाल	"	84/241	"	155.00	भाग
4.	बर्यांगी	"	86/243	"	250.00	भाग
5.	सराय	"	87/244	"	502.09	पूर्ण
6.	चिरलोंगा	"	88/245	"	217.00	भाग
7.	कोइलापा	"	89/246	"	810.00	भाग

उपायुक्त, हजारीबाग (विहार) के कायांलय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता या सैम्बल कोलफील्ड लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरमांग हाउस, रांची (विहार) के कायांलय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 : कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन भीर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के अंतर्गत की ओर ध्यान धार्हण किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपर्युक्त है :—

"(1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी आकृत धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितवद्ध कोई अविक्त अधिसूचना जारी की जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग का ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों के अर्जन के प्रति आक्षेप कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अंतर्गत यह आक्षेप नहीं माना जाएगा कि कोई अविक्त किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं जनन संक्षियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्षियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य अविक्त को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आक्षेप यकाम प्राधिकारी को लिए रूप में किया, जो आक्षेप सकाम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को स्वयं सुने जाने के या विधि अवधारणी द्वारा सुनवाई का अवसर देग, और ऐसे सभी आक्षेपों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समस्त है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आक्षेपों पर अपनी सिफारियों और उसके द्वारा की गई कार्रवाई के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विवरण के लिए देंगे।

(3) इस धारा के प्रयोगों के लिए यह अविक्त किसी भूमि में हितवद्ध समस्त जांचा जो प्रतिकर में हित का वादा करने का हकदार होता यादि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार के कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सकाम प्राधिकारी अर्जित किया गया है।"

1	2	3	3	5	6	7
8.	देम्बुप्राण	देंडवा	90/247	हजारीबाग	397.55	पूर्ण
9.	मुलना	"	91/248	"	390.82	पूर्ण
10.	लुकुर्या	"	92/249	"	550.23	पूर्ण
11.	तोरेश्वाद	"	93/250	"	458.47	पूर्ण
12.	हैंजवा	"	94/251	"	988.83	पूर्ण
13.	कुटकी	"	95/252	"	1227.26	भाग
14.	कुटकी खुर्द उर्फ यना	"	96/253	"	448.00	पूर्ण
15.	बेन्ती	"	97/254	"	515.39	भाग

कुल खेत : 7400.00 एकड़ (लगभग)
या 2994.63 हैक्टर (लगभग)

बाली ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

415 (भाग), 429 (भाग), 430 (भाग) 432, (भाग), 434 (भाग) 435 से 438, 439 (भाग), और 440 से 445 विजय ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 264, 265 (भाग), 295 से 339

सिदालु प्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

2 (भाग), 4 (भाग), 5 (भाग), 7 (भाग), 8 (भाग), 9 से 12, 13 (भाग), 14 (भाग), 15 से 126, 127 (भाग), 128 से 141, 142 (भाग), 143, 144 (भाग), 145 से 156, 157 (भाग), 158 (भाग), 159, 160 (भाग), 163 (भाग), 174 (भाग) 175 (भाग), 185 (भाग), 188 (भाग), और 189,

यथार्थीप्राम में वर्जित गिए जाने वाले प्लाट सं :

3 (भाग), 4 (भाग), और 5 से 62

सराय ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 133

विरलोंगा प्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

186 (भाग), 187 से 190 191, (भाग), 192 (भाग), 193, 194 और 195 ।

कौलारा ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

213 (भाग) 214 (भाग), 217, 218 (भाग), 221 (भाग), 222, 223, (भाग), 224, 225, 226, (भाग), 237 (भाग) 245 (भाग), 246 (भाग), 253, 254, (भाग), 257 (भाग), 258 (भाग), 282 (भाग), 284 (भाग), 286 (भाग), 287 (भाग), 289 (भाग), 290 से 316 317, (भाग), 318 से 359, 360 (भाग), 361 (भाग) 362 (भाग), 363 (भाग), 364 (भाग) 365, 366 (भाग), 367, 368 (भाग), 369, 370 (भाग), 371 से 432, 433 (भाग), 434 (भाग), 458 (भाग), 459, 460, 461 और 464 ।

देम्बुप्राण ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 285 ।

सुलुर्दा ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 106 ।

कुटुर्या ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 114 ।

तोरेश्वाद ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 160 ।

हैंजवा ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 553 ।

कुटकी ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

1 से 252, 253 (भाग), 254 (भाग), 255 से 263, 264 (भाग), 265, 266 (भाग), 267 (भाग), 268 (भाग), 269 से 441, 442 (भाग), 443 (भाग), 444 से 727 ।

कुटकी खुर्द उर्फ धेता ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :
1 से 214 ।

बेन्ती ग्राम में वर्जित किए जाने वाले प्लाट सं :

72 (भाग), 138 (भाग), 154 (भाग), 155, 156, 157 (भाग), 158 (भाग), 159 से 169, 170 (भाग), 174 (भाग), 175 (भाग), 176, 177 (भाग), 178 (भाग), 194 (भाग), 195 (भाग), 196 (भाग), 206 (भाग), 1209 (भाग), 1210, 1211 (भाग) 1212 से 1218, 1219 (भाग), 1220 (भाग), 1221 (भाग), 1480 से 1592, 1593 (भाग), 1596 (भाग), 1597 से 1608, 1610 (भाग), 1611 (भाग), और 1612 सीमा बर्णन :

क-ख रेखा बाली ग्राम में प्लाट सं 415 से होकर जाती है फिर विरलोंगा ग्राम में प्लाट सं 192, 191, 186 से होकर प्लाट से 317, 282, 284, 286, 287, 286, 289, 360, 362, 363, 364, 366, 368, 370, 361, 258, 257, 254, से होकर प्लाट से 253 की पूर्वी सीमा से होकर प्लाट से 246, 245, 237, 226, 223, 221, 218, 214, 213, 434, 433 और 458 से होकर जाती है फिर कौलारा ग्राम में प्लाट से 461 (जो) की पूर्वी सीमा से होकर जाती है और विन्यु "क" पर मिलती है।

ख-ग रेखा देमोतद या दमोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और राथी की भागतः जिला सीमा जाती है) और विन्यु "ग" पर मिलती है।

ग-घ रेखा देमोतद या दमोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और राथी की भागतः जिला सीमा जाती है) और विन्यु "घ" पर मिलती है।

प-३	रेखा देवोनद या धामोदर नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
प-४	रेखा देवोनद या धामोदर नदी की भागतः मध्य : रेखा के साथ साथ जाती है (जो हजारीबाग और रांची की भागतः जिला सीमा बनाती है) और बिन्दु "क" पर मिलती है।
प-५	रेखा ग्राम बेस्ती में प्लाट सं. 1219 (नदी) 1220, 1221, 1211 और 1209 से होकर कुटकी ग्राम के प्लाट सं. 443, 442, 268, 267, 266, 264, 254 और 253 से होकर जाती है [को कोयला धारक थेन (पर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन पिपरवार ब्लाक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है] और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
प-६	रेखा कुटकी और बेस्ती ग्रामों की भागतः सम्मिलित सीमा साथ साथ ग्राम बेस्ती में प्लाट सं. 1608, 1610, 1611, 206, 1596, 1993, 196, 195, 194, 170, 174, 175, 177, 178, 158, 157, 154, 138 और 72 से होकर (जो कोयला धारक थेन (पर्जन विकास) प्रधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन पिपरवार ब्लाक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
प-७	रेखा बेस्ती ग्राम में प्लाट सं. 72 से होकर जाती है फिर ग्राम कुटकी तक उक्त या और बेस्ती, विन्दु "ज" और बेस्ती की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लाट सं. 265 (नाला) और ग्राम सिदालु की भागतः परिवसी सीमा से और सिदालु ग्राम में प्लाट सं. 185, 127, 185, 142, 144, 175, 174, 157, 158, 160, 163, 188 और से होकर जाती है [जो कोयला धारक थेन (पर्जन और विकास) प्रधिनियम की धारा 9(1) के अधीन पिपरवार ब्लाक विस्तार की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।
प-८	रेखा सिदालु ग्राम में प्लाट सं. 4, 5, 7, 13, 8, 5, 14, और 2 से होकर जाती है और यथागती ग्राम में प्लाट सं. 3 तक 4 से होकर जाती है और फिर सराया और यथागती, सराया और खांसर चिरालूंगा और जग्दार ग्राम में यासी ग्राम के प्लाट सं. 434, 432, 439, 430, 429 और 415 से होकर जाती है।

[सं. 19/97/82-सी.एल/सी.ए]

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1478.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 3321 dated the 8th September, 1986 issued under sub-section (1) of the Coal Bearing

Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 7400.00 acres (approximately), or 2994.63 hectares (approximately) of the land in the locality specified in the Schedule appended to that notification ;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 7400.00 acres (approximately), or 2994.63 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto.

Note 1 :—The plan No. Rev/20/86 dated the 6th May, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House Ranchi (Bihar).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provision of section 8 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows :—

- (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land. Explanation.—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.
- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.
- (3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act."

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE
ASHOK BLOCK
NORTH KARANPURA COALFIELD

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Land to be acquired	
					Area (in acres)	Remarks
1. Bali		Tandwa	69/226	Hazaribagh	119.36	Part
2. Bijain		"	83/240	"	370.00	"
3. Sidalu		"	84/241	"	155.00	"
4. Thathangi		"	86/243	"	250.00	"
5. Saraiya		"	87/244	"	502.09	Full
6. Chirlaunga		"	88/245	"	217.00	Part
7. Koilara		"	89/246	"	810.00	"
8. Dembua		"	90/247	"	397.55	Full
9. Jhulunga		"	91/248	"	390.82	"
10. Lukuia		"	92/249	"	550.23	"
11. Torhad		"	93/250	"	458.47	"
12. Henjda		"	94/251	"	988.83	"
13. Kutki		"	95/252	"	1227.26	Part
14. Kutki khurd alias thena		"	96/253	"	448.00	Full
15. Benti		"	97/254	"	515.39	Part

Total area : 7400.00 Acres (approximately).
or 2994.63 hectares approximately)

Plot numbers to be acquired in village Bali : 415; Part) 429 (Part, 430 (Part), 432 (Part), 434 (Part), 435 to 438, 439 (Part), and 440 to 445.

Plot numbers to be acquired in village Bijain 1 to 264, 256(Part), 295 to 339. i

Plot number to be acquired in village Sidalu :—2 (Part), 4(Part), 5(Part), 7 (Part), 8 (Part), 9 to 12, 13 (Part), 14 (Part), 15 to 126, 127 (Part), 128 to 141, 142 (Part), 143, 144 (Part), 145 to 156, 157 (Part), 158 (Part), 159, 160 (Part), 163 (Part), 174 (Part), 175 (Part), 185 (Part), 188 (Part), and 189.

Plot numbers to be acquired in village Thathangi 3(Part), 4 (Part), and 5 to 62.

Plot numbers to be acquired in village Saraiya : 1 to 133
Plot numbers to be acquired in village Chirlaunga :—186 (Part), 187 to 190, 191 (Part), 192 (Part), 193, 194 and 195.

Plot number to be acquired in village Kailara:—213 (Part) 214(Part), 217, 218(Part), 221(Part), 222, 223(Part), 224, 225, 226 (Part), 237 (Part), 245 (Part), 246 (Part), 253, 254 (Part), 257 (Part), 258 (Part), 282 (Part), 284 (Part), 286 (Part), 287 (Part), 289(Part), 290 to 316, 317(Part), 318 to 359, 260 (Part), 361 (Part), 362 (Part), 363 (Part), 364 (Part), 365, 366 (Part), 367, 368 (Part), 369, 370 (Part), 371 to 432, 433 (Part), 434 (Part), 458 (Part), 459, 460, 461 and 464.

Plot number to be acquired in village Dembia :—1 to 285, Plot numbers to be acquired in village Jhulunda:—1 to 106.

Plot numbers to be acquired in village Lukuia :—1 to 114.

Plot numbers to be acquired in village Torhad:—1 to 160.

Plot numbers to be acquired in village Henjda :—1 to 553

Plot numbers to be acquired in village Kutki :—1 to 252, 253

(Part), 254 (Part), 255 to 263, 264 (Part), 265, 266 (Part), 267 (Part), 268 (Part), 269 to 441, 442(Part), 443(Part), 444 to 727

Plot numbers to be acquired in village Kutki Khurd or

Thena :—1 to 214.

Plot number to be acquired in village Benti :—72 (Part), 138 (Part), 154 (Part), 155, 156, 157 (Part), 158 (Part), 159 to 169, 170(Part), 174 (Part), 175 (Part), 176, 177 (Part), 178 (Part), 194 (Part), 195 (Part), 196 (Part), 206(Part), 1209 (Part) 1210, 1211 (Part), 1212 to 1218, 12119 (Part), 1220 (Part), 1221 (Part), 1480 to 1592, 1593 (Part), 1596 (Part), 1597 to 1609, 1610 (Part), 1611 (Part), and 1612.

BOUNDARY DESCRIPTION :—

A—B line passes through plot number 415 in village Bali then through plot numbers 192, 191, 186 in village', Ghirlunga, through plot numbers 317, 282, 284, 286 287, 286, 289, 360, 362, 363, 364, 366, 368, 370, 361 258, 257, 254, eastern boundary of plot number 253, through plot numbers 246, 245, 237, 226, 223, 221, 218, 214, 213, 434, 433 and 458 then eastern boundary of plot number 461 (River) in village Koilara and meets at point 'B'.

B—C line passes along the part central line of River Deonad of Damodar (which is the part District Boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'C'.

C—D line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'D'.

D—E line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meets at point 'E'.

E—F line passes along the part central line of River Deonad or Damodar (which is the part District boundary of Hazaribagh and Ranchi) and meet at point F",

F—G line passes through plot numbers 1219 (River), 1220, 1221, 1211 and 1209 in village Benti through plot numbers 443, 442, 268, 267, 266, 264, 254 and 253 in village Kutki (which forms part common boundary of Piparwar block U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'G.' 3

G—H line passes along part common boundary of villages Kutki and Benti, through plot numbers 1608, 1610, 1611, 206, 1596, 1593, 196, 195, 194, 170, 174, 175, 177, 178, 158, 157, 154, 138 and 72 in village Benti (which forms part common boundary of Piparwar block U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meet at point 'H'.

H—I line passes through plot number 72 in village Benti then passes along part common boundary of villages Kutki Khurd alias Thena and Benti, Bijain and Benti through plot number 265(Nalla) and part western boundary of village Sidalu through plot numbers 185 127, 185 142, 144 175, 174, 157, 158, 160, 163, 188 and 4 in village Sidalu (which forms part common boundary of Piparwar block Extn. U/s 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 and meets at point 'I'.

J—A line passes through plot numbers 4, 5, 7, 13, 8, 5, 14 and 2 in village Sidalu through plot number 3 and 4 in village Thathangi and part common boundary of

villages Sarya and Thathangi, Sarya and Khandhar, Chirlunga and Khandhar, through plot numbers 434, 432, 439, 430, 429 and 415 in village Bali and meets at Starting point 'A'.

[No. 19/97/82-CL(CA)]

का. भा. 1479 —केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपर्युक्त भूमि में उनियां भूमि में कोयला अधिकार किए जाने को संभावना है—

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला आरक भेज (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वांकन करने के अपने धारण की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी.-1(ई) III/जिमार/376-1286 का निरीक्षण वेस्टर्न कॉलफील्ड्स लि. (राजस्व विभाग), कोल एस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलक्टर, चम्पापुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की अपधारा (7) में निविष्ट सभी मकानों, लाईटों और अन्य वस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से नज़े दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वेस्टर्न कॉलफील्ड्स लि., कोल एस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 की मेज़ेगे।

अधिसूचना

बदर जिला

चम्पापुर कोयला भेज

जिला चम्पापुर (महाराष्ट्र)

क्र. सं. ग्राम का नाम	पटकारी संकेत सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पनियां
1. मीनाजरी	4	चिमूर	चम्पापुर	170.99	पूर्ण
2. आजगांव रोड़	4	चिमूर	चम्पापुर	153.56	पूर्ण
3. केट बोयली	4	चिमूर	चम्पापुर	49.32	पूर्ण
4. मुखाररिय	4	चिमूर	चम्पापुर	162.34	पूर्ण
5. मुरपारकूम	4	चिमूर	चम्पापुर	304.77	पूर्ण
6. सलोरी रोड़	4	चिमूर	चम्पापुर	107.38	पूर्ण
7. शेंगाव	4	चिमूर	चम्पापुर	1054.07	पूर्ण
8. पेठ भासूली	3	चिमूर	चम्पापुर	236.68	पूर्ण
9. अमरतुरी	3	चिमूर	चम्पापुर	334.64	पूर्ण
10. भजरा बेगड़े	3	चिमूर	चम्पापुर	225.65	पूर्ण
11. बदर	2	चिमूर	चम्पापुर	310.92	पूर्ण
12. शिवापुर	2	चिमूर	चम्पापुर	188.41	पूर्ण
13. पोटीचुवा	5	चिमूर	चम्पापुर	683.56	पूर्ण
14. चिमूर रेंज	ब्रह्मपुरी डिवीजन	चिमूर	चम्पापुर	3741.72	भाग

कुल भेज—7724.01 हेक्टर (लगभग)

या 19086.80 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख-ग रेखा बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और कंपार्टमेंट सं. 34 की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है, तब कंपार्टमेंट सं. 23-ख, 23-क, 24, 25 की बाह्य सीमा के साथ-साथ ग्राम आजगांव रीद और सीनजरी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-घ-ड रेखा कंपार्टमेंट सं. 25, 26-क की बाह्य सीमा के साथ-साथ जाती है तब ग्राम पोटीचुवा और शेडेगांव की पूर्वी सीमा के साथ-साथ कंपार्टमेंट सं. 44 की की बाह्य सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-च-क रेखा कंपार्टमेंट सं. 44, बंदर, कंपार्टमेंट सं. 28-ख मजरा-बेगडे, अमरपुर, पेठ भांसुली, कंपार्टमेंट सं. 33 की बाह्य सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/2/87-सी.ए.]

S.O. 1479.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan bearing No. C-1(E)III|JR|376|1286, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate Civil Lines Nagpur-440001 or at the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All person interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001, within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE
BANDAR BLOCK
CHANDRAPUR COALFIELDS
DISTRICT-CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

Serial Number	Name of Village	Patwari Circle Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1. Minzari		4	Chimur	Chandrapur	170.99	Full
2. Ajgaon Rith		4	Chimur	Chandrapur	153.56	Full
3. Kate Bothli		4	Chimur	Chandrapur	49.32	Full
4. Murpar Rith		4	Chimur	Chandrapur	162.34	Full
5. Murpar Tukum		4	Chimur	Chandrapur	304.77	Full
6. Salori Rith		4	Chimur	Chandrapur	107.38	Full
7. Shedegaon		4	Chimur	Chandrapur	1054.07	Full
8. Peth Bhansuli		3	Chimur	Chandrapur	236.68	Full
9. Amarpu		3	Chimur	Chandrapur	334.64	Full
10. Maira Begde		3	Chimur	Chandrapur	225.65	Full
11. Bandar		2	Chimur	Chandrapur	310.92	Full
12. Shivapur		2	Chimur	Chandrapur	188.41	Full
13. Pitichuwa		5	Chimur	Chandrapur	683.56	Full
14. Chimur Range	Brahmapuri Division		Chimur	Chandrapur	3741.72	Part

TOTAL AREA—7724.01 Hectares
(approximately)
OR
19086.80 Acre
(approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B-C Line starts from point 'A' and passes along the outer boundary of compartment No. 34, then proceeds along the northern boundary of village Ajgaon Rith, and Minzari, along the outer boundary of compartment Nos. 23 B, 23- A, 24, 25 and meets at point 'C'.

C-D-E Line passes along the outer boundary of compartment No. 25, 26 A, then along the eastern boundary of villages Pitichuwa and Shedegaon, proceeds along

the outer boundary of compartment No. 44 and meets at point 'E'.

E-F-A Line passes along the outer boundaries of compartment No. 44, Bandar, Compartment No. 28B, Maira-Begde, Amarpu, Peth-Bhansuli, compartment No. 33 and meets at point 'A'.

[No. 43015/2/87- CA]

का. आ. 1480—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायकारी असुविधा में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

प्रध. केन्द्रीय सरकार कोयला धारक धोव (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपराया (1) द्वारा प्रदत्त भवित्वों का प्रयोग करते हुए, उस धोव में कोयले का पूर्वांकन करने के अन्ते आशय की सूचना देती है:

इस अधिसूचना के अधीन अनेक वाने अकेर के रेखांक में दी, भी मी. एल./ड. ई./43/82 मारीब 17 जनवरी, 1982 का निरीक्षण आयुक्त, धनबाद (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक।

काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कामकाला के कार्यालय में या निदेशक (तकनीकी) परियोजना, 1 भारत कोकिंग कॉम लि, कोयला भवन, डाकघर कोयला धार, जिला धनबाद (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन अनेक वाने भूमि में हितवद्ध गभी असुविधा अधिनियम की धारा 1 की उपराया (2) में निर्दिष्ट सभी नवायों, चार्ट्स और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्र में नवे दिन के भीतर, कोयला धारक धोव (प्रजन और विकास) नियम, 1957 के नियम 5 की अपेक्षानुगार निदेशक (तकनीकी) परियोजना भारत कोकिंग कॉम लि., कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, जिला धनबाद (बिहार) को भेजेंगे।

अनुसूची
रेखांक दी. मी. एल./ड. ई./43-82
तारीख 17 जनवरी, 1982
पर्वतगुरु धारक
(प्रगिया कोयला धोव)
पुरुषेश्वर के लिए अधिसूचित भूमि

क्र. सं	ग्राम	थाना सं.	थाना	ज़िला	धोव पकड़ी में	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1. भारतडीह		355	तोपचाची	धनबाद	41. 30	भाग
2. देटगांवाद		90	प्रगिया	धनबाद	112. 35	भाग
3. मासिनार्ही		91	प्रगिया	धनबाद	18. 50	भाग
4. वारहभी		92	प्रगिया	धनबाद	41. 45	भाग
5. जड़डीह		104	प्रगिया	धनबाद	35. 50	भाग
6. गतगार्ही		105	प्रगिया	धनबाद	10. 10	भाग
7. झरता		106	प्रगिया	धनबाद	28. 12	भाग
8. पेटिया		107	प्रगिया	धनबाद	38. 60	भाग
9. झूगनी		111	प्रगिया	धनबाद	99. 26	भाग
10. गोपीडीह		74	चाम	धनबाद	73. 79	भाग
11. तुशारी		76	चाम	धनबाद	83. 00	भाग
12. करागिया		203	चाम	धनबाद	35. 20	भाग
13. परम्परपुर		204	चाम	धनबाद	748. 60	भाग
14. लखीनर		205	चाम	धनबाद	514. 00	भाग
15. महगंगर		207	चाम	धनबाद	247. 00	भाग
16. हिकार्हा		208	चाम	धनबाद	435. 00	मम्पूर्ण
17. नवाबान या पर्वताल्प		209	चाम	धनबाद	494. 82	मम्पूर्ण
18. नालगोगिया		210	चाम	धनबाद	416. 17	मम्पूर्ण
19. मिलकाने		211	चाम	धनबाद	969. 16	गम्पूर्ण
20. फोलपुर		212	चाम	धनबाद	297. 40	भाग
21. दिग्गडीह		217	चाम	धनबाद	27. 00	भाग
22. नशाडीह		218	चाम	धनबाद	21. 50	भाग
23. देवग्राम		220	चाम	धनबाद	76. 90	भाग
24. उपार्खंगा		221	चाम	धनबाद	11. 00	भाग

4880. 66 एकड़ (नगरग)

या
1992210 हैटर (मम्पूर्ण)

सीमा वर्णन

क-ख, ख-ग,	रेखा भावराडह, टेटगाबाद, मामीलडीह बारडूभी
ग-घ और घ-इ	जटुडह, गनसाडह, जरंना पेटिआ और डुगरी ग्रामों से होकर (दामोदर नदी के बाये किनारे के भाग के साथ-साथ जाती है और विन्दु "ड" पर मिलती है।
ड-च और च-छ.	रेखा डुगरी फेनहुर, पिरजाडीह, नवाईह, देवग्राम, परबतपुर और उपरबंधा ग्रामों में दामोदर नदी से होकर जाती है और विन्दु "छ" पर मिलती है।
छ-ज	रेखा उपरबंधा, करारिआ, बटबीनेर, और तुधारी ग्रामों से होकर जाती है तथा विन्दु "ज" पर मिलती है।
ज-झ	रेखा तुधारी ग्राम होकर जाती है और विन्दु "झ" पर मिलती है।
झ-झ	रेखा मोजा गोपीडीह और बटबीनेर तथा अलौरा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और विन्दु "झ" पर मिलती है।
ज-ट	रेखा मोजा बटबीनेर और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और विन्दु "ट" पर मिलती है।
ट-ठ	रेखा मोजा बटबीनेर, डिबारडा और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और विन्दु "ठ" पर मिलती है।
ठ-ड	रेखा मोजा मछातानर और अलौरा की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और विन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-क

रेखा मछातानर और भावंरडीह ग्रामों से होकर जाती है और विन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/15/86-सं. ए.]

S.O.1480.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule here to annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal-Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1954 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. BCCL/ED/43-82 dated the 17th January, 1982 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar), or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyla Bhawan, Post Office Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar).

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited Koyla Bhawan, Post Office Koyla Nagar, District Dhanbad (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification in the Gazette of India, as required by rule 5 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Rules, 1957.

SCHEDULE

Plan Number BCCL/ED/43-82

dated the 17th January, 1982

Showing land notified for prospecting.

Parbatpur Block
(Jharia Coalfield)

S. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in Acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Bhawardana	355	Topchanchi	Dhanbad	41.30	Part
2.	Tetangabad	90	Jharia	Dhanbad	112.35	Part
3.	Majhiladilh	91	Jharia	Dhanbad	18.50	Part
4.	Bardubhi	92	Jharia	Dhanbad	41.45	Part
5.	Jattudih	104	Jharia	Dhanbad	35.50	Part
6.	Gansadiah	105	Jharia	Dhanbad	10.10	Part
7.	Jharmia	106	Jharia	Dhanbad	28.12	Part
8.	Peta	107	Jharia	Dhanbad	38.60	Part
9.	Dungri	111	Jharia	Duanbad	89.20	Part
10.	Gopidih	75	Chas	Dhanbad	72.79	Part
11.	Tughari	76	Chas	Dhanbad	88.00	Part
12.	Kararia	203	Chas	Dhanbad	35.20	Part
13.	Parbatpur	204	Chas	Dhanbad	748.60	Part
14.	Batbiner	205	Chas	Dhanbad	514.00	Part
15.	Mahatanar	207	Chas	Dhanbad	247.00	Part
16.	Dibarda	208	Chas	Dhanbad	435.00	Full
17.	Nayaban or Parbatanr	209	Chas	Dhanbad	494.82	Full
18.	Talgoria	210	Chas	Dhanbad	416.17	Full
19.	Silphore	211	Chas	Dhanbad	969.16	Full
20.	Fatchpur	212	Chas	Dhanbad	297.40	Part
21.	Birajdih	217	Chas	Dhanbad	27.00	Part
22.	Nawadih	218	Chas	Dhanbad	21.50	Part
23.	Debgram	220	Chas	Dhanbad	76.90	Part
24.	Uparbandha	221	Chas	Dhanbad	11.00	Part

4880.66 acres (approximately),
or 1992.10 hectares (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B, B-C,	Line passes through the villages Bhawardaha,	L-M	Line passes along the common boundary of mouza Machatani and Aluara and meets at point M.
C-D and D-E	Tetangabad, Majhiladih, Bardubhi, Jattadih, Gansadih, Jarmia, Petia and Dungri (along the part left bank of River Damodar) and meets at point E.	M-A	Line passes through the villages Machatani and Bhawardaha and meets at point A.
E-F and F-G	Line passes through Damodar River in villages Dungri, Hatchpur, Birjadih, Nawadih, Debgram, Parbatpur and Uparbandha and meets at point G.		[No. 43015/15,86-CA]
G-H	Line passes through the villages Uparbandha, Kararia, Batbinder and Tughari and meets at point H.		
H-I	Line passes through the village Tughari and meets at Point I.		
I-J	Line passes along the common boundary of mouza Gopidih and Batbinder and Aluara and meets at point J.		
J-K	Line passes along the common boundary of mouza Batbinder and Aluara and meets at Point K.		
K-L	Line passes along the common boundary of mouza Batbinder, Vibarda and Aluara and meets at Point L.		

Line passes through the villages Bhawardaha, Majhiladih, Bardubhi, Jattadih, Gansadih, Jarmia, Petia and Dungri (along the part left bank of River Damodar) and meets at point E.

Line passes through Damodar River in villages Dungri, Hatchpur, Birjadih, Nawadih, Debgram, Parbatpur and Uparbandha and meets at point G.

Line passes through the villages Uparbandha, Kararia, Batbinder and Tughari and meets at point H.

Line passes through the village Tughari and meets at Point I.

Line passes along the common boundary of mouza Gopidih and Batbinder and Aluara and meets at point J.

Line passes along the common boundary of mouza Batbinder and Aluara and meets at Point K.

Line passes along the common boundary of mouza Batbinder, Vibarda and Aluara and meets at Point L.

का.आ. 1481--केन्द्रीय सरकार को प्रसार होता है कि इसमें उपरबद्ध भनुमूर्ची में बरिम भूमि से कोयला अधिकार किए जाने को संभवना है।

अन: अब केन्द्रीय सरकार कोयला धारक धेव (प्रर्जन और विकास) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गणितों का प्रयोग करने द्वारा उसमें कोयले का पुर्वेषण करने के अपने भाग को सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र का रेकॉर्ड श. सी-1 (प्र)/III/जे.आर./381-187 का निरीक्षण वेस्टन कोलफील्ड लि., (राजस्व विभाग), कोयला एस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 के कार्यालय में अयवा कल्पकर यवतमाल (महाराष्ट्र) के कार्यालय में शोर कल्पकर चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कोर्टमिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है। इस अधिसूचना के प्रसारित आने वाली भूमि में हिन्दू राजस्व सभी अधिकारी, उक्त अधिनियम की धारा 1.3 की उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट सभी नक्शे, धार्त, शोर, भाग दस्तावेजों का परिदाय इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी वेस्टन कोलफील्ड लि., कोयला एस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 को कर दें।

भनुमूर्ची
सनातीक भवाक

वानी क्षेत्र

जिला यवतमाल और चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी संकेत सं.	ग्राम नं.	लहसुनी	जिला	जैव इंस्टर में	टिप्पणी
1.	सेल (सुरंग)	39	365	वानी	यवतमाल	243.30	भाग
2.	नानरेपेग	16	175	वानी	यवतमाल	181.00	भाग
3.	भुरकी	27	259	वानी	यवतमाल	551.63	पूरा
4.	रंगाने	22	310	वानी	यवतमाल	528.00	भाग
5.	वाड्यांब (टी.आर.पा.)	34	332	वानी	यवतमाल	85.00	भाग
6.	झोला	23	129	वानी	यवतमाल	20.00	भाग
7.	करंडी	13	44	वारीसा	चन्द्रपुर	365.00	भाग
8.	रोमहाल	13	533	वरोसा	चन्द्रपुर	445.00	भाग
9.	भनगाल	3	384	भद्रावती	चन्द्रपुर	490.20	पूरा
10.	कुसना	2	82	भद्रावती	चन्द्रपुर	34.40	भाग
11.	नागलोन	2	281	भद्रावती	चन्द्रपुर	40.50	भाग
12.	रोल गांव	3	443	भद्रावती	चन्द्रपुर	263.35	पूरा
13.	पटासा	3	304	भद्रावती	चन्द्रपुर	196.00	भाग
14.	शोरगाना	3	251	भद्रावती	चन्द्रपुर	357.14	भाग
15.	दुलाना	14	247	वरोग	चन्द्रपुर	63.00	भाग

कुल जैव : 3863.42 हेक्टर (लगभग)

या

9512.65 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख	रेखा "क" बिन्दु से आरंभ होती है और नान्देपेरा सेलु (खुर्द) ग्रामों से होकर गुजरती हुई बर्डा नदी पर करती है, फिर ग्राम करंजी, टुलाना से गुजरती हुई बिन्दु "ख" पर मिलती है।
ख-ग	रेखा, टुलाना, शेम्बल कुसना ग्रामों से गुजरती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
ग-घ	रेखा, नान्देपेरा, पटाना ग्रामों से गुजरती है, बर्डा नदी पर करती है, फिर खोला, बाडगांव (टी.आई.पी.) से गुजरती हुई बिन्दु "घ" पर मिलती है।
ड-क	रेखा बाय गांव (टी.आई.पी.) रंगाने, नान्देपेरा ग्रामों से गुजरती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर पर मिलती है।

[फा. नं. 43015/5/87-सोए]

S.O. 1481. —Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C-1(E)/III/JJR/31-187, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 or at the office of the Collector, Yavatmal (Maharashtra) and at the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 within ninety days from the date of publication of this notification.

THE SCHEDULE
MANGAON BLOCK
WANI AREA.
DISTRICT-YAVATMAL AND
CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

Serial Number	Name of village	Patwari Circle Number	Village Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
							8
1	2	3	4	5	6	7	
1. Selu (Khurd)		39	365	Wani	Yavatmal	243.20	Part
2. Nandepera		16	175	Wani	Yavatmal	181.00	Part
3. Bhurki		27	259	Wani	Yavatmal	551.63	Full
4. Rangane		22	300	Wani	Yavatmal	528.00	Part
5. Wadgaon (Tip)		34	332	Wani	Yavatmal	85.00	Part
6. Jhola		23	129	Wani	Yavatmal	20.00	Part
7. Karanji		13	44	Warora	Chandrapur	365.00	Part
8. Shembal		13	533	Warora	Chandrapur	445.00	Part
9. Mangaon		3	384	Bhadrawati	Chandrapur	490.20	Full
10. Kusna		2	82	Bhadrawati	Chandrapur	34.40	Part
11. Naglon		2	281	Bhadrawati	Chandrapur	40.50	Part
12. Ralegaon		3	443	Bhadrawati	Chandrapur	263.35	Full
13. Patala		3	304	Bhadrawati	Chandrapur	196.00	Part
14. Thorana		3	251	Bhadrawati	Chandrapur	357.14	Full
15. Tulana		14	247	Warora	Chandrapur	63.00	Part

TO TAL AREA :—3863.42 Hectares
(Approximately)
OR
9542.65 Acres
(Approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION.

A-B Line starts from point 'A' and passes through villages Nandepera, Selu(Khurd), crosses Wardha River, then proceeds through villages Karanji, Tulana and meets at point 'B'.

B-C Line passes through villages Tulana, Shembal, Kusna, and meets at point 'C'.

C-D-E Line passes through villages Naglon, Patala, crosses Wardha River, then proceeds through

villages Ghola, Wadgaon (Tip) and meets at point 'E'.

E-A Line passes through villages Wadgaon (Tip), Rangane, Nandepera and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/5/87-CA]

नई विन्ली, 1 जून, 1987

का. आ. 1482—फैद्दीय सरकार ने, कोयला धार्यक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपाया (1) के प्रधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, बंड 3, उपबंड (ii) नं. 6 अप्रैल, 1985 में प्रकाशित भारत सरकार के द्वारा, आन और कोयला मकान (कोयला विभाग) की अधिसूचना में, या, आ. 1111, तारीख 18 मार्च, 1985 द्वारा, उस अधिसूचना से संबंध अनुमति में विनियोग परियोग में 1215.00 एकड़ (वर्गभग) या 491.68 हेक्टर (वर्गभग) माप का भूमि में कोयले का पूर्वांग करने के लिये आवाय की सूचना दी थी;

और उस भूमि की वाबन, उस प्रधिनियम की धारा 7 की उपाया (1) के अधीन कोई सूचना नहीं दी गई है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उस प्रधिनियम की धारा 7 की उपाया (1) द्वारा प्रदत्त स्थितियों का प्रयोग करते हुए, 6 अप्रैल, 1987 से प्रारंभ होने वाली एक वर्ष की और व्रवधि को ऐसी अवधि के समान विनियोग करती है जिसके द्वारा वैद्यत गवाहार उस भूमि या ऐसी भूमि में या पर किन्हीं प्रविकारों को प्राप्ति करने के लिये आवाय की सूचना दे सकेगी।

अनुमति

सुगिया ज्वार

(पश्चिमी बोकारो कोयला क्षेत्र)
(पूर्वेन्द्रिय के लिए अधिवृचित भूमि)

क्र. सं.	ग्राम	थाना	थाना सं.	जिला	धोन	(एकड़ में)	टिप्पणी
1.	सुगिया	मांडू	177	हजारीबाग	1215.00		वर्गभग

कुल धोन 1215.00 एकड़ (वर्गभग) या 491.68 हेक्टर (वर्गभग)

ज—क रेखा, सुगिया ग्राम से होकर जाती है और पिन्डु "क" पर मिलती है।

[सं. 13019/30/84नी. प.]

सीमा वर्णन :—

आ—ख रेखा, नाले की भागत, मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो कर्मा और सुगिया ग्रामों की भागत, सम्मिलित सीमा और चुराखप और सुगिया ग्रामों की सम्मिलित सीमा है) और विन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख—ग रेखा, दामोदर नदी से होती हुई सुगिया ग्राम से होकर जाती है (जो सुगिया कोलियरों की पटाधून सीमा के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और विन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग—घ रेखा, दामोदर नदी की भागत, मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो लोधमा और सुगिया ग्रामों की भागत, सम्मिलित सीमा है) और विन्दु 'घ' पर मिलती है।

घ—ज रेखा नाले की मध्य रेखा के भाग के साथ जाती है (जो सुगिया और बाकीडुनी ग्रामों की भागत, सम्मिलित सीमा है) और विन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज—क रेखा, सुगिया ग्राम से होकर जाती है और पिन्डु "क" पर मिलती है।

New Delhi, the 1st June, 1987

S.O. 1482—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Steel, Mines and Coal (Ispat, Khan Aur Koyla Mantralaya) Department of Coal (Koyala Vibhag) No. S.O. 1411 dated the 18th March, 1985, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 6th April, 1985, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 1215.00 acres (approximately) or 491.68 hectares (approximately) in localities specified in the Schedule appended hereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 6th April, 1987, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

Sugia Block

(West Bokaro Coalfield)

(Lands notified for prospecting)

Serial Number	Village	Thana	Thana number	District	Area (in acres)	Remarks
1.	Sugia	Mandu	177	Hazaribagh	1215.00	Part

Total area :—1215.00 acres (approximately), or 491.68 hectares (approximately)

Boundary description :

A-B Line passes along the part central line of Nala (which forms part common boundary of villages Kainia and Sugia and common boundary of villages Burakhpur and Sugia) and meets at point 'B'.

B-C Line passes along the part central line of Damodar River (which forms common boundary of villages Sugia and Kaita Sugia and Gobardaha, Sugia and Uahua and part common boundary of Villages Sugia and Lohima) and meets at ponint 'C'.

C-D-E-F Lines pass through Damodar River, through village Sugia (which forms common boundary with the lease hold boundary of Sugia Colliery) and meets at point 'F'.

F-G Line passes along the part central line of Damodar River (which forms part common boundary of villages Lohima and Sugia) and meets at point 'G'.

G-H Line passes along part central line of Nala (which forms part common boundary of villages Sugia and Barkidundi) and meets at point 'H'.

G-A Line passes through village Sugia and meets at starting point 'A'.

[No. 43019/30/84-CA]

का. भा. 1483 - बैल्ड्रीय सरकार ने, होयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की भाग 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के शजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), नार्गिय 31 पर्स, 1986 में प्रतापित भारत सरकार द्वारा प्रवालय (कोयला विभाग) के प्रग्नियुक्ति में भी आ 2125 तरिका 26 पर्स, 1980 होना तथा अधिकृतना में गंभीर अनुसूची में विनियिष्ट परिस्थेत में 122.00 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भूमि का अर्जन करने के आगे आशय की सूचना दी थी;

और विद्युत सरकार ने परमर्श कर निया गया है।

और सभग्रा प्राधिकारी ने, उसने अधिनियम का धारा 8 के अनुसरण में अपने रिपोर्ट फैर्ड थ सरकार द्वारा दी दी है;

और केंद्रीय सरकार फा पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह गमधारा हो गया है कि इसमें मंजरीन अनुसूची में वर्णित 122 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भूमि का भूमि का अर्जन किया जाना चाहिए।

अब, केंद्रीय सरकार, विन अधिनियम का धारा 4 की उपाधा (1) द्वारा प्रदत्त अनियतीय का प्रयोग करने हुए यह गोपण करने हैं कि इसमें उपाधा अनुसूची में वर्णित 122.00 एकड़ (लगभग) या 49.37 हैक्टर (लगभग) भूमि का अर्जन किया जाता है।

2. इस अधिकृतना के अर्जन आगे दोनों क्षेत्र के रेखाक का निरीक्षण उपायकृत, देवार्थीवाग (विहार) या कोयला नियवक, 1, काउनिस नाम स्टॉट, कलकत्ता के कार्यालय में या सेन्टल कोलकात्ता निय. (राजस्व विभाग) वरभगा द्वारा, गंगो (विहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

भिरका विस्तार

रेखांग नाम/41/86 तारीख 24-10-86

दक्षिण कर्णपुरा कोयला धेत्र

निलाल हजारी बाग (विहार)

(यथित की गई भूमि को वर्णन वाची)

गमी ग्रथिकार

क्र. सं	भाग	विस्तार	भाग	धारा सं.	जिला	धोत्र	दिवियां
1	भिरका	मालू	मालू	136	हजारी बाग	122.00	भाग

कुल धोत्र : 122.00 एकड़ (लगभग) या

19.37 हैक्टर (लगभग)

व-ग

रेखा भिरका ग्राम में दामोदर नदी की उत्तरी सीमा के भाग के साथ साथ चलती है और बिल्ड "g" पर मिलती है।

ग-व

रेखा भिरका ग्राम में दामोदर नदी की पश्चिमी सीमा के नाय साथ जाती है और बिल्ड "g" पर मिलती है।

घ-क

रेखा भिरका ग्राम में लाट सं. 977, 978, 979, 978, 996, 997, 999, 998, 963, 549, 556, 554, 356, 367 में होकर जाती है और भिरका कोलियरी को पट्टा सं.मा के साथ साथ जाती है और आरम्भिक बिल्ड "k" में मिलती है।

[मे. 43015/19/85-से. ए]

मग्न मिह, शार गचिव

ग्राम भिरका में अजित किए गए लाट
504 (भाग), 505 (भाग), 506 (भाग), 507 (भाग), 511 (भाग), 512 (भाग) 513, 514 515 (भाग) 517 से 520, 521 (भाग), 522 से 547, 548, 549 (भाग), 554 (भाग), 555, 556 (भाग), 557 से 565, 566 (भाग), 567 (भाग), 963 (भाग), 977 (भाग), 978 (भाग), 979 (भाग), 980 से 995, 996 (भाग), 997 (भाग), 998 (भाग), 999 (भाग), 1000 से 1009, 1023, 1029 और 1030.

संसाधन

क-द्व
रेखा लाट सं. 567 और 375 की भागत समिलित सं.मा के साथ साथ जाती है, तब लाट सं. 567, 504, 505, 506, 507, 521, 512, 515, 511 और ग्राम भिरका में लाट सं. 310 की पूर्वी सीमा गे छोड़कर जाती है और बिल्ड "g" पर मिलती है।

S.O. 1483.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Emergency (Department of Coal) No. S.O. 2117 dated the 20th May, 1986, published in the Gazette of India, Part II, section 3, Sub-section (ii), dated the 31st May, 1986, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands measuring 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Government of Bihar has been consulted; And whereas that competent authority in pursuance of section 8 of the said Act, has made this report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid is satisfied that the lands measuring

122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto, should be acquired.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1. Council House Street, Calcutta or in the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section) Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

SIRKA EXTN. V

South Karanpura Coalfield, Distt. Hazaribagh (Bihar)

(Showing lands acquired)

All Rights

Serial Number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Sirka	Mandy	136	Hazaribagh	122.00	Part
Total		Area : 122.00 acres (approximately) or 49.37 hectares (approximately)				

Plot numbers acquired in village Sirka : 504(Part), 505 (Part), 506(Part), 507(Part), 511(Part), 512(Part), 513, 514, 515(Part), 517 to 520, 521(Part), 522 to 547, 548, 549(Part), 554(Part), 555, 556(Part), 557 to 565, 566(Part), 567(Part), 963(Part), 977(Part), 978(Part), 979(Part), 980 to 995, 996 (Part), 997(Part), 998(Part), 999(Part), 1000 to 1009, 1028, 1029 and 1030.

Boundary description :

A-B line passes along the part common boundary of plot numbers 567 & 575, then through plot numbers 567, 504, 505, 506, 507, 521, 512, 515, 511 and eastern boundary of plot number 510 in village Sirka and meets at point 'B'.

B-C line passes along the Part northern boundary of River Damodar in village Sirka and meets at point 'C'.

C-D line passes along the western boundary of the River Damodar in village Sirka and meets at point 'D'.

D-A line passes through plot numbers 977, 978, 979, 978, 996, 997, 999, 998, 963, 549, 556, 554, 566, 567, in village Sirka (along lease boundary of Sirka colliery and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/19/85-CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

का.आ. 1484.—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का अधिनियम 9) की आरा 82-वीं द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 15-3-1987 को अरियालूर तथा सिल्लाकड़ी स्टेशनों के बीच मरुदग्नीर पुल पर गाड़ी संख्या 177 मद्रास एग्नोर-तिरुचिरापल्ली राक फोर्ट एक्सप्रेस गाड़ी को टुर्बटना से उत्पन्न सभी दावों का निपटान करने के लिए एतदद्वारा श्री के. सम्पत्कुमारन, ब्रम्भ जिला जज, सेलम को तदर्थे दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है। उनका मुख्यालय तिरुचिरापल्ली में होगा।

[सं. 87/ई (ओ.)II/1/2]

एस.एम. वैश, सचिव,

रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 21st May, 1987

S.O. 1484.—In exercise of the powers conferred by section 82B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890) the Central Government hereby appoints Shri K. Sampathakumaran, Principal District Judge, Salem as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of accident to train No. 177 Madras Egnore-Tiruchirappalli Rock Fort Express between Ariyalur and Sillakudi stations over the Matrudaiyar Bridge on 15-3-1987. His Headquarters will be at Tiruchirappalli.

[No. 87/E(O)II/1/2]

S. M. VAISH, Secy., Railway Board

सूरत टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली

(दूर संचार नियमग)

(दूरसंचार बोर्ड)

नई विल्ली, 2 जून, 1987

का. आ. 1485:—जैसा कि सूरत टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में सुधार करने के लिए एक सार्वजनिक नोटिस इंडियन टेलीफोन नियमाली, 1951 के नियम 434 (III) (2 सी) के अनुसार सूरत में प्रचालित अखबारों में, उन सभी लोगों से जिन पर इसका प्रभाव पड़ेगा, उनसे समाचार पत्रों में इसके प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर आपत्तियां और सुशाव भांगने के लिए प्रकाशित किया गया।

यह नोटिस दिनांक 21-6-1986 को "गुजरात मित्र" में, दिनांक 22-6-1986 को गुजरात समाचार में और 23-6-1986 को इंडियन एक्सप्रेस में तथा 27-6-1986 को टाइम्स ऑफ इंडिया में जनता को उपलब्ध कराया गया।

इस नोटिस के उत्तर में जो आपत्तियां और सुशाव जनता से प्राप्त हुए, उन पर केन्द्रीय सरकार ने विचार किया है।

इसलिए अब महानिदेशक दूरसंचार उपर्युक्त नियमाली के नियम 434 (III) (2 सी) द्वारा दी गयी आपत्तियों का प्रयोग करने के लिए घोषित करते हैं कि दिनांक 16-6-1987 से सूरत का संशोधित स्थानीय क्षेत्र निम्नानुसार होगा:—

सूरत टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली:—

सूरत (टेलीफोन प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र का विस्तार सूरत म्यूनिसिपल कारपोरेशन तक जो गुजरात सरकार के दिनांक 15-3-1986 की अधिसूचना सं. के. बी.-81-86 प्र. एम. सी-6681—4224—पी के अनुसार अधिसूचित है, तक होगा। परन्तु जो टेलीफोन उपभोक्ता सूरत म्यूनिसिपल कारपोरेशन क्षेत्र के बाहर रहते हैं और सूरत टेलीफोन प्रणाली के अंतर्गत हैं, वह स्थानीय किराया भदा करना तब तक जारी रखेंगे जब तक वह इस प्रणाली के किसी एक्सचेंज के 5 किलोमीटर के अंदर है, और इस से ही सम्बद्ध रहेंगे।

[सं. 3-6/86-पी. एच.बी.]

प्रवीप कुमार, नियेशक फीस (ई)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(Department of Telecommunications)
(Telecommunications Board)
New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1485.—Whereas a public notice for revising the focal area of Surat Telephone Exchange System was published as required by rule 434 (III) (2c) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Surat, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers:

And whereas, the said notice was made available to the public on 21-6-1986 in 'Gujarat Mitra', 22-6-1986 in 'Gujarat Samachar', 23-6-1986 in 'Indian Express' and 27-6-86 'Times of India', newspapers;

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434 (III) (2c) of the said Rules, the Director General, Telecommunications hereby declares that with effect from 16-6-1987 the revised local area of Surat shall be as under;

353 GI/87-6

Surat Telephone Exchange System.—The local area of Surat Telephone system shall cover the area falling under the jurisdiction of Surat Municipal Corporation as notified vide Government of Gujarat Notification No. KV-81-86-SMC-6681-4224-P dated 15-3-1986;

Provided that the telephone subscribers located outside Surat Municipal Corporation limits but who are served from Surat Telephone system shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 Kms of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-6/86-PHB]

PRADEEP KUMAR, Director Phones(E)

नई विल्ली, 5 जून, 1987

का. आ. 1486:—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के अंतर्गत III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने विल्लुरेपुण्डी टेलीफोन क्षेत्र, तमिलनाडु संकिल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-1/87-पी. एच.बी.]

New Delhi, the 5th June, 1987

S.O. 1486.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Thiruthuraippundi Telephone Exchange, Tamil Nadu.

[No. 5-1/87-PHB]

का. आ. 1487:—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के अंतर्गत III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने वाडाशेरिकरा तथा राशीपेट्टाड टेलीफोन क्षेत्रों, केरल संकिल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-2/87-पी. एच.बी.]

S.O. 1487.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-1987 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Vadasserikkara and Ranni Perinad Telephone Exchange in Kerala Telecom. Circle.

[No. 5-2/87-PHB]

का. आ. 1488:—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम 1951 के नियम 434 के अंतर्गत III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने मुजानगढ़ टेलीफोन क्षेत्र, राज्या संकिल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/87-पी. एच.बी.]

S.O. 1488.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Sujangarh Telephone Exchange, Rajasthan Circle.

[No. 5-6/87-PHB]

का. भा. 1489 :—स्थायी प्रादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किया गए भारतीय टाइ नियम 1951 के नियम 431 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानियेशक, ब्रह्मसंचार विभाग ने येला टेलीफोन केंद्र महाराष्ट्र सर्किल, में दिनांक 19-6-87 से प्रमाणित वर प्रणाली पागू करने का नियम किया है।

[संख्या 5-9/87-पी एच बी]

[पी.आर. कालरा, सहायक महा. नियेशक (पी.एच.बी.)]

S.O. 1489.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 19-6-87 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Yeola Telephone Exchange, Maharashtra Telecom. Circle.

[No. 5-9/87-PHB]

P. R. KARRA, Asstt. Director General(PHB)

भ्रम भंगालय

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1987

का. भा. 1490 :—उत्प्रवास प्रधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय दूतावास, अमृताबी में अताशे श्री वीरेन्द्र सिंह को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उन नियोजकों, जो उस वेश में जैजगार के लिये किसी भारतीय नागरिक की मर्ती के प्रयोजनार्थ भारतीय नागरिक नहीं हैं, को परमिट जारी करने के लिये प्राप्तिहक्क करते हैं।

[संख्या ए-22020/1/86-उत्प्रवास-II]

अशोक गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th May, 1987

S.O. 1490.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri Virendra Singh, Attaché in the Embassy of India, Abu Dhabi to exercise the powers of competent authority and to issue permits to employers who are not citizens of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[File No. A-22020/1/86-Emig.II]

ASOK GUPTA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1987

का. भा. 1491 :—धौधोगिक विशाव प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ट्रेवनकोर टिट्रेनियम प्रोसेसस लिए, निवेदन के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मसुकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट धौधोगिक विशाव में धौधोगिक प्रधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15-5-87 की प्राप्त दृष्टा था।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1491.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FIZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Tuesday, the 5th day of May, 1987.

Industrial Dispute No. 28 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1987 between the workman and the Management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum.)

BETWEEN

Thiru T. Andrew Pereira, Thyvilakam House, Vettuvan, Trivandrum.

AND

The Managing Director, Travancore Titanium Products Limited, Kochuveli, Post Box-1, Trivandrum-695021.

REFERENCE :

Order No. L. 29012(50)/84-D.III(B), dated 26-4-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute after restoration, coming on for final hearing on Thursday, the 16th day of April, 1987 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru B. S. Gnanadesikan, Advocate appearing for the workman and of Thiru B. S. Krishnan, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-29012(50)/84-D.III(B), dated 26-4-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the management of Travancore Titanium Products Limited, Trivandrum was justified in removing Shri T. Andrew Pereira, Security Guard from service with effect from 13-10-1980 ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

(2) In the claim statement, it is stated that the workman Thiru T. Andrew Pereira was a Security Guard in the services of the Travancore Titanium Products Limited. He was issued with a charge Memo dated 12-6-1980 for being absent from the post of duty during the 3rd shift on 29-5-1980. The Petitioner-workman had submitted a written explanation to the charge memo issued to him. Subsequently, an enquiry was conducted. The workman was not given adequate opportunity to defend himself in the enquiry. By an order dated 13-10-1980, the Petitioner was dismissed from service. In the appeal filed to the Managing Director, the order of dismissal was modified to one of removal. It is stated that the punishment imposed was without any proper enquiry and in violation of principles of natural justice and contrary to the provisions of industrial law. Hence the order of dismissal cannot be sustained. The Petitioner was not given an opportunity of making any representation against the penalty proposed which is in contravention of Clause 14(vi)(c) of the Standing Orders. Hence it is prayed that an award may be passed setting aside the order of dismissal/removal from service and directing reinstatement with back wages and other attendant benefits.

(3) In the counter statement filed by the Management, the allegations made in the claim statement are denied. It is submitted that explanation submitted by the Petitioner was not satisfactory and an enquiry was conducted on the

charges levelled against him. In the enquiry held, the workman had fully participated and pleaded guilty to the charge levelled and tried to explain the extenuating circumstances under which he had committed misconduct. His explanation that his wife had visited the factory in a car with his sick child on the date of the incident and he had accompanied them to the hospital had not been proved. The Enquiry Officer had acted on the admission of guilt made before him. Hence there was no necessity to examine any witnesses. The workman was given full opportunity to defend himself. The Standing Orders existing at that time did not require issue of a Second Show Cause Notice. On the findings of the Enquiry Officer, the workman was dismissed from service and in appeal, punishment was modified into one of removal from service. The gravity of misconduct and past service of record of the concerned workman justify the punishment imposed on him.

(4) In the additional counter filed by the Management, a plea had been taken that Section 11-A of the Industrial Disputes Act cannot be invoked as the Appellate Authority had modified the punishment of dismissal into one of removal. Hence the claim of the workman has to be rejected and award passed accordingly.

(5) No oral evidence was adduced on either side. Exs. W-1 and W-2 were marked on behalf of the workman and Exs. M-1 to M-11 relied upon by the Management.

(6) The point for consideration is as follows :

Whether the management of Travancore Titanium Products Ltd, Trivandrum was justified in removing Shri T. Andrew Pereira, Security Guard from service with effect from 13-10-80 ? If not, to what relief the workman is entitled ?

(7) At the outset, it may be pointed that the learned counsel for the Petitioner-workman did not challenge the validity of the enquiry on the ground of violation of principles of natural justice or contravention of the relevant Standing Orders or on any other ground. The learned counsel for the Petitioner had made an endorsement that he was restricting his argument to the scope of Section 11-A of the Industrial Disputes Act. It is now well settled that under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, the Tribunal is at liberty to consider not only whether the findings of the misconduct recorded by the employer is correct and justified but also to satisfy itself independently regarding, the misconduct committed, the punishment imposed and the relief to be granted to the concerned workman on the basis of materials on record and reappraisal of the evidence. The plea taken on behalf of the Respondent-Management that under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, the Tribunal in the instant case is totally untenable. It is not disputed that the Petitioner was issued with a charge memo and on the basis of the above charge, an enquiry was conducted and later by way of penalty he was dismissed from service. The fact that this dismissal was modified into one of removal cannot exclude the jurisdiction of this Tribunal under Section 11-A of the Industrial Disputes Act to grant appropriate relief. In this context, it has to be pointed out that Section 11-A can be invoked wherever there is an order of discharge or dismissal passed by way of punitive action on a charge of misconduct. The mere fact that the Appellate Authority had thought fit to modify the order of dismissal and termed it as removal cannot exclude the court from exercising the powers under Section 11-A as it could still amount to discharge or dismissal of a workman as contemplated by Section 11-A of the Act.

(8) The learned counsel for the Petitioner confined his argument to the sole question of punishment imposed being disproportionate to the gravity of the misconduct committed by the employee. Ex. M-2 was the charge memo issued to the Petitioner dated 12-6-1980. According to Ex. M-2, it was alleged that while the Petitioner was on duty in the third shift (from 21.30 hours to 05.30 hours) on 29-5-1980 at the Veli Pump house about 00.45 hours Shri A. J. Fernandez, the Head Security Guard found him absent from post of duty without permission and that he thereby

committed misconduct under the Standing Orders as narrated in the charge memo Ex. M-2. Ex. M-3 was the explanation tendered by the Petitioner to the charge memo issued to him. The Petitioner had stated in his explanation that on the night of the incident, he was on duty from 21-30 hours. About 00.35 hours on 29-5-1980, his wife along with his 5 year old son who was seriously ill had come in a car to his duty spot. As there was no other person to help him he was constrained to go with them to admit his child in the Subrabha Hospital, Vettukad and then he returned to the Pump House in the same car and was back on duty at 01.10 hours. He further stated that when he gave charge to his reliever Thiru S. Henry about 05.30 A.M. he had reported to him the above facts. Ex. M-7 are the Enquiry Proceedings and Ex. M-8 the Enquiry Report. Ex. M-7 would disclose that the Petitioner had accepted the charge before the Enquiry Officer and given a oral statement reiterating what he had mentioned in the explanation offered to the charge memo. The Enquiry Officer as disclosed by the Report Ex. M-8 had acted upon and accepted the plea of guilt made by the Petitioner. The relevant paragraph in the Report is hereby extracted :

"At the outset the chargesheet dated 12-6-1980 was read out and Shri Andrew Pereira was asked to state as to whether he admits the charges. He pleaded guilty of the charges and added that it is a fact that he was absent at the post of duty at the time when the Read Security Guard made a surprise inspection. He also stated that his wife and the sick child came to his duty spot and so he was forced to take them to the Hospital urgently. He pleaded that he may be excused considering the situation under which he was forced to leave the workspot. I do not find any reason to believe his excuses for his absence in the post of duty. Moreover he has not substantiated his version by any evidence. On the basis of the above I find him guilty of the misconduct under the following Standing Orders applicable to him.

1. 21(1)A(a)—Unauthorised absence from post of duty.
2. 21(1)C(d)—Violation of instructions or rules framed by the Management or Company for the conduct of work.
3. 21(1)F(1)—Acting against the interests of the Company.
4. 21(1)F(c)—Habitual offences of any kind in Clauses (A) to (E) above.
5. 21(1)F(s)—Any offence under clauses (A) to (E) which is of a gross nature"

Copy of the relevant Standing Orders had been marked as Ex. M-1. On the basis of the findings of the Enquiry Officer, the Punishing Authority as disclosed by Ex. M-9 imposed the punishment of dismissal from service. The learned counsel for the Petitioner has rightly urged that the Enquiry Officer had while accepting the plea of guilt made by the Petitioner without any justification eschewed the circumstances under which he had deserted the workspot on the date of the incident. The Petitioner had specifically stated before the Enquiry Officer and in his earlier explanation that on the night in question he had to admit his child in the hospital and was therefore absent from duty for about 45 minutes from 00.35 hours to 01.10 hours. According to the charge memo issued to him he was found absent from duty detected by the Road Security Guard about 00.45 hours at his duty spot. No oral or documentary evidence has been adduced in the enquiry on behalf of the Management and as such there is no evidence apart from what the Petitioner had admitted before the Enquiry Officer regarding his absence from duty for about 45 minutes and the circumstances which had compelled him to go away from his workspot. The Enquiry Officer had summarily brushed aside the version put forward by the Petitioner, but had thought fit to accept his plea of guilt devoid of the explanation given by him for his absence. In other words he had accepted the incriminatory portion and excluded the exculpatory part of the statement made by the Petitioner. The approach of the Enquiry Officer is manifestly perverse. If he was not satisfied with the explanation offered by the Petitioner while

pleading guilty to the charge issued he should have called upon the Management to adduce evidence to conclusively establish the charge levelled against the Petitioner. Without resorting to such a course it would not be open to the Enquiry Officer to discard the explanation rendered by the Petitioner but at the same time hold him guilty of the charge on the basis of his admission. In the circumstances, in the absence of any other evidence, I have no reason to disbelieve the explanation offered by the workman for his absence from duty for about 45 minutes on the date of the incident.

(9) The next question that has to be considered is whether this misconduct would justify the stringent punishment of dismissal or removal from service. In this context, the learned counsel for the Management has drawn attention to the fact that the Punishing Authority as disclosed by Ex. M-9 had taken his past record of service into account in imposing the present punishment of termination from service. It has to be noted that Ex. M-9 discloses that the Petitioner had been punished with stoppage of increments on two prior occasions. However, this by itself would not justify imposition of the punishment of dismissal especially when the misconduct committed by the Petitioner which has lead to the dismissal cannot be construed as sufficiently grave in the circumstances of the case. As already adverted to, the plea of guilt made by the Petitioner to the charge issued to him has to be read along with the explanation submitted by him and the circumstances which compelled him to go away from the worksite on the night of the incident complained of.

(10) Taking the totality of the circumstances, in my view, the punishment of dismissal/removal is too harsh and disproportionate to the gravity of the misconduct committed by the Petitioner. Accordingly, the order of dismissal Ex. M-9 dated 13-10-1980 as confirmed in Appeal set aside and the Petitioner is directed to be reinstated in service without back wages from 1-7-1987. The period of absence is to be treated as leave without pay and the Petitioner would be entitled to continuity of service. It is further made clear that in case the Petitioner is not reinstated as directed from 1-7-1987 he would be entitled to claim full wages from the said date till the date of reinstatement. The Petitioner would not be entitled to any other relief. Award passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, the 5th day of May, 1987.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman

Ex. W-1|5-1-81—True copy of the Order PL/A/Dis. 1/80, of the Personal Adviser issued to the Petitioner.

Ex. W-2|15-7-83—True copy of the Order LR(2)2169] 83 of the District Labour Officer issued to the petitioner.

For Management

Ex. M-1—Copy of the Standing Orders of the Management.

Ex. M-2|12-6-80—Zerox copy of the Show Cause Notice issued to the Petitioner.

M-3|21-6-80—Reply given by the Petitioner to the Management. (Zerox copy)

Ex. M-4|15-10-80—Zerox copy of the appeal petition submitted by the Petitioner to the Managing Director

Ex. M-5|5-1-81—Order on the Appeal Petition modifying the punishment of the dismissal to that of discharge.

Ex. M-6|14-2-69—Zerox copy of the delegation of powers of the Company.

Ex. M-7—Copy of (translated copy) of the Enquiry Proceedings.

Ex. M-8—Zerox copy of the Enquiry Findings.

Ex. M-9|13-10-80—Dismissal order issued to the Petitioner. (Zerox copy).

Ex. M-10—Zerox copy of the record of previous punishment.

Ex. M-11|13-2-75—Zerox copy of the order of Managing Director regarding the powers of Head of Department.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L-29012/50/84-D III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

तह दिल्ली, 27 मई, 1987

का. आ. 1492,—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की द्वारा 17 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार, पुलिकुन्द्रम कार्यालय में सर्व तमिलनाडु मिनरल्स निमिटेड, मद्रास के प्रबन्धत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निर्विवाद श्रीधोगिक विवाद में श्रीधोगिक प्रधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करते हैं, जो केंद्रीय सरकार की 15-5-87 की प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O 1492.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pulikundram Quarry of M/s. Tamilnadu Minerals Limited Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L.,
PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU,
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 11th day of March, 1987

Industrial Dispute No. 29 of 1984

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Tamilnadu Minerals Limited Madras-5).

BETWEEN.

The workmen represented by

The Secretary,

Tamilnadu Minerals Quarry Workers Union (Pulikundram (Branch) Pulikundram Colony, Chengalpattu District, Tamilnadu, Pin : 603109.

AND

The Chairman and Managing Director,
M/s. Tamilnadu Minerals Limited,
Ground Floor, TWAD Board Building,
Chennai, Madras-600005.

Reference : Order No. L-29011|30|82-D.III(B)|D.II(B),
dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and
Rehabilitation, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvelargal V. Santhanam and V. Seshaiyan, Advocates appearing for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the workmen being absent, the Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workmen and the Management of Tamil Nadu Minerals Limited, Madras-5 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-29011/30/82-D.III(B)/D.II(B), dated 3-4-1984 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, for adjudication of the following issue :

"Whether the demand for revision of wage rates of unskilled and semi-skilled workers employee in Pulkundram Quarry of M/s. Tamilnadu Minerals Ltd. to bring them at par with those employed in Perianagalur Mine of the same employers is justified ? If so, to what relief and from what date the workers are entitled."

(2) Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

(3) Petitioner-Union filed its claim statement on 7-6-1984 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof the Management filed their counter statement on 1-9-1984.

(4) After several adjournments, when the dispute was called today, Petitioner-Union was absent and not represented. The Management was represented by counsel and ready for enquiry. Hence Industrial Disputes is dismissed for default. Award passed accordingly. No costs.

Dated, this 11 day of March, 1987.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal
[No. L-29011/30/82-D.III(B)]
V. K. SHARMA, Desk Officer
नई दिल्ली, 26 मई, 1987

का.आ. 1493.—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय मरकार, पंजाब नेशनल बैंक के प्रबन्धतातंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक प्रधिकरण तमिलनाडु के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय मरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1493.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B.L. PRESIDENT OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Thursday, the 7th day of May, 1987

Industrial Dispute No. 23 of 1986

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras-6).

BETWEEN

The workmen represented by
The General Secretary,
Punjab National Bank Staff Association,
C/o Punjab National Bank, Mint Street,
Madras-600079.

AND

The Regional Manager,
Punjab National Bank, Regional Office,
160, Greams Road, Madras-600006.

Reference : Order No. L-12011(17)/85-D.IV(A), dated 21-3-1986 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and both the parties being absent and a memo having been received from the Petitioner Union and recording the same, the Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute between the workmen and the Management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras-6 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12011(17)/85-D.IV(A), dated 21-3-1986 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Regional Office, Madras in denying the promotion of 2 Special Assistant's Posts that have arisen in the year 1984 to the employees in the priority list prepared as on 1-1-1984 is justified ? If not, to what relief the workmen are entitled ?"

(2) Parties were served with summons.

(3) Petitioner-Union filed its claim statement on 2-6-1986 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof the Management filed their counter statement on 7-11-1986.

(4) On 30-4-1987, a memo was filed by the Secretary of the Petitioner Union stating that he is not pressing claim in the dispute.

(5) Today, when the dispute was called, both the Petitioner and Respondent were absent and not represented. In view of the memo filed by the Secretary of the Petitioner Union on 30-4-1987, this dispute stands dismissed as not pressed. Memo is recorded. Award passed accordingly. No costs.

Dated, this 7th day of May, 1987.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal
[No. L-12011/17/85-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

आदेश

का.आ. 1494.—भारतीय जीवन बीमा नियम के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच श्रीधोगिक विवाद को राष्ट्रीय श्रीधोगिक प्रधिकरण, जिसका मुकाबला बम्बई में है, को न्याय निर्णय हेतु निर्दिष्ट किया गया था और उसका पंचाट भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (2) में विवाक 7 जून, 1986 को का.आ. 2225 के रूप में प्रकाशित किया गया था।

और केन्द्रीय मरकार की गये में इससे उपबद्ध प्रत्यक्षी में विनिर्दिष्ट प्रकाश के बारे में उक्त पंचाट के निवेदन के बारे में कठिनाइयाँ उत्पन्न हुई हैं।

और भेदभावी सरकार की राय है कि उक्त प्रश्न का निर्णय राष्ट्रीय प्रौद्योगिक अधिकरण द्वारा किया जाएँ।
अतः अब केन्द्रीय सरकार।

(i) श्रीधीय विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-था द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, एक राष्ट्रीय प्रौद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और न्यायालय एम.एस. अमदाबाद को इसका पोठातीन अधिकारी नियुक्त करती है; और

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 36-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रश्न को उक्त राष्ट्रीय प्रौद्योगिक अधिकरण को निर्णय के लिए निर्देशित करती है;

उक्त राष्ट्रीय प्रौद्योगिक अधिकरण उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप धारा (2) के प्रत्युत्तर उक्त प्रश्न में नीन महोनों का अवधि के अन्दर प्राप्त पंचाट देगा।

अनुमति

“क्या विवाद 17-4-1986 के पंचाट, पैरामाक 41, 45, 46, 48, 49, 51, 52, 54, 55, 56, 57, 60, 64 और 66 के विवेष संदर्भ में भी उक्त विवाद 14-3-1986 के प्रत्युत्तर आवेदन की इस प्रथे में कानून का जा सकता है कि भारतीय जीवन बोना नियम के केन्द्रीय कार्यालय को पंचाट के विवेषों को लागू करने हेतु इस संबन्ध में जारी भावने परियक में यथा निर्विष्ट अनुदेशों विशानिवेशों को जारी करने का अधिकार है। यदि नहीं, तो इस मामले को परिस्थितियों में उक्त पैरामाक के अन्वर्गत आमं वाले विभिन्न निर्देशकों को सही अपेक्षा क्या हो सकता है? क्या पंचाट में विभिन्न स्थानों पर निर्विष्ट “समाजेशन” का प्रथे “भर्ती” लिया जा सकता है।

[सं. एस-17011/2/83-डी 4 (ए)]
के. जे. देव प्रसाद, डैस्क अधिकारी

New, Delhi, the 1st June, 1987

ORDER

S.O. 1494.—Whereas an industrial dispute between the employers in relation to the management of the Life Insurance Corporation of India and their workmen was referred for adjudication to the National Industrial Tribunal with its Headquarters at Bombay and its award was published in Part II, section 3 sub-section (ii) of the Gazette of India dated 7th June, 1986 as S.O. 2225;

And whereas in the opinion of the Central Government difficulties have arisen as to the interpretation of the said award in respect of the question specified in the schedule hereinafter annexed;

that the said question be decided by a National Industrial Tribunal;

Now therefore, the Central Government

(i) in exercise of powers conferred by section 7-B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Justice M. S. Jamdar as its Presiding Officer; and

(ii) in exercise of the powers conferred by section 36-A of the said Act hereby refers the said question to the said National Industrial Tribunal for a decision;

The said National Industrial Tribunal shall submit its award in the said question within a period of three months in accordance with sub-section (2A) of section 10 of the said Act.

THE SCHEDULE

“Can the Award dated 17-4-1986 with special reference to paragraphs 44, 45, 46, 48, 49, 51, 52, 54, 55, 56, 57, 60, 64 and 66 and the interim order dated 14-3-1986 be interpreted to mean that the control office of the Life Insurance Corporation of India is empowered to issue instructions/guidelines as contained in their circulars issued in this behalf to implement the directions of the Award. If not, what could be the correct interpretation of various directions covered by the said paragraphs in the circumstances of the case? Whether the term ‘absorption’ referred to at various places in the award can be interpreted to mean ‘recruitment’?

[No. L-17011/2/83-D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

दिल्ली, 26 मई, 1987

का. धा. 1495 —केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. धा. 3281 तारीख 25 जून, 1985 के अनुसार मेसर्स हैंडी काप्टेंड एंड हैंडलूम एक्सेपोर्ट कारपोरेशन आफ हैंडिंग विमिटेड नई विस्ती के (1) शेष सं. 2 से 5 से. 11 तीव्रा, उ.प्र भीर (ii) सुधारन विस्तिंग 14 ब्लॉक रोड, भद्राम-14, गिर हैंडस्ट्रीयल कम्प्लेक्स मद्रास, स्थित कारखाना सहित स्थित एकांकों के नियमित कर्मचारियों की उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 अक्टूबर, 1985 से 30 सितम्बर, 1987 तक को अवधि के लिये यह तारीख भी सम्मिलित है।

उक्त छूट निम्नसिद्धित शर्तों के प्रधीन है, प्रथमः—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रजिस्ट्रेशन, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पश्चिमान वर्णित किए जाएंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के प्रधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस प्रधिसूचना द्वारा वीर्य छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अधिकारियों के आधार पर छूटवार हो जाते;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही संदत्त किए जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;

(4) उक्त कारखाने का नियोगिक उस अवधि की बाबत जिसके द्वारा उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके प्रवर्त्त उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रॅस्प में भी ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के प्रधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं;

(5) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (i) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस नियम प्राप्तिकृत नियम का कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 44 की उपधारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत वीर्य किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या

(ii) यह अभिनिविषत करने के प्रयोजनों के लिए, कि कर्मचारी राज्य बीमा (असाधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उपन अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रयुक्तियां थीं, जो ऐसी प्रमुखियाएं (जिनके प्रतिकलनस्थल इन अधिकारियों के अधीन छूट दी जा रही हैं, नकद और वस्तुओं में पाने का द्रक्ष्याग बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अधिकारी के द्वारा उन कारबाहों के स्वतंत्र में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त हो, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए संशब्द होगा—

(क) प्रधान नियोजक या अध्यवक्तिन नियोजक में यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह प्रावधारक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अध्यवक्तिन नियोजक के अधिकारियों में को कारबाहों, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारमाधारक अधिकारी से यह अपेक्षा करना कि वह अधिकारियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखावहियां प्राप्त अन्य वस्तुओं, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समझ प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने के या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह प्रावधारक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अध्यवक्तिन नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी अधिकारी की जो ऐसे कारबाहों स्थान, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी अधिकारी की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का मुकिलयक्त कारण है जो वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारबाहों, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रहे गए किसी रजिस्टर लेखावहियां या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[मं. एन-38014/84/86-एस.एम.-I]

स्पष्टीकरण ज्ञापन

इस मामले में छूट को भूतकालीन प्रभाव देना प्रावधारक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन-पत्र देने से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतकालीन प्रभाव से किसी भी अधिकत तरीके पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 26th May, 1987

S.O. 1495.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 3281 dated 25-6-1985, the Central Government hereby exempts the regular employees of the units of M/s. Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd., New Delhi located at (i) Shed No. 2 to 5, sector II A Noida (UP) and (ii) Sudarshan Building 14, White Road, Madras (with factory at Guindy Industrial Complex, Madras) from the operation of the said Act for a period with effect from 1st October, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/84/86-SS-II]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. या. 1496.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी रात्रि बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के माध्यम से धारा 88द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैसर्से भारत हैवी प्लेट एंड वेसल्स लिमिटेड, विश्वामित्रनम के नियमित कर्मचारियों को, उक्त अधिनियम के प्रवृत्तन से 1 जुलाई, 1985 से 30 सितम्बर, 1987 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, कि और अवधि के लिए छूट देनी है।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान विवर किए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखियाएँ प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदर्भ अधिकारों के आधार पर हकदार हो जाने;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई प्रमियादाय पहले ही संदर्भ किए, जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएँ;
- (4) उक्त कारखाने की नियोजक उस प्रवृत्ति को बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रक्रिया में और ऐसी विधिविट्ठियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं;
- (5) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई नियोजक या इस नियमित प्राधिकार कहने का लिए, कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विधिविट्ठियों को सम्पादित करने के प्रयोजनों के लिए; या
- (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए, कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए, कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दी गई उन प्रमुखियाओं को, जो ऐसी प्रमुखियाएँ हैं, जिनके प्रतिकालस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है नकद और बस्तु रूप में पाने का हकदार बना सकता है या नहीं; या
- (iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए, कि उम्मीदवाले के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त हो, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सकूल होगा—

- (क) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक के अधिकारों में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में किसी भी उचित समय पर प्रयोग करना और उसके भारतीय अधिकारों से यह अपेक्षा करना कि वह अधिकारों के नियोजन और मजदूरी के संदर्भ में संबंधित ऐसी नेतृत्वहितों और अन्य वस्ताविजें, तोमे निरंकृक या अन्य पवधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अध्यक्षित नियोजक की, उसके अधिकारों या सेवक की या ऐसे किसी अधिकारी की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में पाया जाए, या ऐसे किसी अधिकारी की जिसके बारे में उक्त नियोजक या अन्य पदधारी के पास यह विषयास करने का यूक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में ऐसे योगी रजिस्टर, लेबलही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उसमें उद्धरण देना।

[मं प्रम-38011/27/86 ए.स.प्रम.-I]

स्पष्टीकरण

इस मामले में छूट को भूतलकी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन संबंधी प्रक्रिया में समय लग गया था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलकी प्रभाव देने से किसी अधिक के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1496.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby exempts the regular employees of the Bharat Heavy Plates and Vessels Limited, Visakhapatnam from the operation of the said Act for a period with effect from 1st July, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/22/86-SS 1]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

का द्वा 1497—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 91क के माध्यम से धारा 88 द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए मैमर्स बेनेट इन्स्टीट्यूशन्स लिमिटेड, माहिदोबाद के जो विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग के अधीन एक सोलायर उपकरण है, नियमनि कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से प्रवर्भुता होनी अनुमति, 1985 से 30 मिस्राचार, 1987 तक की जिसमें यह नारीकों से सम्बन्धित है की अवधि के बिंदु छूट देती है।

उक्त छूट नियमनियत शर्तों के अधीन है, अर्थात्—

- पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और प्राप्तिशानक वर्णन किया जाएगे;
- इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखियाएँ प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा वीर्ग छूट के प्रवत्त द्वारा को नारीकों से राख भेदभाव अधिकारों के प्राप्तार्थ पर लक्षात्मक हो जाते;
- छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिकारी पहले ही मौजूद किया जा चुके हैं तो वे बापम नहीं किए जाएंगे;
- उक्त कारखाने का नियोजित उम अवधि को बोल्ड जिसके द्वारा उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके प्राप्तार्थ उक्त अवधि कहा गया है), ऐसे विवरणियों गेसे प्रश्न में और ऐसी विवरणियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बोर्ड (साक्षात्कार) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देता थी;

(v) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उम्मीदा (1) के अधीन नियमनियत किया गया कोई निरीक्षक या इस नियम अधिनियत नियम द्वारा कोई अल्प पदधारी, आदि

- धारा 44 की उम्मीदा (i) के अधीन उक्त अवधि की दावत दो गई किसी विवरणी के विवरणियों की सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या
- यह अधिनियत करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी गज्ज वं मा (साक्षात्कार) विनियम, 1950 द्वारा यथा नियमन रजिस्टर और अधिनियत उक्त अवधि के लिए गये गए थे या नहीं, या
- यह अधिनियत करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी आर, नियोजक वाज दे गई उक्त प्रमुखियाओं को, जो ऐसा प्रयुक्तिवाला है जिनके प्रतिकालस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का लक्षात्मक बना हुआ है या नहीं, या
- यह अधिनियत करने के प्रयोजनों के लिए कि उम अवधि के दीर्घन तय उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किनी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

नियमनियत कार्य करने के लिए संरक्षित होगा—

- प्रधान नियोजक सा अव्यवहित नियोजक में यह अपेक्षा करता है यह उम ऐसा जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या
- ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिकारों में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारतीय व्यक्ति द्वारा यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के अंदर से संबंधित ऐसी विवाहियों और अन्य दस्तावेजों, ऐसे नियंत्रक द्वारा या अन्य पदधारी के नमस्क प्रस्तुत करे और उनके परोक्षा करने दे या वह उसे ऐसे जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या
- प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक का उसके अधिकारी द्वारा सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी अधिकारी की जिसके द्वारा मै उक्त नियंत्रक या अन्य पदधारी के पास यह विवाह करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परोक्षा करना; या
- ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, विवाहबाजार या अन्य इस्तावेज के नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं. प्रा-38014/23/86-प्रा. एम. एम.-I]

स्पष्टीकरण

इस भागमें मैं छूट को भूतलकों प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रभागित किया जाता है कि छूट को भूतलकों प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1497.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Central Electronics Limited, Sahibabad a public sector undertaking under the Department of Science and Technology, from the operation of the said Act for the period with effect from 1st July, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding his exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in such and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) requires the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/23/86-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

का. आ 1498—केंद्रीय गवाहार रजिस्टर बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91A के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सारल सरकार, थम में बोलाय की अधिसूचना सं. का. आ. 2955 तारीख 31 जुलाई, 1986 के क्रम में भारत सरकार के कृषि बोर्ड महकारी विभाग (कृषि और सहकारी विभाग) के अधीन एकोकृत मात्रायकी परियोजना, प्रतिकूलम के बारे एवं नियमित संयंत्र, कर्मचारी और शिवाय इन्स्टीट्यूशन्स को यन्माम अनुभाग और गियर अनुभाग के नियमित कार्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, प्रथम प्रकृत्यां, 1986 से 30 अक्टूबर, 1987 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की प्रीर अवधि के लिए इट देंगे हैं।

उक्त छूट नियमित शर्तों के अधीन है, अपार्ट :—

- (1) पूर्वोक्त कारबाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसने छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाधिकार वर्गित किए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी सुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की नारील से पूर्व संदर्भ अधिकारियों के आवार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त प्रवधि के लिए यदि कोई अधिकार पहले ही संक्त किए जा चुके हैं तो वे बापस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारबाने का नियोजक उम्म अवधि की बाबत अप्रत्यक्ष दौरान उस कारबाने पर उक्त अधिनियम बहुत था (जिसे इसमें इसके पन्नात उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रलाप में और ऐसी विशिष्टियों महिल देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) वित्तियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;
- (5) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई नियोजक या इस नियम प्राधिकृत नियम का कोई अन्य पदाधारी—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को संरक्षित करने के प्रयोजनों के लिए, या
 - (ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) वित्तियम, 1950 द्वारा यथा प्रोत्तिप्रति रजिस्टर और अधिकैद उक्त अवधि के लिए एक दो या नहीं, या;
 - (iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिकलनस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और बदल रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
 - (iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारबाने के संबंध में अधिनियम के उपर्यंत प्रवृत्त है, ऐसे किसी उपर्याहों का अनुसार किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिकारों में के कारबाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उनित समय पर प्रवेश करना और उसके भारतीय अधिकारों से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदर्भ से संबंधित रेसा लेखावहियों और अन्य दस्तावेजें, ऐसे नियोजक या अन्य पदवारी के समस्त प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या
- (ग) रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारबाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उन नियोजक या अन्य पदवारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारबाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं एस-38014/3/86-एस. एस. I]

स्पष्टीकरण

इस मामले में छूट को भूतलभी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है ज्योंकि छूट का आवेदन-पत्र दरी से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रभागित किया जाता है कि छूट को भूतलभी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1498.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2935 dated 31st July, 1986, the Central Government hereby exempts the regular employees of the Government hereinafter mentioned from the operation of the said Act for a period of one year with effect from 1st October, 1986 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) entry any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/3/86-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

आ. आ. 1499.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहुसंख्या इस दात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अधिष्ठा निधि और प्रक्रीये उद्दार्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त सम्बन्धित स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :—

1. मैसर्स ट्राल्सोट कार्पोरेशन, 18 नेता जी सुभाष रोड, प्रयाग नगर, कलकत्ता-1
2. मैसर्स ट्रिनिंग कार्पोरेशन, 115 नेता जी सुभाष रोड, कलकत्ता-1
3. मैसर्स प्लाई बोर्ड ब्रॉडबैंड, 1, शान्ति पथ, सन्तोषपुर कलकत्ता-75

4. मैसर्स पोबल होमियो रिसर्च लिंग्डी (बकरी और कार्यालय), मुमीन ज्योति एवेन्यू, राधिनदा पाली, पाबल हाउस, पीस्ट आफिया कलकत्ता-59
5. मैसर्स किम फार्मेंस एंड प्रोड्यूस बेस्ट बीनाजीमर, पीस्ट आफिया बुरखाट-101 जिला बेस्ट शीनापुर, प. बंगाल
6. मैसर्स कुन्वर एण्ड कम्पनी 82, कोलोला ग्र. स्ट्रीट कलकत्ता-73 और इसकी 47/1-A प्रांतम जिलाजी, यान रोड, कलकत्ता-39 स्थित फैक्ट्री।
7. मैसर्स फार्मिचर्स स्ट्रीट (आर. पी.) प्राइवेट लिमिटेड, 200 इच्छूप्र पास पी गुलजारी रोड, कलकत्ता-28 और हमकी डाक्टा, कलकत्ता-55 स्थित फैक्ट्री।
8. मैसर्स डालकोन ड्रानपोर्ट कार्यालय, 27 बेस्टन स्ट्रीट, (पांचवीं मंजिल) कलकत्ता-12 और इसकी केयर आफ एवं पी जी बोर्डिंग प्लाट, 10 सी दुग्धपुर जिला बरखान स्थित शाखा।
9. मैसर्स-हाइड्रोमेट्र मानिटिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता-17 और हमकी (1) बम्बई (2) दिल्ली (3) बंगलौर (4) मैनाम स्थित जार शाखाएँ।
10. मैसर्स कम्प्टन इन्डस्ट्रीजन लिमिटेड, 77/2A हाजरा रोड, (चन्द्रप्रीति) कलकत्ता-29 और हमका नदीरी इन्डस्ट्रीजन नेशन, 33-A, जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता-71 स्थित जार्यालय।
11. मैसर्स मीनालीमा पीस्ट आफिया, इयलवारी बीयाश, शिला जलपाईगुड़ी पं. बंगाल और इसका जलपाईगुड़ी स्थित मुख्य कार्यालय और दारजिलिंग स्थित रजिस्टर्ड फॉर्मलिय।
12. मैसर्स इस्ट्रोन (इंडिया) लिमिटेड, 14-15 ओल्ड कोट हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 और इसका इट्टस्ट्रीयल आर्डर सेन्ट कल्यानी नदीया पं. बंगाल स्थित प्रधान कार्यालय एवं फैक्ट्री।
13. मैसर्स स्वस्तीक लैमिनेटिंग इन्डस्ट्रीज 95/1/38 कोसीपुर रोड, कलकत्ता-2 और इसका 68 काठन स्ट्रीट कलकत्ता-7 स्थित फॉर्मलिय।
14. मैसर्स एस. के. अग्निहोत्री, 29 अग्नीरा चौधरी एवेन्यू, कलकत्ता-19 और इसकी 27, प्रशान्ता कुमार टैगोर स्ट्रीट कलकत्ता-6 स्थित शाखा।
15. मैसर्स इन्जिनियरिंग प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेम्टर ज्वेन रेन्नाथ-पुर, बी शाई पी रोड, पीस्ट आफिया जयनागर, जिला 24 पश्चिमा और इसका पी-3 संचरखा एवेन्यू, कलकत्ता-17 स्थित मुख्य कार्यालय।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा नियम की धारा 1, की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त माध्यनियम के उपर्युक्त स्थापनों को लागू करती है।

[संख्या एम-35017(2)/87-एस. एम-2]

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1499.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to their respective establishments, namely :—

1. M/s. Meera Transport Corporation, 18, Netaji Subhash Road, 1st Floor, Calcutta-1.
2. M/s. Binani Trading Corporation 115, Netaji Subhash Road, Calcutta-1.

3. M/s. Ply Board Products, 1, Santipath, Santoshpur, Calcutta-75.
4. M/s. Powell Homoea Research Laboratory (Works and Office) Calcutta-59, Sushil Jyoti Avenue, Rajendra Pally, Powell House Post Office Prafulla Kanan, Calcutta-59.
5. M/s. Fish Farmers' Development Agency, West Dinajpur Post Office Balurghat-101, District West Dinajpur.
6. M/s. Kunwar and Company, 82, Colletola Street Calcutta-73, including its factory at 47/1A, Ghulam Jilani Khan Road, Calcutta-39.
7. M/s. Friebs Streiss (R.P.) Private Limited, 200-W.S.P. Mukherjee Road, Calcutta-28, including its Factory at 107, Shyam Nagar Road, Dum Dum, Calcutta-55.
8. M/s. Dolphin Transport Corporation, 27, Western Street (5th Floor) Calcutta-12, including its branch at C/o L.P.G. Bottling Plant, 10-C, Durgapur, District Burdwan.
9. M/s. Hydromat Marketing (India) Private Limited, P. 3, Surawardi Avenue, Calcutta-17, including its four Branches at (1) Bombay (2) Delhi (3) Bangalore and (4) Madras.
10. M/s. Computech International Limited, 77/2A, Huzra Road, (4th Floor), Calcutta-29, including its office at Chatterjee International, Centre 33A, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71.
11. M/s. Monalisa P.O. Ethelbari, Birpara District Jalpaiguri West Bengal, including its Head Office at Jalpaiguri, registered Office at Darjeeling.
12. M/s. Dytron (India) Limited, 14-15, Old Court House Street Calcutta-1, including its Head Office and Factory at Industrial Growth Centre, Kalyani, Nadia, West Bengal.
13. M/s. Swastik Laminating Industries, 95/1/38, Cosipore Road, Calcutta-2, including its Registered Office at 68, Cotton Street, Calcutta-7.
14. M/s. S. K. Agnihotri, 29, Ashutosh Choudhary Avenue, Calcutta-19, including its Registered Office at 68, Cotton Street, Calcutta-6.
15. M/s. Engineering Products Development Centre (Private) Limited Vill. Raghunathpur VIP Road, Post Office Jyangra, District 24 Parganas, including its registered Office at P-3 Surawardi Avenue, Calcutta-17.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[No. S. 35017(2)/87-SS-II]

का. आ. 1500.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फ्रैंडराशाव लैम्स लिमिटेड, इसनापुर, मेडुक कस्ता, आन्ध्रप्रदेश और इसकी बम्बई, बंगलौर, कोचीन, अहमदाबाद, जयपुर, इन्दौर, कटक और मद्रास स्थित आठ शाखाएँ नामक स्थापना से मंबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी अधिक्षिय निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध माध्यनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापना को लागू किए जाने चाहिए।

प्रन. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापना को लागू करती है।

[संख्या एम-35019(457)/85-एस. एम-2]

५. कै. गद्दाराय, भवर सचिव

S.O. 1500.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Hyderabad Lamps Limited, Isapur, Medak District, Andhra Pradesh, including its eight branches at Bombay, Bangalore, Cochin, Ahmedabad, Jaipur, Indore, Cuttack and Madras have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(457)/85-SS-II]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. आ. 1501.—केन्द्रीय सरकार ने यह समझान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उपखंड (vi) के उपबंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संस्था का, आ. 4171 दिनांक 3 दिसम्बर, 1986 द्वारा कोयला उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 3 दिसम्बर, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (३) के उपखंड (vi) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 3 जून, 1987 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/13/81-डी-I (ए)]

नन्द लाल, अबर सचिव

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1501.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (VI) of clause (n) of section 2 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 4171 dated the 3rd December, 1986 the Coal Industry to public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 3rd December, 1986 :

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (VI) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 3rd June, 1987.

[No. S-11017/13/81-D.I (A)]

NAND LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1987

का. आ. 1502 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतत्व से संबंध नियोजनों और उनके कर्मकारों

के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-5-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 2nd June, 1987

S.O. 1502.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER-CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR (UP)

Industrial Dispute No. 7 of 1986

In the matter of dispute between:

Shri Ram Chandra Yadav
S/o Shri Ram Nath Yadav
R/o 3-A/41, Azad Nagar,
Bai Ji Ka Quarter,
Kanpur.

AND

The Divisional Manager,
Central Bank of India,
Divisional Office,
Pandu Nagar,
Kanpur.

APPEARANCES:

Shri O. P. Mathur—representative for the workman.

Shri Rakesh Tondon—for the management.

AWARD

1. The Central Government vide its notification no L-12012/41/85-D.II(A) dated 20th December, 1985, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the management of Central Bank of India, in not absorbing and terminating the services of Shri Ram Chandra Yadav is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. The Case of the workman Ram Chandra Yadav is that he was a subordinate staff of the bank management in its Azad Nagar Branch Kanpur w.e.f. 3-5-79 and in all worked for 340 days from that date but the management has shown false and artificial breaks in the service of the applicant. The applicant learning that some regular appointment are likely to be made in class IV made an application for the same on 24-6-82 which was forwarded to the General Manager through R. M. office Kanpur. Workman also applied for his appointment in RBI for which the Branch Manager Azad Nagar wrote a recommendatory letter photo copy of which is annexure C alleging that the workman had worked about 340 days in his bank. The management bank appointed new hands and instead of giving him opportunity of reemployment or absorbing him terminated his services. Thus the management is also guilty of unfair labour practice. The termination of the workman being illegal he is entitled to be reinstated. Annexure I filed along with the claim statement shows that he during the period 1979 to 1981 worked for 340 days. Annexure B which is a forwarding note of the branch manager to the Chief Manager Pandu Nagar Kanpur in which the branch manager mentioned that the workman had in the capacity of casual daily worker during period 79-80-81 for about 340 days. The third annexure filed with the same is the certificate of Branch Manager Azad Nagar Kanpur addressed to manager Reserve Bank of India Kanpur stating that the workman had worked in his branch as casual daily worker during period 79, 80 and 1981 for about 340 days.

3. The case of the management as set out in the w.s. is that the workman was running a tea shop near Central Bank of India Azad Nagar Kanpur and use to visit branch often

for serving tea to the staff as and when there was need in the branch for casual work and the workman was engaged for specific period only. That was a casual appointment and the branch manager never utilise the services of Shri Yadav as class IV employee. Shri Yadav had availed a loan from this branch for tea shop. The management asserts that the workman was simply engaged as casual worker for a limited period on account of temporary increase in work. During period 79 to 81 the workman was engaged for 232 days and the claim that he worked for 340 days is wrong. The management has submitted details of days of working by workman which shows that he never completed 240 days in a span of 12 calendar months. It is further averred there in that the workman persuaded the branch manager Azad Nagar Kanpur to give him a certificate that he worked in all 240 days during the period mentioned in the claim on the pretext that he was getting job in Reserve Bank of India. In support of this he produce a certificate of previous branch manager of the said branch stating that he had worked for nearly 240 days during 79-80-81 and in this the certificate by the branch manager of the Azad Nagar Branch was obtained surreptitiously and the appointments in the management bank are made under certain recruitment policy after written test and interview and after complying with the norms.

4. In the rejoinder the workman has stated that he should have been given first preference over others had he fulfills all the requirements.

5. In support of his contention the workman has filed 7 documents First three of which are the same as filed along with claim statement and mentioned earlier, paper No. IV is the letter of the branch manager regarding stationery and paper no. 5 is earlier letter given to the workman to collect stationery which he collected. The two documents are ext. W-5 and W-6. Paper No. 6 are challan of stationer which was received by workman under his signature and this documents are from Ext. 3 and W-9 which shown that the workman was not engaged for the bank for some work unconnected with the banking industry but was engaged by the bank for work of the banking industry, for instance collecting stationery etc. as management class fourth employee.

6. The management examined Shri S. P. Kacker on affidavit reiterating the stand of the written statement. He has admitted Ext. W-1 and W-2 as letters issued by the branch manager. He could not testify the correctness of signatures of the document filed by the workman on 3rd September, 1986. It is signed by Shri J. Naroji ADM Divisional Office Kanpur. He has deposed that he cannot say if the workman was also working as messenger or office peon besides taking drinking waters to the officials and customers of the bank. Taking drinking waters to officials and customers is also a work connected with the banking industry, moreover it is shown that the workman had been working as peon also that he received stationery etc. under the authority from the manager. He has no knowledge if persons were engaged after the workman ceased to work. A comparison of working days during period 16th May, 1979 to 15th May, 1980 with the documents filed by the workman and bearing the seal and signature of the management the workman had worked upto 17th May, 1980 two days more.

7. On the other hand the workman has given his affidavit reiterating his claim statement and he was cross-examined. In cross-examination he has deposed that articles mentioned in document No. 1 dated 24th April, 1980 filed by him are the records of stationery which was taken by him to the branch and he was authorised to receive the same under the signature of the branch accountant, those documents are ext. W-3 and W-5. In his cross examination he has further admitted that he had taken a loan of Rs. 1200 from the management but had given the same to his mother. In loan application he admits to have mentioned the purpose of loan as tea catering and beetle shop and tea shop near Azad Nagar Branch. He admits that from 3rd May, 1979 to 20th June, 1983 he worked in Azad Nagar Branch and was paid by vouchers for work done and this payment was done either after a week or 15 days and was not paid per day. In the end he admitted that the certificate given by the branch manager is on record. From the above it is clear that the workman was engaged in the bank for work of the banking industry and not for

work unconnected with the work of banking industry. Thus such casual labour if allowed to work piece meal would be nothing but temporary workman. The management has failed to show any appointment letter or that the termination was by efflux of time. But it is clear that he was given work for several days with breaks. It is further clear that in span of one year he never worked for 240 days and the workman too has failed to show that he worked for 240 days continuously in one calendar year. Workman wanted to summon the vouchers from 79 to 81, this was disallowed as amounting to grapping in the dark. The workman had admittedly worked for 59 days in a span between 15th May, 1979 to 15th May, 1980 and from 15th May, 1980 to 15th May, 1981 he worked for 55 days and in this way the workman had acquired temporary status and he should have been considered for class IV appointment. It is not denied specifically that the management employed other persons after workman ceased to work and in that case the workman had a prior claim per provision of section 25H of the Act and this having not been done the termination of the workman from June 1981 would be illegal and he will be entitled reinstated in service. The case might have been otherwise had the workman been succeeded in showing that Vinod Saxena appointed latter after the workman was ceased to work after test and interview in regular vacancy.

8. In these circumstances and for the reasons discussed above, I hold that the action of the management is not justified and the workman has to be reinstated in service.

9. The question of regular absorption may be considered and when fresh recruitment test is made by the bank for class IV employees.

10. I, therefore, give my award accordingly.

11. Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/41/85-D.II(A)]

क्र. अ. 1503.—जौदोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 अ. 14) की धारा 17 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार, देना बैंक के प्रबंधालय के संबंध नियंत्रणी और उनके कर्मकारी के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट जौदोगिक विवाद से देनीय सरकार जौदोगिक अधिकरण कानपुर के प्रकाश के प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 22-5-87 को प्राप्त हुआ था :

S.O. 1503.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Dena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, KANPUR.

Industrial Dispute No. 74 of 1986

Reference No. L-12012/61/85-D.II (A) dt. 18-4-86
Shri O. P. Mehrotra Clo. The General Secretary,
U. P. Bank Employees Union,
165, Sobatibagh, Allahabad.

AND

The Assistant Regional Manager,
Dena Bank, Regional Office,
51/52 Gedore House, 4th Floor, Nehru Place,
New Delhi.

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/61/85-D.II (A) dt. 18-4-86 has referred the following dispute for adjudication on this tribunal :

"Whether the action of the management of Dena Bank in not offering the post of Head Cashier Category at Hazratganj Branch and not granting special allowance of Head Cashier to Shri O. P. Mehrotra, Cashier Cum Clerk, with effect from 4-9-78 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

ORDER

As on 20-4-87 was fixed for orders. The parties despite notice did not appear, hence the case is decided in default of parties. Let no claim award be sent to the government for its publication.

Let the six copies of the award be sent to the Government for its publication.

Dated : 14-5-1987.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. L-12012/61/85-D.II(A)]
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का.आ. 1504.—श्रीदीयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, पी एण्ड टी डिपैटमेन्ट के प्रबन्धतन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रीदीयिक विवाद में श्रीदीयिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1504.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Madras, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of P & T Department, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B.Sc., B. L.,
PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS
(Constituted by the Central Government)

Thursday, the 7th day of May, 1987

Industrial Dispute No. 16 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of P & T Civil Division, Trivandrum-695001.

BETWEEN

Thiru K. Manikantan Nair,
T. C. No. 25/285-A, Vayelnikathiya Puthen Veedu,
Thampanoor Trivandrum.

AND

The Executive Engineer,
P & T Civil Division, Trivandrum-695001.

REFERENCE : Order No. L-40012(14)/84-D-II(B), dated 12-2-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 16th day of April, 1987 upon perusing the reference claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru N. G. R. Prasad for Thiruvalargal Row and Reddy and R. Rajaram, Advocates appearing for the workman and of Thiru G. Rajan Central Government Pleader for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Posts and Telegraphs Department, Trivandrum arises out

of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-40012(14)/84-D.II(B), dated 12-2-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue:

"Whether the Executive Engineer, P & T Civil Division, Trivandrum in terminating the services of Shri K. Manikantan Nair, Casual Mazdoor from service w.e.f. 7-12-83 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

(2) It is averred in the claim statement that the Petitioner-workman was working as a casual mazdoor in the P & T Civil Sub-Division No. 1, Pappanamcode, Trivandrum from 31-7-1979 and he was in continuous employment till 17-5-1983 for a period of 770 days. The Petitioner had studied upto Standard X and his name was registered with the Employment Exchange at Trivandrum. As the Petitioner was eligible for regularisation he submitted an application to the Respondent for this purpose. On 17-5-1983, the services of the Petitioner were terminated without assigning any reasons and in contravention of Section 25-F of the Industrial Disputes Act. The impugned order of dismissal was challenged by way of writ petition in the Kerala High Court, where it was directed that the Petitioner should be reinstated in service and regularised if he is found eligible. Subsequently, the Petitioner was reinstated on 13-7-1983 but not regularised. His services were again terminated by the Executive Engineer, P&T Civil Division, Trivandrum from 7-12-1983. The termination order passed is illegal and contrary to the provisions of the Industrial Disputes Act. Hence the Petitioner prays that he may be reinstated in service and granted back wages and other attendant benefits.

(3) In the counter statement filed on behalf of the Respondent, the fact that the Petitioner was engaged as a casual employee is not disputed. It is however contended that as per the circular dated 10-10-1979 the Petitioner is not eligible to be considered for regularisation. As the work for which the Petitioner was engaged was completed, he was straight away terminated in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act. The Management had reinstated the Petitioner after the judgement of the Kerala High Court and he was subsequently terminated on valid and justified grounds. The Petitioner is not entitled to any other relief.

(4) No oral evidence was adduced on either side. Exs. W-1 to W-17 were marked on behalf of the Petitioner and Exs. M-1 and M-2 relied upon by the Management.

(5) The point for consideration is as follows :

Whether the Executive Engineer, P & T Civil Division, Trivandrum in terminating the services of Shri K. Manikantan Nair, Casual Mazdoor from service w.e.f. 7-12-83 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?

(6) The Petitioner was working as a Casual Mazdoor on the muster roll in the P & T Civil Division, Pappanamcode, Trivandrum from 31-7-1979. He had worked continuously without any break in service till 17-5-1983 and for a period of 770 days which is not controverted in the counter filed by the Respondent or otherwise disputed. The Petitioner had studied upto Standard X and his name was registered in the Divisional Employment Exchange, Trivandrum from 1979 and his registration number was 19083/79 as disclosed by his representation dated 24-1-1983 which had given to the Management for being regularised in service. On 17-5-1983, the services of the Petitioner were terminated by the Respondent without giving any notice or following the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act. The Petitioner had challenged the order of termination in a writ petition filed before the Kerala High Court in O.P. No. 4254/1983. It is not disputed that the Petitioner was not in service during the pendency of the writ petition Ex. W-7 is the judgement passed in the writ petition dated 22-6-1983 whereby it was held that the termination of the services of the Petitioner without following the procedure prescribed in Chapter V-A of the Industrial Disputes

Act was illegal and he was directed to be reinstated in service and also considered for regularisation if eligible. In pursuance of this, the Petitioner was reinstated in service on 13-7-1983 though his services were not regularised, by a notice dated 8-11-1983 marked as Ex. W-8, the Petitioner was informed that his services would be terminated with effect from 7-12-1983 as he would be no longer required for being engaged on any casual work. The Petitioner had challenged this termination on the ground that he had worked continuously from 31-7-1979 for more than 240 days in a year and the termination of his services without notice and retrenchment compensation as provided for under Section 25F of the Industrial Disputes Act is illegal and has to be set aside. These facts had not been challenged or disputed by the Respondent. In as much as the mandatory provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act had not been fully complied with, the order of terminating the services of the Petitioner with effect from 7-12-1983 as manifested by Ex. W-8 cannot be sustained and accordingly it is set aside. The Petitioner is directed to be reinstated in service with full back wages, continuity of service and other attendant benefits.

(7) The only other question to be considered is whether the Petitioner is entitled to the relief of regularisation of his services. In this context, the learned counsel for the Management had relief upon the Government Circular dated 10-10-1979 marked as Ex. M-2 for the purpose of contending that the Petitioner would not be entitled to regularisation of his service. According to the Circular, casual employees who were working till 20th March, 1979 otherwise than through the Employment Exchange would be eligible for regularisation. It further stipulated that no appointment should be made in future without making a reference to the Employment Exchange. The Petitioner had admittedly joined service on 31-7-1979 as casual mazdoor and he was also registered with Employment Exchange. There is nothing in the circular relied upon by the Management to disclose that the casual labourers who were registered with the Employment Exchange but were employed subsequent to 20th March, 1979 are not eligible for regularisation. It may be mentioned that no statutory rule or regulation pertaining to the Respondent has been produced to disclose that the Petitioner would be disentitled from claiming regularisation.

(8) In the circumstances, it is directed that the Management may after reinstatement as ordered consider regularisation of the services of the Petitioner if he is found eligible. Award passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, this 7th day of May, 1987.

Sd/-
Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides. None.

DOCUMENTS MARKED

For workmen:

Ex. W-1/24-1-83—Letter from the Petitioner to the Management. (True copy).

Ex. W-2/28-2-83—Certificate issued to the Petitioner by the Assistant Surveyor of Works No. 1 Civil Circle. (True copy).

Ex. W-3/11-3-83—Certificate issued to the Petitioner by E.A. to Superintendent, Egmore, Trivendru Circle. (True copy).

Ex. W-4/4-4-83—Certificate issued to the Petitioner by Assistant Engineer, P&T, Trivandrum. (True copy).

Ex. W-5/16-5-83—Certificate issued to the Petitioner by Assistant Surveyor of Works III P&T. (True copy).

Ex. W-6/27-5-83—Order of High Court of Kerala in C.M.P. 12642/83 in O.P. 4254/83. (True copy).

Ex. W-7/22-6-83—Order of High Court of Kerala in O.P. 4254/83(J). (True copy).

Ex. W-8/8-11-83—Letter from Assistant Engineer, P&T Trivandrum to the Petitioner terminating the services of the Petitioner with effect from 7-12-1983. (True copy).

Ex. W-9/14-11-83—Reply from the Petitioner to Ex. W-8. (True copy).

Ex. W-10/5-12-83—Reply from the Management to the Petitioner with regard to Ex. W-9. (True copy).

Ex. W-11/6-12-83—Letter from the Petitioner to the Executive Engineer, P&T Civil, Trivandrum (True copy).

Ex. W-12/14-12-83—Notice of contempt of Court issued to the Executive Engineer, P&T Civil Division, Trivandrum by Thiru K. S. Rajamony, Advocate for Petitioner. (True Copy).

Ex. W-13/17-12-83—Letter from the Petitioner to the Assistant Labour Commissioner (South) Trivandrum regarding his non-employment. (True copy).

Ex. W-14/24-12-83—Letter from the Executive Engineer, Trivandrum to Thiru K. S. Rajamony, Advocate. (True copy).

Ex. W-15/17-5-84—Conciliation Failure Report sent by the Assistant Labour Commissioner, Trivandrum. (True copy).

Ex. W-16/10-12-84—Certificate issued by the Assistant Executive Engineer, Trivandrum. (True copy).

Ex. W-17/13-12-85—Office memorandum issued by the P&T (Civil Wing), Trivandrum. (Xerox copy).

For Management :

Ex. M-1/8-12-83—Xerox copy of receipt for payment of one day wages to the Petitioner.

Ex. M-2/10-10-79—Office memorandum issued by the Ministry of Home Affairs. (Xerox copy).

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

[No. L-40012/14/84-D. II(B)]

का.आ. 1505.—ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसारे में, केन्द्रीय सरकार, नारदने रेलवे, लखनऊ के प्रबन्धालय से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट ओद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार ओद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 19 मई 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1505.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No.

Reference No.
In the matter of dispute between
Shri Nasiruddin

C/o Zonal Working President,
Uttar Railway Karamchari Union,
96/196 Roshan Bajaj Lal Ganesh Ganj,
Lucknow.

AND

Senior Engineer,
Northern Railway,
Lucknow.

APPEARANCES :

Shri B. D. Tewari representative—for the workman,
Shri B. P. S. Chauhan representative—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, vide its order dated 25-1-86 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the retrenchment of Shri Nasiruddin Khalasi with effect from 28-2-78 by Senior Engineer, Northern Railway, Lucknow is justified? If not to what relief the workman is entitled?

2. The case of the workman is that he was recruited as Khalasi under Inspector of Works Grade II Barha Railway Colony on 7-12-75 and he worked up to 28-2-78 with short breaks and during this span he completed 244 days, that he was retrenched with effect from 29-2-78 without notice, notice pay and retrenchment compensation and thereafter was never called to appear for re-engagement when 45 persons were freshly recruited in 1980-81 by the Inspector of Works Charbagh. Thus section 25 of the Act as well as section 25H of the act are violated. Further after termination his services another junior person was taken on roll on 29-2-78 disregarding the provisions of section 25F also. The termination in view of the above violation are illegal, hence the workman is entitled to be reinstated with full back wages.

In the written statement the management admitted that the workman was engaged as casual labour under IOW Barha Colony against specific sanction from time to time on 7-12-75 and worked upto 27-2-78. It is averred that the workman himself did not turn up for duties after that and the question of terminating his services without compliance of section 25I does not arise. Further he never completed 240 days in one completed year. That casual labour engaged day to day casualities was against specific sanction for fixed period and after completion of the specific sanction their services automatically stands terminated and the casual labour who were engaged against specific sanction had no legal right for their continuity in service beyond that sanction. In the instant case the applicant absconded from duties he has no legal right to claim reinstatement.

3. In the rejoinder the workman has averred that he was not to turnup for work from 28-2-78.

4. On 31-7-86 the management required at the instance of workman to bring muster roll and casual labour register for the relevant period but the management never filed the same and stated on 16-10-86 that the document summoned by the workman had been weeded out.

5. The management has filed affidavit evidence of one Shri S. S. Tewari IOW Grade III. He has reiterated the stand taken by the management in the written statement.

6. In the cross examination he has deposed that the muster roll has been destroyed and he can not give the dates of its destruction. He has further stated that the name of the workman must have been struck off after waiting 3 days after 27-2-78 as per rule. He admits that no notice or retrenchment compensation was given to him. He has further stated that the pay of the workman for the month of January and February was not paid to him as he did not turn to receive it. The management had address of the workman but they did not inform him by post. He is not able to tell how many sanctioned work was going on 27-2-78, without looking to the records, and on the date the name of the workman was struck off from the muster roll, No seniority list was prepared to see how many juniors were working. He further stated that he had verified that the workman had not completed 240 days of work in one span of a year. He has filed list of working days of workman and has stated that he was not given temporary status as he has not completed 120 days at a stretch.

353 GI/87—8

8. The list submitted by management witness dated 15-3-84 is on the record. Taking the span of 22-12-75 to 21-12-76 according to the list supplied the workman worked for 240 days. Thus he had acquired a status and should not have been terminated without giving retrenchment compensation as required under section 25F of the Industrial Dispute Act. Even striking out the name from the muster roll will amount to retrenchment and for any termination for any reason what so ever the retrenchment compensation should have been paid. In the event of not having done so the termination would be illegal.

9. On the other hand the workman gave his affidavit evidence or affidavit asserting his claim of the written statement. He has deposed that he had been visiting the place of engagement daily but the persons who are working with him were still working and in 1980 some persons were engaged for work. He has denied the management suggestion that as he did not go to work his name was struck off.

10. As all the relevant documents are in possession with the management, the management should have filed the same. Merely saying that they have been weeded out, in the absence of proof can not be accepted. As observed earlier from the own statement of management witness regarding number of working days of the workman, the workman had completed 240 days from 22-12-75 to 21-12-76 and had acquired a temporary status and he should not have been ceased to work on 28-2-78 and his name struck off the rolls as the same amounts to retrenchment, the same having been brought about without being paid retrenchment compensation, the same is illegal and the applicant is entitled to be reinstated in service with full back wages. Further fresh hands were appointed by the management in 1980 and the workman was not given opportunity of reemployment on this count also the termination is illegal as it is in contravention of section 25H of the Act.

11. In these circumstances and discussions made above, I hold that the termination of the workman have been illegal and workman is entitled to be reinstated with full back wages.

12. I therefore, give my award accordingly.

13. Let six copies of this award be sent to the government for its publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dated 5-5-1987.

[No. I-41012/1/85-D.II(B)]

का.प्र. 1506.—प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 नं 14) की धारा 17 के अन्तर्गत भौ. केन्द्रीय सरकार, गिविल हंजीनियन नामक नियमों के प्रत्यन्धत्व से गमनद्वय नियमों द्वारा उनके कर्मकारों के बीच, अन्तर्बंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक व्यापारिकण का भाग्य के प्रत्याप की प्रकाशित करनी है जो केन्द्रीय सरकार को 19-5-1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1506.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial disputes between the employers in relation to the management of Civil Engineer, Northern Railway, Charbagh and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 53/1986

In the matter of dispute between :

The Senior Civil Engineer
Northern Railway
Charbagh Lucknow.

AND

The Zonal Working President
Uttar Railway Karamchari Union
96/196 Roshan Bajaj Lane
Ganesh Ganj
Lucknow.

APPEARANCE :

Shri B. D. Tewari representative—for the workmen.
Shri Ravi Jauhari—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-41012/36/85-D.II(B) dated 3rd March, 1986, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the Sr. Civil Engineer, Northern Railway Lucknow Division, Charbagh Lucknow in continuing the services of Shri Ram Asrey and 36 others detailed as annexure I as casual labour is proper and justified? If not, to what relief these 37 workmen are entitled?

2. The case of the applicant is that all the workmen are working as substitute casual labour under Chief Inspector of Works Charbagh and Sr. Engineer Northern Railway Lucknow from the dates noted against each of them, enclosed in the reference order. It may be mentioned that in that the date of initial appointment is not mentioned. The missing dates have been supplied by filing a second list annexure II to this claim statement showing that all the workmen have completed more than 10 years and in the case of Shri Vishnudeo and Rafiujama whose names appears at serial No. 36 and 9 respectively ranging to 21 years of continuous service under the northern railway administration represented by Sr. Engineer Charbagh. All these workmen are still treated as substitute casual labours and have not so far been regular. They were not treated even as temporary employees from 1965 to 15-6-77 and they are being still treated junior to staff recruited after them vide list annexure III and claim statement and are being deprived off benefit of upgrading to other temporary staff. One workman Ramdhari is ITI qualified personal and has not been given permanent status and promotion in 25 per cent quota allotted to ITI qualified candidates.

3. The case of the management in the written statement is that penal of class IV staff was formed in the year 1973 containing 369 candidates. All the casual substitutes who were working under IOW/CB/Alambagh and who have competed 180 days of work at that time were called to appear in the aforesaid selection and out of those only 206 could be absorbed so far and fresh penal would be formed only after the present penal has been exhausted as such none can be made permanent out of the list given in the department and as per practise casual labour outside the scope of the said penal will always remain junior to the persons absorbed against permanent vacancy from the aforesaid penal. As regards 25 per cent quota from amongst casual labours for ITI qualified the same will be considered when vacancies arises.

4. On behalf of the management Shri R. K. Tewari IOW(III) gave his affidavit evidence asserting the stand taken in the written statement and stated in cross examination that all of the workmen are working with the management for the last 10 years, as regards the candidates of appointment mentioned in the schedule with the reference order, he has deposed that the dates mentioned in that list is correct, date of appointment of some of the workmen is missing which has been supplied by the workmen in other annexure with the claim statement. The witness has not tallied their dates of appointment but generally he admits that all of them are working for about 10 years. He further admits that the persons whose jobs are mentioned in Annexure II to the claim statement are still working on those jobs and they are not officiating on post of any one having a lein on that post. He admits that these workmen are allowed facilities of PTOs and Passes, leave, provident fund after their screening and medical test. He admits that their group insurance is not deducted but they are getting increments. He further states that all these workmen are not in penal. He has never brought nor filed the penal of 369 persons. He is further not able to say how many vacancies are there when the penal was formed in 1973. He also says that he can not say how many have been absorbed in regular vacancies, but some persons of that list are still awaiting regular appointment. He admits that

the penal is prepared on the basis of seniority and date of appointment but soon after resiled and stated that the criteria of impenalment is the number of working days. He is not able to say for how many number of days the workmen concerned here have worked or those who were empanelled have worked. He has no knowledge if Shri Rafiujama whose name appeared at serial No. 9 in the list appended to the claim statement and whose date of appointment given as 1-1-65 was called for impenalment or not but status that they all have given c.p.c. scale rate prior to 1973, i.e. prior to formation of penal were not called for empenalment.

On behalf of the management one Shri Rafiujama has appeared in the witness box and filed his affidavit. He has averred that all the 37 workmen are substitute casual labour working under IOW and Sr. Engineer Northern Railway Lucknow and they have completed more than 10 years. They are still treated as substitute casual labours and have not been made regular as yet and they are treated junior to the staff recruited later to their recruitment.

6. Regarding Dhani Ram he states that he being ITI has not been given promotion in 25 per cent quota allotted to ITI qualified persons.

7. In cross examination he has deposed that out of the persons whose name has been included in the list of the reference order Ram Dhani was screened for the post of Khalasi but his name is not correctly mentioned in the empanelled list. He has further states that one Shri Ram appointed after 1973 has been made permanent. Besides him Ram Awadh and Satpal Yadav employed after 1973 have been made permanent. As observed earlier a list of penal prepared in 1973 has not been filed. There is nothing on record to show as under whose orders the panel was prepared and till when the same was to last. There is no affidavit on behalf of the management that there is any break in the service of all the workmen whose case is before this tribunal. Further it is not the case of management that they are working in any leave vacancy rather it is admitted that they are working on specified job and on post on which no other persons has a lein. Management has further not filed any document to show as to how many permanent sanctioned posts are there.

8. The only argument on behalf of the management is that workmen in the instant case have all acquired temporary status and will become permanent only when permanent vacancy occurs.

9. Under section 2(r)(a) of the act added by act No. 46 of 82 which came into effect from 21-8-84 unfair labour practise has been added which means any of the practises specified in the 5th schedule turning to 5th schedule at serial 10 it is laid down that to employ a workman as badli casual or temporary and to continue them as such for years with the object of depriving them of the status and privileges of permanent workman is an unfair labour practice.

10. In railway boards Circular No. E (NG-II)77/CL/46 dated 8-6-81 on the subject of casual labour in paragraph E it is laid down that casual labour will be given temporary status will not however be brought to permanent establishment unless they are selected through regular selection board for class IV they will have prior claim over others to permanent recruitment and they will be considered for regular appointment without having go through employment exchange and such of them who joined as casual labour before attaining the age of 28 years should be allowed relaxation of minimum of age limit prescribed for class IV post to the extent of their total service which may be either in continuance or in broken periods. In paragraph F of the same it is laid down that no outsider should be appointed to class IV post which became available upto 31-12-82 and all such post should be filled only amongst the casual labour and substituted it is further laid down that for purposes of screening and empanelment a Division shall be treated as unit for all department.

11. It has been observed that a division should be the unit the purpose of empanelment and persons required to work in temporary or permanent capacity in cases when good number of temporary persons are required to work for long duration so for 3 years or 5 years the management should carbed out the post which are likely to continue and in other words increase the number of sanctioned post.

Had this been done persons would not have been allowed to continue as temporary or casual for 10 to 20 years. The very fact that they are working continuously for the last 10 or more shows that the management requires staff on job which are almost of permanent nature but as the strength has not been revised they are still being retained as temporary or casual though they are working as messen carpenter or blacksmith and so on designation given in the list for over 10 years on the post on which no other persons has a lein. In the circumstances management is to be blamed and it is nothing but unfair labour practice and can not be allowed to prevail indefinitely. If a penal of 369 persons was prepared in 1963 it is stranged that only 206 persons have been absorbed so far when atleast 37 persons in the instant case are allowed to linger as temporary as casual for about 10 to 21 years. In Narendra Chadha Vs. Union of India 1986 SC (Labour & Services) page 226 it was held if adhoc promotee, or appointees are allowed to continue as such for long year without being reverted or challanged they would be deemed to have been regular.

12. In these circumstances and for reasons discussed above as all the 37 workers have worked continuously for more than 10 years on specific post on which no one has lein it will be deemed that they have acquired permanent status. It is for the management to reassess the strength of sanctioned post and make fitment taking into consideration the present position and number of working years.

13. I consequently hold that the action of the Senior Civil Engineer Northern Railway Lucknow Division Charbagh Lucknow in continuing the services of Shri Ram Asrey and 36 others as casual labour is not proper and justified. The result is that they are entitled to regularisation.

14. I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

Dt. 5-5-87.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer
[No. I-41012/36/85-D.II(B)]

ANNEXURE I

List of workmen

Sl.No	Name	Designation	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Ram Asrey	Mason	29-9-71 Casual
2.	Kalicharan	Do	1-8-74
3.	Maikop	Khalasi	
4.	Sriram	Do.	
5.	Mangal	Mason	25-8-71
6.	Lalsingh	Carpenter	8-7-74
7.	Ram Deen	Blacksmith	21-3-73
8.	Ram Chander	Khalasi	
9.	Reffitzama	Mate	1-1-65
10.	Chandra Sekhar	Khalasi	21-4-72
11.	Ram Kumar	Do.	
12.	Chhotey Lal	Do.	10-5-73
13.	Santoo	Do.	2-7-68
14.	Morish Davit	Do.	
15.	Mohan Lal	Mason	
16.	Jagannath	Khalasi	10-5-75
17.	Ramesh Chandra	Do.	
18.	Ram Yadi	Carpenter	4-4-74
19.	Ram Kishore	Fitter	10-5-72
20.	Chhotey Lal	Khalasi	20-5-72
21.	Kishori	Do.	
22.	Ram Kumar	Do.	22-10-75
23.	Kanhiyalal	Do.	6-1-73
24.	Bajrang	Do.	
25.	Bipat	Do.	2-2-72
26.	Kallo	Do.	2-5-75
27.	Chandrapal	Do.	10-3-72
28.	Chandrika	Do.	

1	2	3	4
29.	Mihir Kumar	Cholnator operator	5-6-75
30.	Mangal Prasad	Valveman	5-12-70
31.	Ram Adhar	Do.	
32.	Jeet Ram	Do.	
33.	Ram Khilawan	Chainman	
34.	Mathura	Do.	
35.	Khem Bahadure	Khalasi	8-7-75
36.	Vishnu Dev	Do.	4-10-76
37.	Ram Dhani	Fitter	

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dt. 5-5-87

का. प्रा. 1507.—श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार, श्रीक इंजीनियर, भारत इंडिया रेडियो, नई दिल्ली के प्रबन्धताल में सम्बन्ध नियोजकों और उनके समंकारों के दीर्घ, अनुबन्ध में निविट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1507.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chief Engineer, All India Radio, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER;
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL;
NEW DELHI

I. D. No. 13/86

In the matter of dispute between :

Shri Chander Bhushan Pandey,
son of Shri Amla Pandey,
r/o H-4/6, Ring Road Colony,
Delhi Cantt-10.

Versus

1. The Director General, All India Radio,
Akashwami Bhawan, New Delhi.

2. The Chief Engineer, AIR,
Jam Nagar House, New Delhi.

APPFARANCES :

Shri Multan Singh—for the workman.
Shri N. Chaudhary—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(7)/84-D.II(B) dated 11-12-85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the termination of Shri Chander Bhushan Pandey w.e.f. 8-7-1983 by the Chief Engineer, All India Radio, is legal and justified ? If not, to what relief he is entitled to ?”

2. It is stated by the workman that he served the Management from 1-2-82 to 8-7-83 whereafter his services were terminated without any notice, charge sheet or enquiry and without payment of any notice pay or retrenchment compensation and persons junior to him namely Mr. Saddiqui, Greesh Pal and Babu Lal were retained in service and thus there has been violation of Sections 25-F and 25-G of the I.D. Act (hereinafter referred to as the Act). Hence the order of his termination is illegal and void and he has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The Management in its written statement disputed the period of employment of the workman and submitted that the workman was employed only as a casual worker and, therefore, he could not be given any retrenchment compensation. It was denied that the persons junior to him were retained in service.

4. The extention of the Management that the workman was employed only as a casual worker and he is not entitled to any retrenchment compensation and that the protection of section 25-F and 25-G of the Act is not applicable to him is devoid of any force. This controversy has been set at rest by the Authority Workman of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987(I)-LLJ 85 Delhi High Court wherein it was held as under:—

"Industrial Disputes Act, 1947—Section 2(S) 25-F Daily rated workman-retrenchment of daily rated worker-Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite Service during the relevant period. Lumpsum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked.

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter, Slum Department of the Municipal Corporation Delhi. Based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and therefore, the workman cannot claim any Relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD: When the petition was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25(F) of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenched workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 5(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid."

5. On facts there is hardly any dispute. Although the period of employment of the workman was disputed in the written statement yet during the proceedings the Management itself placed on record a statement Ex. M-1 showing the attendance of the workman for the period from 1-2-1982 to 8-7-1983 which goes to show that he had put in a total number of 411 days of service with the Management out of which during the 12 calendar months preceding the date of his termination he had put in 285 days. Therefore, it stands proved that the workman had put in continuous service of one year in terms of Section 25-B of the I.D. Act and the provision of section 25-F are fully applicable to him. It is not denied by the Management that no notice was served upon the workman nor any wages in lieu of notice nor any retrenchment compensation

were paid to him. Therefore, there has been a clear violation of the mandatory provisions of section 25-F of the I.D. Act and the order of termination of his service is clearly illegal and void and the workman is entitled to reinstatement with continuity of service and full back wages. However there is no cogent evidence to show that persons junior to workman were retained in service. Hence there is no violation of Section 25-G of the I.D. Act. his reference stand disposed of accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

28th April, 1987.

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. L-42012/7/84-D.II(B)]

का.आ. 1508.—श्रीयोगिक विवाद प्राप्तिनिधि, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय शास्त्र निगम संस्थान के प्रबन्धसंस्थान से सम्बद्ध नियोजकों द्वारा उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट श्रीयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीयोगिक अधिकारण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 15 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1508.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Lucknow, and their workmen, which was received by the Central Government on the 15th May, 1987.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 23 of 1986

Shri Ganga Prasad Kureel
C/o M. Shakeel,
1 Abdul Aziz Lane,
Lucknow

AND

The Regional Manager,
Food Corporation of India,
Regional Office,
5/6 Habibulla Lane,
Lucknow.

APPEARANCES:

Shri M. Shakeel—for the workman.
Shri G. P. Pandey—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-42012/7/85-D.V dated 21st January, 1986, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal :

Whether the termination of Shri Ganga Prasad Kureel son of Shri Budhoo Lal by the management Food Corporation of India, Lucknow, with effect from 1st July, 1974, is justified? If not, to what relief is the workmen concerned entitled and from what date?

2. The case of the workman is that he was appointed as loader in the management but due to his trade union activities his services were terminated and he was not allowed to work in July 1974. The workman was not given any notice, notice pay or retrenchment compensation at the time of his termination, nor the provisions of rule 25G and II were followed. In 1976, the management appointed new hands and the workman was not offered appointment. It is prayed that the workman be reinstated in service with full back wages.

3. Management in their written statement averred that the workman started working as temporary labour from 1-7-73, his pay alongwith other labours was fixed on consolidated amount and later given prescribed scale but as per records the workman did not attend duties after 15-6-74 and wilfully himself abandoned the job since then without any notice or intimation. Later the vacant post of the workman alongwith 16 other posts were filled on the request of the General Secretary of the union vide his letter dt. 13-2-75, the Unit Secretary has confirmed vide his letter dt. n/a that Ganga Prasad was not the member of his union though he was member in the year 1973 and 1974, the fact that the workman abandoned the job wilfully in 1974 and did not approach the management for the last 12 years. It is denied that the management received any representation by the workman during this period.

4. In the rejoinder the workman has filed the number of working days and also taken the plea that he had fallen ill in 1974 and had applied for medical leave as he was not physically fit to perform duties. He submitted his fitness certificate in the year 1976 but was not allowed to join duties but he was verbally informed that his case was referred for orders.

5. In support of its contention the management filed affidavit evidence of the District Manager Food Corporation of India reite rating the case of the management as set out in the claim statement in support of his case he has filed photo copy of the letter dt. 13-2-75 of the Depot Superintendent FCI Talkatora, Lucknow that the under mentioned workmen were absent without information from the date mentioned against them. In this the name of workman Ganga Prasad appears at serial no. 4 mentioning that he is absent from duty without any information since June 74. He has further filed letter of union secretary Shri O. P. Srivastava intimating that Ganga Prasad workman was a member in 1973-74 but is not a member in 1975 and that he never appeared for duty after 74. He has further filed a letter from the Secretary of the Union dated 19-4-76 namely Shri S. N. Singh that the Strength of the labour as it is on 15-6-73 to be completed and in place of absente workmen the names provided by him in the accompanying list of all whom are members of the union may be added.

6. In cross examination management witness stated that as per records there was no application for leave from 16-6-74 and the name of the workman was continued till December 1976 with nill attendance as per monthly absentee statement sent by the mate in which he was working. He has deposed further that on 13-2-75 Depot Superintendent informed the District Manager that post of Shri Ganga Prasad alongwith other lying vacant since June 1974 and ask for further action. Union gave a letter dt. 19-4-76 alongwith list of proposed persons to be appointed and consequently they were appointed. He has however admitted that the workman had completed 240 days preceding one year from 15-6-74.

7. On behalf of the workman himself given his affidavit as well as Shri M. Shakeel president of the BKMS. He later gave his affidavit on the point that there was no provision for the post of unit secretary in Mazdoor Sangh as per provision of the Sangh. One Chandika Prasad also filed his affidavit stating that on 28th June 1974 the workman gave him an application to be submitted in the Office of the Corporation at Talkatora, Lucknow.

8. In cross examination he has deposed that in casual leave application for 28th to 30th June he has given his address in Mohalla Martiya P. S. Sadatganj and that from 1974 to 1984 he had been making application to FCI and had been meeting to the officers but he does not have any document to show that he entered in correspondence with the management during the period 1974-84.

9. Shri M. Shakeel stated that there was no post of unit secretary as per by laws of the union and that Shri O. P. Srivastava was not the union secretary in 1975. Even if there was no post of unit secretary and Om Prasad was not the unit Secy. Shri S. N. Singh Secy had intimated the management that post is lying vacant since long and that the strength should be completed as it was on 15-6-73. He has also stated that he recognises the signature of Shri

S. N. Singh Secy and that original of paper no. 2 does not bear the signature of 19-4-76. The letter of S. N. Singh filed by S. N. Singh on letter head of the union which contains marginal notings by the department officers. The witness should have shown the original signatures of Shri S. N. Singh to substantiate his stated that the letter was not signed by S. N. Singh and was forged. On the absence of any cogent evidence, I am not inclined to believe his statement on the point.

10. Third witness is Shri Chandika Prasad who testified that he had taken the application of the workman to the depot and gave it in the once but had not obtained a receipt of the same. This application he had taken there in the year 1974. When enquired about the month he had taken the application, he stated that it was neither very hot nor very cold but later realising that the matter related to June 74 he stated that it was taken in June. June is the hottest month in the northern India. In the absence of any corroborative evidence, I am not inclined to believe his statement.

11. It does not appeal to reason that the workman agitated his right or reemployment from 74 to 84 and there is not a single document to substantiate the same. The witness produced by him that he sent application or that the letter paper no. 3 dt. 19-4-76 filed by the workman is not signed by S. N. Singh, secretary is not worthy of reliance. The only necessary corollary is that the workman did not appear for duty after 1st July, 1974, and after carrying over his name for a pretty good time in the muster roll his name was struck off after December, 1974.

12. I am inclined to believe the statement of the management witness and hold that the termination of Shri Ganga Prasad Kureel w.e.f. 1st July, 1974 is justified, the result is that the workman would be entitled to no relief.

13. I, therefore, give my award accordingly.

Let 6 copies of this award be sent to the government for its publication.

Dated : 5-5-1987.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-42012/7/85-D.V.II(B)]

का.आ. 1509.—भौद्योगिक विकास अधिकारी, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यामरण में, केन्द्रीय सरकार, यास इंडिया रेडियो के प्रबंधनस्त से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच, प्रत्युत्थान में निर्दिष्ट भौद्योगिक विकास में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक अधिकारण, मई विली के प्राप्त को प्रकाशित करते हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1509.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of All India Radio in relation to their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL,
NEW DELHI

I.D. No. 6/86

In the matter of dispute between :

Shri Bhushan Lal 477 Chirag Delhi, New Delhi-17.

versus

The Chief Engineer (North Zone) All India Radio,
Jamnagar House Hutmets, Shahjahan Road, New
Delhi.

APPEARANCES :

Shri G. C. Tulsiani—for the workman.

Shri Narinder Chandhary—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(17)/84-D.II(B) dated 19th November 85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the Management of All India Radio in relation to its Chief Engineer North Zone, in terminating the services of Shri Bhushan Lal Carpenter w.e.f. 30-7-83 is justified ? if not, to what relief is the concerned workman entitled ?”

2. The workman has alleged in his statement of claim that he was appointed by the Management as a Carpenter in Grade 320-400 plus usual allowances vide appointment order dated 17-12-81 on probation of two years. However, when he reported for joining the duty he was not allowed to join and was informed the appointment order stand cancelled and new appointment letter will be issued in due course. Therefore on 1-1-82 the workman was given another appointment order whereby he was appointed for three months initially w.e.f. 18-1-82. However, the workman continued to work till 17-1-82 without any break. His services were regularised w.e.f. 17-4-82 vide once order or even date. On 6-5-82 he was given another appointment letter whereby he was given regular post as a Carpenter. Against vide another once order dated 3-4-82 he was appointed on probation for a period of two years but suddenly vide orders dated 3-6-82 and 19-6-82 management informed the workman that his services were upto November, 1982. By another order dated 13-6-82 the workman was directed to proceed to Surat Garh Rajasthan for installation of a play back studio but these orders were subsequently cancelled and he was not allowed to proceed to Suratgarh and his place one Mahesh Thakur and Ved Prakash were sent. On 18-7-83 the workman was directed to report to Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi and he was relieved from Jamnagar House where he had been initially appointed in terms of the said order the workman reported for duty to the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi but was not allowed to resume duty and then he reported back to his parent office on the same day. However, the management vide order dated 9-7-83 terminated the services of the workman. This order was subsequently cancelled and he was allowed to continue. Finally vide order dated 22-7-83 the services of the workman were terminated and he was paid wages for the unexpired notice period upto 30-7-83. It is alleged that the management had not followed the procedure of Section 25-F of the I.D. Act and Shri Mahesh Thakur who was junior to the workman was retained in service. Hence the action of the Management is illegal, arbitrary and unjustified and malafide. The workman has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The management in its written statement controverted the claim and allegations of the workman and denied the various orders of appointment, regularisation and transfer and termination referred to by the workman. It was also denied that the workman was directed to report to Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan. It was further contended that the workman was terminated from service because the casual work for which he was employed no more existed. It was also denied that any persons junior to the petitioner had been retained in service.

4. The workman has placed on record photo copies of the letters dated 23-11-81, 17-12-81, 24-12-81, 11-1-82, 314-2-82, 17-4-82, 6-5-82, 3-6-82, 14-6-82, 13-6-83, 22/24-6-83, 8-7-83 (three letters of this date) and 22-7-83. M.W.I Shri J. K. Gupta who appeared on behalf of the management has admitted that these letters were issued by the management. Therefore, the pleadings of the management in the written statement denying the issue of these letters is proved to be false. It is indeed regrettable that a public undertaking like the AIR should have indulged in falsehood of this type. However this need not detain us long and detract from the real controversy. These letters demonstrate the way word manner in which the management had been acting in respect of the workman and also betrays lack of conviction on the part of the management as to how the appointment of this workman was to be

treated. Vide letter dated 23-11-81 the workman was asked to appear for interview for the post of Carpenter as his name had been forwarded by the Employment Exchange and on the basis of the interview appointment order dated 17-12-81 was issued and it was indicated the appointment is temporary and until further orders and the workman will be on probation for two years. It was followed by letter dated 24-12-81 intimating that the appointed conveyed in letter dated 23-11-81 stood withdrawn and a further communication will follow (SIC the appointment offer was actually conveyed vide letter dated 17-12-81 and not vide letter dated 23-11-81). Thereafter letter dated 11-1-82 was issued offering post of Carpenter to the workman on work charged establishment in the Jamnagar House for three months and till such time the installation of Radio Coverage of 9th Asian Games was completed vide order dated 3/4-2-82 the workman was further appointed for three months from 18-1-82 to 17-4-82. Vide letter dated 17-4-82 the appointment was further extended from 18-4-82 to 17-7-82. Then followed letter dated 6-5-82 whereby the post of carpenter was offered on the recommendation of the Selection Board and it was further intimated that the appointment is temporary against post sanctioned on three months basis and that service will be terminated on one month notice from either side in accordance with the Central Civil Service (Temporary Service) Rules 1965. Then followed order dated 3-6-82 whereby the workman was appointed Carpenter w.e.f. 15-5-82 till further orders. Then memorandum dated 14-6-82 was issued to the effect that the appointment order dated 3-6-82 had been changed and the workman was appointed in a purely temporary capacity against a temporary post till 11/81 and the appointment against regular post is not sure. Thereafter an order dated 13-6-83 was issued directing the claimant to proceed on tour to Suratgarh for installation of play back studio. This letter clearly indicates the stand of the workman that his appointment was not for to project at the Asian Games only, otherwise he could not have been transferred to Suratgarh. (Although it has been mentioned in this order that he should proceed to Suratgarh on tour, but no period of the tour had been specified and, therefore, this order amounts to transfer). This was followed by order dated 22/24-6-83 to the effect that consequent on the reduction in the post of carpenter the services of the workman will be terminated with effect from 9-7-83 and he will be paid his pay and allowances in lieu of unexpired portion of the notice period from 10-7-83 to 21-7-83. Then another order dated 8-7-83 was passed transferring the workman to the office of the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi. Vide memorandum of the same date he was relieved from duties and asked to report to the Executive Engineer (Civil) Pushpa Bhawan, New Delhi. There is another order of the same date to the effect that consequent upon the transfer of the workman to the Executive Engineer Civil Construction Wing, New Delhi the order dated 24-6-83 of termination of services was cancelled. Lastly, followed the letter dated 22-7-83 stating that in supersession of the order dated 8-7-83 the services of the workman will stand terminated w.e.f. 30-7-83 and he will be paid pay and allowances of the unexpired period of termination from 31-7-83 to 20-8-83. Although in the written statement it has been pleaded that the workman was removed from service because the casual work for which he was employed no more existed, no such reason was given in the order of termination dated 22-7-83 whereas in the earlier order of termination dated 22/24/6/83 it had been mentioned that the termination was as a consequence of the reduction in the post of Carpenter. However, this order dated 20/24-6-83 was cancelled and the workman was transferred to the Office of Executive Engineer (Civil Construction Wing), Pushpa Bhawan, New Delhi indicating thereby that the work for him existed. Under the circumstances, the plea of the management in the written statement that the services of the workman were terminated because the casual work for which he was employed no more existed is not substantiated. Be that as it may even if it is presumed that there was no work, the termination of the services of the workman amounted to retrenchment. M.W.I Shri J. K. Gupta has admitted that the workman had put in more than 240 days of service as the time of his termination and that he was subscriber to the Provident Fund and this benefit is given to persons appointed against regular post. Therefore, the workman clearly comes within protection of section 25-F

of the I.D. Act according to which before a workman could be retrenched the management was required to comply with the provisions. (a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of action has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice; (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days' average pay (for every completed year of continuous service) or any part thereof in excess of six months. While the Management has paid him wages in lieu of notice. It has not complied with the mandatory provision of section 25-F (b) for payment of retrenchment compensation. The Id. representative of the Management submitted that the workman was governed by the TS (Temporary Service) Rules 1965 and no retrenchment compensation is payable under these rules. This argument is without any substance because the provisions of the I.D. Act super impose or super add certain obligations upon the Management in respect of its contract of employment, as held in the Authority Ramachandra Vithuji Kothare Vs. Industrial Court, Nagpur & Ors. 1986(1) LLJ 366 Bombay High Court as under:

"The provisions of S. 25-F are the provisions of statute which superimpose or superadd certain obligations upon the employer in respect of his contract of employment statutory or otherwise with the workman to whom the Industrial Disputes Act applies. The effect of the provisions of S. 25-F would be that irrespective of the contract of employment the mandatory requirements of S. 25-F will have to be complied with by the employer in the case of a workman to whom the Industrial Disputes Act applies."

5. There cannot be any dispute that All India Radio is "an Industry" and the Industrial Disputes Act is applicable to its workmen. If any authority is needed one may refer to Management of AIR Chhattarpur Vs. P.O. C.G.I.-cum-Labour Court and another 1987(54) FLR 58 Madhya Pradesh High Court wherein it was held as under:

"Industrial Disputes Act, 1947—Secs. 2(j), 2(s), 25-F-10—Constitution of India, Arts. 226, 227, 309, 311—
"Industry"—Concept of All India Radio is "Industry"—Termination of Service of clerk appointed temporarily on ad-hoc basis—Who had put in continuous service for more than 240 days—Without employing with Sec. 25-F provisions—Termination is retrenchment—Termination void for non-compliance of Sec. 25-F provisions—Order for re-instatement with back wages etc. passed by I.T. does not call for interference—Mere framing of Service Rules under Art. 309 does not change status of employee as "workman" under Sec. 2(s)."

Although various orders of the Management referred to above go to show that the workman was appointed against regular vacancy, yet even if he was to be taken as a daily rated workman, still the provisions of Section 25-F would be applicable to him. In the authority workmen of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987(1) LLJ 85 Delhi High Court it was held as under:

"Industrial Disputes Act 1947—Section 2(S) and 25-F—Daily rated workman—Retrenchment of daily rated worker—Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite service during the relevant period—Lumpsum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked."

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter, Slum Department of the Municipal Corporation Delhi, based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and

therefore the workman cannot claim any relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD : When the petitioner was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25(F) of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenchment workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an Industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 25(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good as a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for a period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid."

6. Under the circumstances it is held that the order of termination of the service of the workman is bad for the non-compliance of the provisions of Section 25-F(b) of the I.D. Act and is void ab-initio.

7. The allegation of the workman that there was violation of section 25-Q of the Act as one Shri Mahesh Thakur junior to him was retained in service is not substantiated. The Management has placed on record a copy of the minutes of the Departmental Promotion Committee Ex. MW 1/1 which go to show that Shri Mahesh Thakur was senior to the workman in the gradation. The date of actual joining of service is immaterial and the seniority is reckoned as per the gradation in the selection in the D.P.C. Hence this part of the claim of the workman is rejected.

8. In view of the discussion made above the termination of the workman is held to be not justified and it is directed that he shall be reinstated with continuity of service and full back wages.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

28th April, 1987

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. I-42012/17/84-D.II(B)]

का. प्रा. 1510.—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, इंस्टॉलेशन अफियर, आनंदपुरा रेडियो के प्रबन्धताल में सम्बद्ध नियोजकों द्वारा उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निश्चिट प्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार और प्रौद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, के पंजाट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1510.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal New Delhi, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of installation Officer. All India Radio and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th May, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA; PRESIDING OFFICER;
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL; DELHI
I.D. No. 30/86

In the matter of dispute between :

Shri Rohtas r/o House No. 68, Village Pitampura,
P. O. Khas Pitampura, Delhi-110034.

Versus

The Director, All India Radio,
Jainagar House, New Delhi.

APPEARANCES : Shri S. N. Gupta Advocate for the
workman.

Shri Narinder Chaudhary for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-42012(49)/84-D.II(B) dated 11-12-85 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Installation Officer, All India Radio, Mali Road, New Delhi, in terminating the services of Shri Rohtas, a Watchman, w.e.f. 19-4-1984 is justified and legal? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. The workman has stated that he remained employed with All India Radio New Delhi for the period from 20-4-83 to 19-4-84 whereafter his services were terminated without any notice or charge sheet or enquiry and no wages in lieu of notice or retrenchment compensation were paid to him. Hence the termination of his service was illegal and void and he has sought his reinstatement with continuity of service and full back wages.

3. The case of the Management as put fourth in the written statement is that the workman was employed on a casual basis and as the work on which he was engaged had been completed his services were dispensed with. It was denied that he had completed 240 days work. It was further contended that the respondent is not an 'industry' and is performing the government function and is covered under Article 310 and 311 of the Constitution.

4. The objection of the Management that All India Radio is not an 'industry' and is performing Government function and is covered by article 310 and 311 of the Constitution is without any substance because it has been held that All India Radio is an 'industry' in the authority Management of All India Radio Chattarpur Vs. Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court and another 1987 (54) FLR 58 Madhya Pradesh High Court. The Head Note in this authority reads as under :

"Industrial Disputes Act, 1947, Secs. 2(j), 2(s), 25F, 10-Constitution of India Arts. 226, 227, 309, 311—"Industry"—Concept of—All India Radio is Industry—Termination of service of clerk appointed temporarily on ad-hoc basis who had put in continuous service for more than 240 days without complying with Sec. 25-F provisions—Termination is retrenchment—Termination void for non-compliance of Sec. 25-F provisions—Order for reinstatement with back-wages etc. passed by I.T. does not call for interference—Mere framing of Service Rules under Art. 309 does not change status of employee as "workman under Sec. 2(s)".

5. The second contention of the Management that the claimant was employed as a usual worker on daily wages and is not covered by the provisions of the I. D. Act as also been set at rest by the Authority Workmen of MCD and another Vs. Management of MCD and another 1987 Labour Law Journal 85 Delhi High Court wherein it was held as under :

"Industrial Disputes Act 1947-Section 2(s) and 25-F-Daily rated workman-Retrenchment of daily rated worker—Procedure to be followed—Condition precedent laid down in Sec. 25(F) would apply even to daily rated worker if he had put in the requisite service during the relevant period. Lump-sum compensation awarded towards back wages since the worker was daily rated worker and on account of difficulty in ascertaining the number of days such worker might have worked."

Industrial Dispute relating to the non-employment of a workman was referred for adjudication to the Additional Industrial Tribunal, Delhi. The said workman was employed on a daily rated basis as a pipe fitter, Slum Department of the Municipal Corporation Delhi. Based on the contention that the Scheme in which the workman was employed was transferred to Delhi Development Authority and therefore, the workman cannot claim any relief against Delhi Municipal Corporation, the Labour Court dismissed the claim of the workman. Hence the writ petition by the workman.

HELD : When the petitioner was not assigned any further work it amounts to termination and on that date the department was admittedly with the Municipal Corporation, Delhi. It is well settled that Section 25-F of the I.D. Act is plainly intended to give relief to retrenched workman. The qualification for relief under Section 25(F) is that the person should be a workman employed in an industry and has been in continuous service for not less than one year under his employer. What is continuous service has been defined and explained in Section 25(B) of the I.D. Act. The workman who is not in continuous service for a period of one year shall be deemed to be in continuous service if the workman during the period of 12 months preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than 240 days. Daily rated workman is as good as a worker provided he has put in the requisite number of days of service during the relevant period. Once a daily rated worker has rendered continuous uninterrupted service for a period of one year or more within the meaning of Section 25(F) of the I.D. Act the condition enumerated in that section has to be complied with. Non-compliance with this provision would render the termination invalid."

6. On facts there is hardly any dispute. Although in the written statement the Management denied that the workman had put in more than 240 days in the 12 calendar months prior to the termination of his services, yet during the course of proceeding the Management itself place on record a statement showing the attendance of the workman for the period, from 20-4-83 to 19-4-84. Ex. W-1 according to which the workmen had put in 268 days of work during this period. Therefore it stands proved that the workman had put in continuous service of one year in terms of Section 25-B of the I. D. Act and the provisions of Section 25-F are fully applicable to him. It is not denied by the Management that no notice was served upon the workman nor any wages in lieu of notice nor any retrenchment compensation were paid to him. Therefore, there has been a clear violation of the mandatory provisions of section 25-F of the I. D. Act and the order of termination of his service is clearly illegal and void and the workman is entitled to reinstatement with continuity of service and with full back wages. This reference stands disposed of accordingly.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

G. S. KALRA, Presiding Officer

April 8, 1987

[No. L-42012/49/84-D.II (B)]
HARI SINGH. Desk Officer

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

का आ 1511.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने के द्वारा केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के समय में नियन्त करनी है, जिसको उसन अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के मिवाय जो पहले प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध पंजाब राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, प्रवर्त्ततः—

राज्यग्राम	दृष्ट वस्तु	किला
नम्बर		
1. नागला	51	पटियाला
2. सिंगपुर भूदे	43	पटियाला
3. गमगढ़ भूदे	42	पटियाला
4. मुद्रारिक पुर	357	पटियाला
5. सावोमाजग	12	पटियाला
6. हैबेत पुर	358	पटियाला
7. हैबेतपुर गोड	12	पटियाला
8. बेतपुर	10	पटियाला
9. भाईपुर	11	पटियाला
10. डेंग बादी शहर में मधी क्षेत्र सम्मिलित ।	1511	पटियाला
11. हरी पुर खुरी	17	पटियाला
12. शीर छण्डालो	811	पटियाला
13. बेकी तार	1811	पटियाला
14. जबाहसुर	202	पटियाला
15. जैनलपुर	19	पटियाला
16. भोला भाजग	209	पटियाला
1. भोलापुर	238	नुधियाना
2. मुण्डिया खुर्द	240	नुधियाना
3. मुण्डिया कलान	179	नुधियाना
4. नीची मझोली	239	नुधियाना
5. जोखियान	78	नुधियाना
6. भटियान	89	नुधियाना
7. डाबा	262	नुधियाना
8. जामीयान	101	नुधियाना
9. मधेगाना	71	नुधियाना
10. बाजग	76	नुधियाना
11. मिराह	72	नुधियाना

[संख्या एम-38013/15/87-एम.एम-1]

come into force in the following areas in the State of Punjab, namely :—

Revenue Village	Had Bast No.	District
1. Nagla	51	Patiala
2. Singh Pur Bhude	43	Patiala
3. Ramgarh Bhude	42	Patiala
4. Mubarik Pur	357	Patiala
5. Sadomajra	12	Patiala
6. Haibatpur	358	Patiala
7. Haibatpur Road	12	Patiala
8. Saidpur	10	Patiala
9. Madhopur	11	Patiala
10. Areas comprising Derabasi Town	1511	Patiala
11. Haripur Khuro	17	Patiala
12. Vir Dandralo	811	Patiala
13. Devi Nagar	1811	Patiala
14. Jawaharpur	202	Patiala
15. Janatpur	19	Patiala
16. Bhola Majra	209	Patiala
1. Bholapur	238	Ludhiana
2. Mundia Khurd	240	Ludhiana
3. Nichi Mahgeli	239	Ludhiana
4. Mundia Kalan	179	Ludhiana
5. Shekhwali	78	Ludhiana
6. Bhatian	89	Ludhiana
7. Daba	262	Ludhiana
8. Jassian	101	Ludhiana
9. Maherban	71	Ludhiana
10. Bajra	76	Ludhiana
11. Sirah	72	Ludhiana

[No. S-38013/15/87-SS.1]

का. आ. 1512.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने के द्वारा केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के समय में नियन्त करनी है, जिसको उसन अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के मिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध उडीमा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, प्रवर्त्ततः—

“मुन्द्रसाठ जिले में यहांसीन पमोश कुमारसुण्डा का रुक्केला भाहर, यूनिट संख्या 29 (ग्राम जगदा) ।”

[संख्या एम-38013/16/87-एम.एम-1]

S.O. 1512.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of ORISSA, namely :—

“Rourkela Town, Unit No. 29 (Village Jagada) of Tehsil Panposh Kuarmunda in the District of Sundergarh.”

[No. S-38013/16/87-SS.1]

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1511.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall

का. आ. 1513.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपाधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय भरकार एवंद्वारा 15 जून, 1987 को उस तारीख के रूप में तियस करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपाधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के मिलाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) उपर्युक्त केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होने, अन्तिम—

“गिला त्रिवेन्द्रम के नेपथ्यनकारा तालुक में विल्लापिल्ल के राजमन्त्र द्वारा के अन्तर्गत भाने वाले क्षेत्र।”

[मंज्या एम-38013/17/87-एम. एम.-1]
मीना गुप्ता, निवेशक

S.O. 1513.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 15th June, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala, namely :—

“The areas within the revenue village of Vilappil in Neyyathinkara Taluk of Trivandrum District.”

[No. S-38013/17/87-SS.I]
MEENA GUPTA, Director